

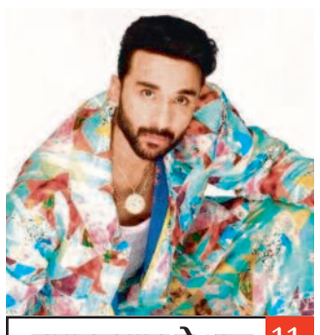
उत्तराखण्ड में विकास को नई रफ्तार... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र



राघवजुयाल ने शुरू की एनी बॉडी... 11

वर्ष - 02, अंक - 216 | गाजियाबाद / शनिवार 07 नवम्बर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

धनतेरस पर कारोबार धुआंधार! 1 लाख करोड़ के पार हुआ लेनदेन



नई दिल्ली (एजेंसी)। धनतेरस के मौके पर देशभर के बाजारों में रौनक देखने को मिली। सोना-चांदी खरीदने से लेकर घर की सजावट और पारंपरिक सामान लेने तक, लोग त्योहार की तैयारियों में जुटे रहे। महंगाई और कीमती धातुओं के बढ़े दाम भी लोगों के खरीदारी के उत्साह को कम नहीं कर पाए हैं। लोग भारी और महंगे गहनों के बजाय हल्के आभूषण खरीदने पर ध्यान दे रहे हैं। ऑल इंडिया ज्वैलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन के अनुसार, बाजार में 14 और 18 कैरेट सोने के हल्के आभूषणों की मांग बढ़ी है। कम वजन वाले गहने उन ग्राहकों के लिए विकल्प बन रहे हैं, जो बजट के अंदर रहकर धनतेरस पर सोना खरीदा।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के मुताबिक, इस धनतेरस पर देशभर में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार होने का अनुमान है। इसमें सोने और चांदी की बिक्री का हिस्सा भी काफी बड़ी भूमिका रही। संगठन के अनुसार, दोनों कीमती धातुओं का कारोबार 60 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का रहा। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि महंगे दामों के बावजूद लोग त्योहार पर खरीदारी को प्राथमिकता दे रहे हैं।

कीमतों के बावजूद बाजार में उत्साह

धनतेरस पर खरीदारी को लेकर इस बार बाजार में सकारात्मक माहौल रहा। ग्राहक अपनी जरूरत और बजट के हिसाब से सामान चुन रहे हैं। कोई हल्के सोने के गहने खरीद रहा है, तो कोई चांदी के सिक्कों और सजावटी वस्तुओं को प्राथमिकता दे रहा है।

चांदी के सिक्कों और शुभ आकृतियों की भी मांग

इस बार केवल सोने के गहने ही नहीं, बल्कि चांदी से बनी चीजें भी लोगों को लुभा रही हैं। चांदी के सिक्कों, सजावटी सामान और पारंपरिक उपहारों की खरीदारी बढ़ी है। इसके अलावा मछली, कछुए और हाथी जैसी शुभ आकृतियों वाली वस्तुएं भी ग्राहकों की पसंद में शामिल हैं। धनतेरस पर इन चीजों को खरीदना कई लोग शुभ मानते हैं।

कर्मभूमि एक्सप्रेस में राजपुरा के पास लगी आग,चार बोगियां जलीं

- अमृतसर से बंगाल जा रही; बचाव कार्य शुरू

पटियाला। अमृतसर से पश्चिम बंगाल जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस में शुक्रवार को अचानक आग लगने की घटना से यात्रियों में हड़कंप मच गया।

ट्रेन के इंजन से पांचवें डिब्बे तक धुआं निकलता दिखाई देने के बाद रेलवे प्रशासन में भी अफरातफरी मच गई। एहतियात के तौर पर ट्रेन को राजपुरा रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारियों और संबंधित कर्मचारियों को सतर्क किया गया। ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच धुआं फैलने से दहशत का माहौल बन गया। कई यात्रियों ने अपने सामान के साथ डिब्बों से बाहर निकलने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि राजपुरा के



नजदीक सराय बंजारा क्षेत्र में ट्रेन के चार डिब्बे आग की चपेट में आए। रेलवे प्रशासन की ओर से स्थिति को नियंत्रित करने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई की गई। इस घटना के कारण रेल यातायात भी प्रभावित होने की आशंका है।फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। प्रारंभिक जानकारी के आधार पर शार्ट सर्किट अथवा तकनीकी खराबी जैसी किसी वजह की पुष्टि नहीं की जा सकती।

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प का साथ छोड़ सकते हैं विदेश मंत्री रूबियो वेंस भी बना रहे दूरी



वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में हार के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी में मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। विदेश मंत्री मार्को रूबियो ट्रम्प का साथ छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक, रूबियो अपने भविष्य के विकल्पों पर चर्चा कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने इससे इनकार किया है। दूसरी ओर, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी ट्रम्प से दूरी बना रहे हैं। वेंस 2028 के राष्ट्रपति चुनाव की तैयारी में ट्रम्प से नाराज वोटरों को अपने साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं। हाउस में कुल 435 सीटें हैं। सभी सीटों पर चुनाव हुए। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 253 और ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी ने 157 सीटें जीती हैं। 25 सीटों पर अंतिम नतीजे आनी बाकी हैं। डेमोक्रेट्स को जरूरी बहुमत मिल चुका है।

मुंबई पर छाया आतंक का साया,हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी



मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में बम की धमकी मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में अलर्ट हो गई हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट को ईमेल भेजकर बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इस ईमेल में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई), वर्ली रेसकोर्स और बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन के बंगले 'जलसा' को भी निशाना बनाने की बात कही गई है। दरअसल, मुंबई में ही अमिताभ बच्चन के दो बंगले हैं। एक प्रतीक्षा और दूसरा जलसा। धमकी सामने आने के बाद मुंबई पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। पुलिस ने ईमेल को गंभीरता से लेते हुए इसकी जांच शुरू कर दी है। फिलहाल धमकी भेजने वाले की पहचान नहीं हो पाई है।

धमकी भरे ईमेल में मुंबई की चार प्रमुख जगहों का जिक्र किया गया है। मुंबई पुलिस और दूसरी सुरक्षा एजेंसियां ईमेल भेजने वाले का पता लगाने में जुटी हैं। जांच का मुख्य मकसद यह पता करना है कि धमकी किसने भेजी और इसके पीछे क्या मंशा है। पुलिस ने फिलहाल मामले में विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है। अधिकारियों के मुताबिक, जांच जारी है और आगे की जानकारी मिलने का इंतजार है। इससे पहले 23 अक्तूबर को भी मुंबई पुलिस को एक ईमेल मिला था। इसमें भी अभिनेता अमिताभ बच्चन के मुंबई स्थित बंगले को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी।

अमेरिका, जापान, कोरिया के बाजार 5 फीसदी से ज्यादा टूटे

8 महीने बाद सेंसेक्स 80,000 पार, 1000 अंक का आया उछाल

मुंबई (एजेंसी)। दुनियाभर के बाजारों में गिरावट के बीच आज सेंसेक्स 1000 अंक या 1.35 फीसदी चढ़कर 80,400 के करीब पहुंच गया है। 8 महीने बाद ये 80 हजार के पार पहुंचा है। वहीं निफ्टी में 250 अंक या 1.10 फीसदी से ज्यादा की तेजी है, ये 24,800 के स्तर पर है। कल बाजार में साल की दूसरी बड़ी बढ़त रही थी। सेंसेक्स 2009 अंक चढ़कर 79310 पर बंद हुआ था। इससे पहले 8 अप्रैल को सेंसेक्स 2,946 अंक चढ़ा था।

बाजार में तेजी की 2 वजह

विदेशी निवेशकों ने पिछले 7 दिनों में 32,210 करोड़ का बड़ा निवेश किया है, जिससे घरेलू शेयर बाजार को जबरदस्त सपोर्ट मिला है। वहीं सितंबर तिमाही के मजबूत नतीजों से सेंटिमेंट सुधरा है। रिलायंस, इंफोसिस और टीसीएस जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में तेजी आई है। सेंसेक्स के टॉप 30 में शामिल कंपनियों के शेयरों में बढ़त से ही सेंसेक्स बढ़ता है। गुरुवार को इनमें से ज्यादातर कंपनियों के शेयरों में उछाल आया है। भारत के बाजार में ट्रंप की हार का भी काफी असर देखा जा रहा है।

7 दिन में 8 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई



शेयर बाजार 7 दिन में 8 फीसदी से ज्यादा चढ़ा

शेयर बाजार में तेजी का आज लगातार सातवां दिन है। 28 अक्टूबर से लेकर 6 नवंबर के दौरान सेंसेक्स 73,246 से उछलकर 80,000 के पार पहुंच गया है। यानी ये 8 फीसदी से ज्यादा चढ़ा है।

लार्जकैप शेयरों में तेजी आगे भी रह सकती है

विदेशी निवेशकों की शुरुआती खरीदारी से बड़े शेयरों में उछाल है। विजय कुमार को उम्मीद है कि अभी बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर के दिग्गज शेयरों में और तेजी दिख सकती है। उन्होंने कहा कि लार्जकैप शेयरों में अभी और शॉर्ट कवरिंग होनी बाकी है, इसलिए बैंकिंग और फाइनेंशियल शेयरों की अगुवाई में बड़े शेयरों में आगे और रिकवरी की उम्मीद है। हालांकि विजय कुमार ने चेतावनी भी दी है कि जैसे ही बाजार ऊपर जाएगा, घरेलू निवेशक मुनाफावसूली के लिए शेयर बेच सकते हैं। इससे ऊपरी स्तरों पर बिकवाली आ सकती है।

धनतेरस पर सोना-चांदी सस्ता



सोना 3 हजार घटकर 1.41 लाख पर आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। धनतेरस पर सोना-चांदी दोनों की कीमतों में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 3,106 रुपए घटकर करीब 1.41 लाख रुपए पर आ गए हैं। एक किलो चांदी 5,437 रुपए सस्ती होकर 1.81 लाख रुपए पर आ गई है। इससे एक दिन पहले सोना 1.44 लाख और चांदी 1.87 लाख रुपए पर थी। चांदी इस साल चांदी 49 हजार रुपए सस्ती हुई है।

सोना इस साल 8 हजार महंगा और चांदी 49 हजार सस्ती

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 8 हजार रुपए महंगा हुआ है। वहीं, चांदी 49 हजार रुपए सस्ती हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए था, जो अब 1.41 लाख रुपए पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो 1.81 लाख रुपए हो गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई है।

बेंगलुरु में पत्नी और सास समेत ससुराल के 7 सदस्यों की हत्या

- मायके जाने से नाराज था पति,पार्टी के बहाने घर बुलाया,सिलबट्टे से जान ली

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के बेंगलुरु में घरेलू विवाद के चलते एक कैब ड्राइवर ने अपनी पत्नी समेत उसके परिवार के 7 लोगों की हत्या कर दी। मृतकों में 7 साल का बच्चा भी शामिल है। आरोपी की पहचान शेखर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक, शेखर की शादी करीब 20 साल पहले सुनीता से हुई थी। दोनों के बीच सुनीता के मायके जाने को लेकर अक्सर विवाद होता था। सुनीता की मां और भाई भी उसका साथ देते थे। इसी बात से नाराज होकर शेखर ने पूरे परिवार को खत्म करने की साजिश रची।

आरोप है कि शेखर ने पहले अपनी पत्नी सुनीता की घर में सिलबट्टे से हत्या की और शव को कपड़े में लपेटकर नंदी हिल्स के पास फेंक दिया। इसके बाद उसने सुनीता का मोबाइल बंद कर दिया और पड़ोसियों को बताया कि वह घूमने गई है। अगले दिन उसने अपने दो सालों शिवकुमार और शंकर को पार्टी के बहाने घर बुलाया और उनकी हत्या कर दी।

फारुक अब्दुल्ला बोले-नेशनल कॉन्फ्रेंस कभी नहीं टूटेगी

- *नाराज 25 विधायकों से मिले, ये 8 दिन से डिप्टी सीएम को हटाने की मांग पर अड़े*

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की सरकार गिरने की अटकलों के बीच शुक्रवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस के नाराज विधायकों ने श्रीनगर में पार्टी अध्यक्ष फारुक अब्दुल्ला के घर मीटिंग की। इसमें सीएम उमर भी मौजूद थे।

मीटिंग के बाद फारुक अब्दुल्ला ने कहा, 'नेशनल कॉन्फ्रेंस कभी नहीं टूटेगी। मैंने विधायकों की शिकायतें सुनी हैं, हम उन पर काम करेंगे। कुछ का समाधान तुरंत होगा, तो कुछ का धीरे-धीरे होगा।'नाराज विधायकों के नेता नजीर गुरेजी ने कहा, 'हमने पार्टी लीडरशिप के सामने अपनी शिकायतें रखी हैं, उन पर जल्द ध्यान दिया जाएगा। 25 विधायकों की प्रमुख



मांगों में सीएम के सलाहकार नासिर सोगमी को हटाना, डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी से सड़क निर्माण विभाग वापस लेना या उन्हें पद से हटाना और सरकार के लोगों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कराना शामिल है।

श्रीनगर से सांसद मेहंदी ने भी नेशनल कॉन्फ्रेंस छोड़ी

नेशनल कॉन्फ्रेंस से श्रीनगर के सांसद आगा रुहुल्लाह मेहंदी ने मंगलवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। इस दौरान उन्होंने कहा- यह आजादी का फैसला है। मैं एक शहीद की विरासत और पाक खून की नस्ल का प्रतिनिधित्व करता हूं। मैं अपनी आजादी के दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर रहा हूं। आज दोपहर 2:40 बजे से मैं नेशनल कॉन्फ्रेंस का हिस्सा नहीं हूं। इसके बाद गुरुवार को लोकसभा स्पीकर ने आगा का इस्तीफा मंजूर कर लिया। अब वो सांसद नहीं हैं।

दिल्ली में वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट का तंज

उम्मीद है कि आप मौसम का आनंद ले रहे होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से जुड़े स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई की। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने प्रदूषण को लेकर तंज भी कसा। सीजेआई सूर्यकांत जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने कहा कि उम्मीद है कि आप सभी दिल्ली-एनसीआर के मौसम का आनंद ले रहे होंगे।

वरिष्ठ वकील अमिकस क्यूरी अपराजिता सिंह ने कोर्ट को बताया कि प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी के आसपास बना हुआ है। हमारी आवाज भी बैठ रही है और यह रोज 30 सिगरेट पीने जैसा है। वहीं सीजेआई सूर्यकांत ने तंज कसते हुए कहा कि हमें उम्मीद है कि आप सभी दिल्ली के मौसम का आनंद ले रहे होंगे।

अपराजिता सिंह ने कहा कि 5 नवंबर को पराली जलाने का योगदान 14 प्रतिशत था। दिल्ली पहले से



ही प्रदूषित है। पराली जलाने से स्थिति और बिगड़ जाती है। ट्रांसपोर्ट सबसे बड़ी समस्या है। हमें स्थानीय प्रदूषण और पराली जलाने की समस्या पर वास्तव में काम करने की जरूरत है। एनसीआर में ट्रांसपोर्ट, ऊर्जा, कचरा जलाना आदि जैसी कई समस्याएं हैं।

पराली जलाना बंद होना चाहिए

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यहां बारिश होने की वजह से स्तर थोड़ा कम हुआ है। यह वह समय है जब किसान बुआई करेंगे... पराली जलाना तो (बंद) हो जाना चाहिए। बता दें कि दिल्ली में प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और कई इलाकों में एक्यूआई का लेवल 450 के पार चला गया है, जो बेहद गंभीर श्रेणी में आता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दिवाली मनाने के साथ-साथ प्रदूषण के प्रति जागरुकता बढ़ाना भी जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ पाबंदियां लगाने से समस्या हल नहीं होगी, बल्कि इससे नियमों के उल्लंघन के मामले और बढ़ सकते हैं। बेंच ने कहा कि त्योहारों के दौरान हमें अपनी पुरानी परंपराओं और रीति-रिवाजों पर फिर से गौर करने की जरूरत है। हम अपनी पुरानी परंपराओं की ओर क्यों नहीं लौटते।

2013 तहलका दुष्कर्म केस

तेजपाल को नहीं मिली राहत, कोर्ट ने सजा पर रोक लगाने से किया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। 'तहलका' के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल की 10 साल की जेल की सजा पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को रोक लगाने से इनकार कर दिया। तरुण तेजपाल को नवंबर 2013 में गोवा के एक होटल की लिफ्ट में अपनी एक जूनियर सहकर्मी के साथ बलात्कार करने का दोषी ठहराया गया था। जज एम.एम. सुंदरेश और जज प्रसन्ना बी. वराले की बेंच ने तेजपाल के ईमेल और मैसेज सहित अन्य दूसरे सबूतों पर गौर करने के बाद उनकी अर्जी खारिज कर दी। सुनवाई के दौरान बेंच का मानना था कि उनकी सजा पर रोक लगाने के लिए कोई ठोस आधार नहीं बनता है। तेजपाल ने बॉम्बे हाई कोर्ट के छह अगस्त के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हाई कोर्ट ने 2021 में ट्रायल कोर्ट द्वारा तेजपाल को बरी किए जाने के फैसले को पलटते हुए उन्हें इस मामले में दोषी ठहराया था।



अयोध्या सील होने से हाईवे पर भीषण जाम, फंसे बृजभूषण शरण ने कहा... घोर अव्यवस्था

गोंडा, एजेंसी। राम नगरी अयोध्या को सील करने के बाद गोंडा-अयोध्या हाईवे पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लगने से आम लोगों के साथ वीआईपी भी परेशान हैं। इसी जाम में पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह भी फंस गए। उन्होंने यातायात व्यवस्था पर नाराजगी जताकर घोर अव्यवस्था करार दिया और प्रशासन की तैयारियों पर सवाल उठाए। जाम में फंसे बृजभूषण का वीडियो सामने आया है। इसमें वे अपनी सफेद फॉर्च्यूनर गाड़ी में बैठे नजर आ रहे हैं। उन्होंने गाड़ी के अंदर से ही जाम की स्थिति पर प्रतिक्रिया देकर कहा, घोर अव्यवस्था है, किसको जिम्मेदारी दें। उन्होंने बताया कि अयोध्या को सील किए जाने के कारण वाहनों को दूसरे रास्तों से होकर गुजरना पड़ रहा है। इससे गोंडा-अयोध्या मार्ग पर यातायात का दबाव काफी बढ़ गया है। पूर्व सांसद ने कहा कि प्रशासन को अयोध्या में यातायात प्रतिबंध लागू करने से पहले बेहतर इंतजाम करने चाहिए थे। बिना उचित योजना के मार्ग बंद करने का असर आसपास के जिलों पर भी पड़ा है। गोंडा, बलरामपुर और बस्ती की ओर जाने वाले लोगों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ रहा है। इससे स्कूली बच्चों, मरीजों और जरूरी काम से यात्रा करने वाले लोगों को भी परेशानी हो रही है।

फेसबुक लाइव में आकर आदिवासी नेता निशा भगत ने दे दी जान

- प्रशासन और भू-माफिया पर लगाए थे आरोप

रांची, एजेंसी। झारखंड की आदिवासी नेता निशा भगत की आत्महत्या की खबर के बाद उनके आखिरी फेसबुक लाइव में लगाए गए आरोप चर्चा में हैं। बताया गया कि उन्होंने आत्महत्या से पहले फेसबुक पर लाइव आकर सरकार, प्रशासन और जमीन से जुड़े कुछ लोगों पर गंभीर आरोप लगाए थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अपने एफबी लाइव में निशा भगत ने दावा किया कि वह लंबे समय से आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही थीं, लेकिन उन्हें अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। उन्होंने हेमंत सरकार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप था कि समाज के मुद्दों और सरकार की कथित कमियों को उठाने के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ा। निशा भगत ने जमीन से जुड़े कुछ लोगों पर भी आरोप लगाए और प्रशासन से मदद नहीं मिलने की बात कही। उन्होंने अजय तिर्की का नाम लेते हुए प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए। लाइव के दौरान उन्होंने पिठोरिया थाना प्रभारी से फोन पर बातचीत भी की और पुलिस की कार्रवाई को लेकर नाराजगी जताई।

बागी विधायकों से मुलाकात कर बोले फारूक अब्दुल्ला- पार्टी कभी नहीं टूटेगी

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर नाराजगी और बगावत की चर्चाओं के बीच पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बागी विधायकों से मुलाकात की। बैठक के बाद फारूक अब्दुल्ला ने स्पष्ट किया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस में किसी तरह का विभाजन नहीं होगा और पार्टी एकजुट है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने नाराज विधायकों की शिकायतें सुनी हैं और उनकी समस्याओं पर जल्द काम किया जाएगा। उन्होंने पार्टी में किसी टूट की संभावना से इनकार करते हुए कहा कि सभी नेताओं और विधायकों को साथ लेकर आगे बढ़ा जाएगा। पार्टी के भीतर कुछ विधायकों की नाराजगी और उनके अलग रुख को लेकर पिछले कुछ समय से राजनीतिक चर्चाएं चल रही थीं। ऐसे में फारूक अब्दुल्ला की बैठक को संगठन के भीतर मतभेद दूर करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। बैठक के बाद उनके बयान से पार्टी नेतृत्व ने एकजुटता का संदेश देने की कोशिश की है।

गिरिराज का विरोधी नेताओं पर तीखा हमला... अब राजमाता को वह बीमारी नहीं होती

बिना नाम लिए सोनिया, राहुल, अखिलेश और लालू परिवार पर कसा तंज



नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इंडिया ब्लॉक के नेताओं पर तीखा हमला बोलकर बिना किसी का नाम लिए कई विपक्षी नेताओं और उनके परिवारों पर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं पर तीखा कटाक्ष किया। केंद्रीय मंत्री सिंह की यह टिप्पणी तब आई है, जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सार्वजनिक बहस की चुनौती दी है और सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज है।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने लिखा कि भारतीय लोकतंत्र में अब पहले जैसा मजा नहीं रहा। उन्होंने तंज करते हुए कहा कि अब राजमाता को वह बीमारी नहीं होती, जिसके इलाज के लिए उन्हें मोटे-मोटे बैग लेकर बार-बार विदेश जाना पड़ता था। उन्होंने राजमाता की बेटी की पेंटिंग करोड़ों में नहीं बिकने और जीजाजी का हरियाणा में जमीन का कारोबार बंद होने की बात भी कही। इन टिप्पणियों को कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और उनके परिवार पर निशाने के रूप में देखा जा रहा है। इतना ही नहीं केंद्रीय मंत्री सिंह ने दक्षिण भारत के एक नेता पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने गमलों में करोड़ों की सब्जियां उगाने और उनकी पत्नी की करोड़ों रुपये की पेंटिंग सरकार की ओर से नहीं खरीदे जाने का जिक्र किया। हालांकि, उन्होंने इस नेता की पहचान उजागर नहीं की।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने उत्तर प्रदेश की राजनीति का जिक्र कर सैफई महोत्सव पर भी तंज कसा, कि अब सैफई में बालीवुड का नाच गाना नहीं होता है। इस तंज को समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के परिवार से जोड़कर देखा जा रहा है। इसके अलावा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के परिवार पर भी निशाना साधा। उन्होंने चारा घोटाले का संदर्भ देकर लिखा कि अब चारा स्कूटर पर ढोने की नौबत नहीं आती। मुंबई में अंडरवर्ल्ड के पुराने प्रभाव का जिक्र कर भी उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष किया।

अपनी पोस्ट के अंत में केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि पहले प्रधानमंत्री की कुर्सी पारिवारिक मुद्दा हुआ करती थी और परिवार में ही फैसला होता था, लेकिन अब इसके लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है। उनकी इस टिप्पणी को विपक्षी दलों के नेतृत्व और परिवारवाद पर भाजपा के राजनीतिक हमले के रूप में देखा जा रहा है।

1.27 करोड़ हिंदुओं के वोट कटने के दावे पर अखिलेश का सवाल, मुख्यमंत्री को कैसे पता चला?

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची से नाम कटने के मामले पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी के उस कथित बयान पर सवाल उठाया, जिसमें दावा हुआ था कि मतदाता सूची से 1 करोड़ 27 लाख हिंदुओं के नाम गायब हो गए हैं। अखिलेश ने पूछा कि मुख्यमंत्री को कैसे पता चला कि मतदाता सूची से हटाए नाम हिंदुओं के ही हैं?



अखिलेश ने कहा कि 30 तारीख को मुख्यमंत्री योगी ने 1.27 करोड़ हिंदुओं के नाम मतदाता सूची से गायब होने की बात कही थी। उनके इस बयान की रिकॉर्डिंग कई समाचार चैनलों के पास उपलब्ध होगी। उन्होंने सवाल किया कि जब मतदाता सूची से नाम हटाए गए हैं, तब उनकी धार्मिक पहचान की जानकारी मुख्यमंत्री को कैसे मिली?

सपा प्रमुख अखिलेश ने आरोप लगाया कि अवैध घुसपैठियों का मुद्दा उठाकर लोगों में डर पैदा किया और उनके मतदान के अधिकार पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि इस शब्द का इस्तेमाल कुछ लोगों को समाज में बदनाम करने के लिए किया गया। अखिलेश के मुताबिक, असली मुद्दा हर नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा का है।

उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया और मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए इस्तेमाल होने वाले फॉर्म-7 को लेकर भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। अखिलेश ने दावा किया कि पीडीए प्रहरियों और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गलत तरीके से वोट कटवाने की कोशिशों को पकड़ा और उन्हें रोका है।

अस्पताल में शरद पवार से मिले प्रफुल्ल पटेल... 10 नवबंर के बाद सुलह की उम्मीद

मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के बीच संभावित एकजुटता को लेकर चर्चाएं फिर तेज हुई हैं। अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने अस्पताल पहुंचकर शरद पवार से मुलाकात की। इस मुलाकात का वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में नए समीकरणों को लेकर अटकलें लगाई जाने लगी हैं। दरअसल, शरद पवार की तबीयत खराब होने के कारण अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। तभी प्रफुल्ल पटेल उनसे मिलने पहुंचे। सामने आए वीडियो में दोनों नेताओं के बीच बातचीत होती दिखाई दे रही है। इस दौरान शरद पवार को प्रफुल्ल से यह कहते सुना गया कि 10 नवंबर के बाद मिलते हैं। उनके इस बयान को राजनीतिक नजरिए से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रफुल्ल की मुलाकात ने एनसीपी के दोनों गुटों के बीच दूरियां कम होने की संभावनाओं को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है। गौरतलब है कि स्व.अजित पवार के नेतृत्व में पार्टी में विभाजन के बाद शरद और अजित पवार के गुट अलग-अलग राजनीतिक राह पर चल रहे हैं। दोनों खेमों के बीच राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भी लगातार देखने को मिली है। इसके बाद अस्पताल में हुई इस मुलाकात और 10 नवंबर के बाद फिर मिलने की बात को संभावित सुलह के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, इस मुलाकात से किसी राजनीतिक समझौते, गठबंधन या पार्टी के विलय की पुष्टि नहीं होती है। दोनों गुटों की ओर से भी एकजुटता को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। अब राजनीतिक हलकों की नजरें 10 नवंबर के बाद होने वाले घटनाक्रम पर टिकी हैं।



उत्तराखण्ड में विकास को नई रफ्तार, 1475 करोड़ की 62 योजनाओं की मिली सौगात



देहरादून (शिखर समाचार)। उत्तराखण्ड के विकास को गति देने के उद्देश्य से राज्योत्सव समारोह के दौरान प्रदेश को 1475.31 करोड़ रुपये की 62 विकास योजनाओं की सौगात मिली। शुक्रवार को परेड ग्राउंड में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इन योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें 1073.11 करोड़ रुपये की 44 योजनाओं का शिलान्यास तथा 402.20 करोड़ रुपये की 18 योजनाओं का लोकार्पण शामिल है। इन परियोजनाओं से प्रदेश में सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, पर्यटन और शहरी सुविधाओं का विस्तार होगा।

ऊर्जा विभाग के अंतर्गत उत्तराखण्ड पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड की 472.33 करोड़ रुपये की 20 योजनाओं का शिलान्यास और 77.93 करोड़ रुपये की तीन योजनाओं का लोकार्पण किया गया। पेयजल निगम की 191.17 करोड़ रुपये की आठ योजनाओं का शिलान्यास तथा 82.03 करोड़ रुपये की पांच योजनाओं का लोकार्पण हुआ। जल संस्थान की 62.30 करोड़ रुपये की दो योजनाओं की भी आधारशिला रखी गई।

लोक निर्माण विभाग की 18.78 करोड़ रुपये की योजना का शिलान्यास और 99.68 करोड़ रुपये की तीन योजनाओं का लोकार्पण किया गया। शहरी विकास विभाग की 92.25 करोड़ रुपये की चार योजनाओं का शिलान्यास तथा 10.95 करोड़ रुपये की योजना का लोकार्पण हुआ। इनमें हरिद्वार में कुंभ मेला-2027 के दृष्टिगत सड़क, पुल और अन्य सुविधाओं के विकास से जुड़े कार्य शामिल हैं। तकनीकी शिक्षा विभाग की 35.06 करोड़ रुपये की योजना का शिलान्यास और 61.98 करोड़ रुपये की तीन योजनाओं का लोकार्पण किया गया। पर्यटन विभाग की 43.70 करोड़ रुपये की दो योजनाओं में टिहरी की डोबरा-चांठी पार्क परियोजना तथा हेमकुंड साहिब रोपवे के लिए विद्युत आपूर्ति संबंधी कार्य शामिल हैं। गृह विभाग की 68.27 करोड़ रुपये की दो योजनाओं के तहत देहरादून में 31.63 करोड़ रुपये की लागत से साइबर उत्कृष्टता केंद्र और हल्द्वानी में 36.64 करोड़ रुपये से अग्निशमन केंद्र के आवासीय भवन बनाए जाएंगे। सितारगंज में 48.21 करोड़ रुपये की लागत से दुग्ध चूर्ण संयंत्र, आइसक्रीम संयंत्र और बेकरी इकाई स्थापित होगी। इसके अलावा अगस्त्यमुनि महाविद्यालय में 19.01 करोड़ रुपये से स्नातकोत्तर खंड का निर्माण, आवास विभाग की योजनाओं, गन्ना विकास तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग के कार्यों को भी आगे बढ़ाया जाएगा। इन परियोजनाओं से आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह गाड़ियों का धुआं, एक्यूआई 400 के करीब

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की बिगड़ती स्थिति पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जाहिर की है। शुक्रवार को मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि वाहनों से निकलने वाला धुआं प्रदूषण का प्रमुख कारण है। दिल्ली को गाजियाबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद और ग्रेटर नोएडा से जोड़ने वाली सड़कों पर वाहनों की भारी भीड़ और बंपर-टू-बंपर ट्रैफिक से स्थिति लगातार खराब हो रही है। अदालत ने प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए तत्काल, मध्यम और दीर्घकालिक उपाय अपनाने की जरूरत जाहिर की है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से जुड़े स्वत: संज्ञान मामले की सुनवाई कर रही थी। सीजेआई ने कहा कि प्रदूषण को लेकर लगातार चर्चा और सुझाव दिए जा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 के करीब पहुंच रहा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि दिल्ली और आसपास के शहरों को जोड़ने वाली सड़कों पर वाहनों की संख्या और लगातार लगने वाला जाम बड़ी समस्या बन चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रदूषण का सबसे अधिक असर गरीब और मजदूर वर्ग पर पड़ता है। सड़क किनारे काम करने और रोजी-रोटी कमाने वाले लोगों को जहरीली हवा का सामना करना पड़ता है। त्यौहारों के दौरान उनकी कमाई भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए प्रदूषण नियंत्रण के उपाय करते समय उनकी आजीविका का ध्यान रखना जरूरी है। पराली जलाने के मामले में अदालत ने किसानों को जागरूक करने और खेतों में आग लगाने के बजाय कृषि मशीनों के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। सुनवाई में बच्चों को प्रदूषण से बचाने के लिए स्कूल बंद करने और सभी कक्षाओं को हाइब्रिड मोड में संचालित करने की मांग भी उठी। पीठ ने कहा कि इस विषय पर विशेषज्ञों की राय के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।

केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि औद्योगिक उत्सर्जन, वाहन प्रदूषण, निर्माण कार्यों की धूल, सड़क की धूल और पराली जलाने सहित पांच प्रमुख क्षेत्रों में नियंत्रण के उपाय किए जा रहे हैं। वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध, पीयूसी प्रमाणपत्र की जियो-टैगिंग और अधिक धुआं छोड़ने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई भी इनमें शामिल है।



केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, शुक्रवार को दिल्ली का औसत एक्यूआई 391 रहा। रोहिणी में यह 475 और आईआईटी दिल्ली में 472 दर्ज किया गया। 59 निगरानी केंद्रों में से 30 पर हवा गंभीर श्रेणी में रही। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए आदेश पारित करने की बात कही। मामले की अगली सुनवाई 16 नवंबर को होगी।

भारत में विदेशी नागरिकों को बड़ी राहत: पासपोर्ट और वीजा नियमों में ढील

नई दिल्ली, एजेंसी । केंद्र ने भारत में रह रहे विभिन्न श्रेणियों के विदेशी नागरिकों के लिए पासपोर्ट और वीजा संबंधी नियमों में बड़ी छूट दे दी है। इस महत्वपूर्ण फैसले से कुछ पाकिस्तानी नागरिकों, धार्मिक उत्पीड़न के शिकार अल्पसंख्यक शरणार्थियों, श्रीलंकाई तमिलों और तिब्बती नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स (अमेंडमेंट) ऑर्डर, 2026 अधिसूचित कर इन नियमों में संशोधन किया है, इस गजट में प्रकाशित किया है। इसके साथ ही, नेपाली और भूटानी नागरिकों के लिए भी यात्रा और पहचान संबंधी आवश्यकताओं में बदलाव किए गए हैं।

नए नियमों के अनुसार, 31 दिसंबर 2009 या उससे पहले भारत आकर स्थायी रूप से बसने की इच्छा रखने वाले कुछ पाकिस्तानी नागरिकों को अब पासपोर्ट रिन्यू कराने की अनिवार्यता से छूट मिली है। यह विशेष राहत उन लोगों को प्रदान की गई है, जो पाकिस्तान द्वारा जारी कंप्यूटरीकृत राष्ट्रीय पहचान पत्र (सीएनआईसी) न होने के कारण अपना पासपोर्ट रिन्यू नहीं करा पा रहे थे। इसके अतिरिक्त, कुछ मुस्लिम पुरुषों को छूट के दायरे में रखा गया है। ये वे व्यक्ति हैं जो मूल रूप से भारतीय नागरिक थे और 15 अगस्त 1947 से 31 दिसंबर 1965 के बीच विभाजन के बाद पाकिस्तान चले गए थे, लेकिन बाद में 31 दिसंबर 2009 या उससे पहले भारत लौटकर केरल में बसे। हालांकि, इस श्रेणी में छूट पाने के लिए कुछ शर्तें हैं, जैसे संबंधित व्यक्ति ने पाकिस्तान में शादी न की हो, वहां अचल संपत्ति हासिल न की हो, और उसके परिवार के सदस्य भारत के नागरिक हों जबकि पाकिस्तान में कोई परिवार न हो।

केंद्र सरकार ने पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न या उसके डर के कारण भारत आए छह धार्मिक समुदायों हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई के लोगों को भी बड़ी राहत दी है। ये वे लोग हैं जो 31 दिसंबर 2024 या उससे पहले भारत आए थे। नए आदेश के तहत, उन्हें पासपोर्ट या अन्य वैध यात्रा दस्तावेजों के बिना भारत आने अथवा दस्तावेजों की अवधि समाप्त होने की स्थिति में सामान्य पासपोर्ट और वीजा नियमों से छूट मिलेगी। हालांकि, भारत में आगे रहने के लिए उन्हें उपयुक्त श्रेणी का वीजा प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

संशोधित आदेश में भारत में शरण लेने वाले पंजीकृत श्रीलंकाई तमिलों को शामिल किया है। इसतरह श्रीलंकाई तमिल नागरिक, जिन्होंने 9 जनवरी 2015 तक भारत में शरण ली थी और संबंधित अधिकारियों के पास पंजीकृत हैं, उन्हें सामान्य पासपोर्ट और वीजा आवश्यकताओं से छूट दी गई है। इसी प्रकार, काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास द्वारा जारी निर्धारित एंट्री परमिट के आधार पर भारत आए और संबंधित अधिकारियों के पास पंजीकरण कराने वाले तिब्बती नागरिकों को भी इस छूट का लाभ मिलेगा।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भारत, नेपाल और भूटान के नागरिकों के बीच यात्रा से जुड़े पहचान दस्तावेजों के नियमों में भी संशोधन किया है। अब भारतीय नागरिक नेपाल और भूटान की यात्रा के दौरान पासपोर्ट के बजाय सरकार की वीजा मैनुअल में निर्धारित पहचान दस्तावेजों में से कोई एक दिखा सकते है। यही सुविधा नेपाल और भूटान के नागरिकों को भारत में प्रवेश करने या यहां से बाहर जाने पर भी मिलेगी।

यौन उत्पीड़न मामले में पूर्व संपादक को झटका: 10 साल की सजा पर रोक से इंकार

नई दिल्ली , एजेंसी । 13 साल पुराने बहुचर्चित यौन उत्पीड़न मामले में दोषी ठहराए गए एक पूर्व पत्रकार तरुण तेजपाल को सर्वोच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने उन्हें सुनाई गई 10 साल के कठोर कारावास की सजा पर रोक लगाने और जमानत देने से जुड़ी याचिका को खारिज किया है। दो जजों की पीठ ने स्पष्ट किया कि वे इस स्तर पर सजा निलंबित करने के पक्ष में नहीं हैं। यह मामला वर्ष 2013 का है, जब गोवा के एक पांच सितारा होटल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान एक युवा सहकर्मी ने पूर्व संपादक तरुण तेजपाल पर होटल की लिफ्ट के भीतर यौन हमला करने और पद का दुरुपयोग कर उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। मामले में पुलिस ने जांच के बाद करीब 3000 पन्नों का विस्तृत आरोपपत्र अदालत में दाखिल किया था, जिसमें गलत तरीके से बंधक बनाने, यौन उत्पीड़न और अधिकार के दुरुपयोग से जुड़ी कई गंभीर धाराएं शामिल थीं।

त्योहारों का उल्लास जीवन में सुख-समृद्धि और सामाजिक सद्भाव का प्रकाश फैलाए : मयूर दीक्षित

हरिद्वार (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भैया दूज के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों और जनपद हरिद्वार के सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कामना की कि प्रकाश और उल्लास के प्रतीक ये पर्व प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य, शांति और सौहार्द लेकर आएं। मां लक्ष्मी एवं भगवान गणेश की कृपा से हर घर-परिवार में खुशहाली बनी रहे।

जिलाधिकारी ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि दीपावली का पावन पर्व अंधकार पर प्रकाश और निराशा पर आशा की विजय का प्रतीक है। यह त्योहार सभी के जीवन को खुशियों के प्रकाश से आलोकित करे तथा नकारात्मकता को दूर कर नई उमंग, उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करे।



उन्होंने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, भाईचारे, सद्भाव और सामाजिक एकता को मजबूत बनाने का भी संदेश देती है।

मयूर दीक्षित ने जनपदवासियों से अपील की कि सभी लोग इन त्योहारों को आपसी प्रेम, शांति और उल्लास के साथ मनाएं। उन्होंने कहा कि पर्वों के दौरान जनपद में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं तत्पर है। नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने लोगों से त्योहारों के दौरान सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने तथा कानून-व्यवस्था कायम रखने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। अंत में जिलाधिकारी ने कामना की कि दीपों का यह पावन पर्व प्रदेश और जनपद हरिद्वार के प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली के नए उजाले लेकर आए।

गाजियाबाद को कूड़ा निस्तारण की स्थायी व्यवस्था की सौगात, निदौरी में आधुनिक प्लांट शुरू

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शहर में दशकों से चली आ रही कूड़ा निस्तारण की समस्या के समाधान की दिशा में गाजियाबाद नगर निगम ने महत्वपूर्ण पहल की है। नगर निगम और खोड़ा नगर पालिका के कूड़े के निस्तारण के लिए निदौरी गांव में आधुनिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र शुरू किया गया है। महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने हवन-पूजन के बाद नारियल फोड़कर संयंत्र का शुभारंभ किया। फिलहाल इसे दो सप्ताह के परीक्षण के रूप में संचालित किया जाएगा। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम के पास लंबे समय से कूड़ा निस्तारण के लिए अपनी स्थायी जमीन उपलब्ध नहीं थी। इस समस्या के समाधान के लिए क्लस्टर आधारित व्यवस्था के तहत निदौरी गांव में लगभग 45 हजार वर्ग मीटर क्षेत्रफल में संयंत्र स्थापित किया गया है। यहां आधुनिक मशीनों और तकनीक के माध्यम से प्रतिदिन लगभग एक हजार से दो हजार टन कूड़े के निस्तारण की क्षमता विकसित की गई है। कूड़े से खाद और आरडीएफ तैयार किया जाएगा। महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि शहर की पुरानी समस्याओं का



समाधान कर नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने घरों से निकलने वाले कूड़े का उचित तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने और संयंत्र के संचालन में तेजी लाने के निर्देश दिए।

यह संयंत्र सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर तैयार किया गया है। इसके निर्माण पर लगभग 50 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। नगर निगम ने इसके लिए जमीन उपलब्ध कराई है, जबकि कार्यदायी संस्था एडीओ ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड ने संयंत्र का निर्माण कराया है। महापौर और नगर आयुक्त ने संस्था के निदेशक संजय गुप्ता तथा अंकित अग्रवाल को परीक्षण अवधि के दौरान व्यवस्थाएं सुचारु रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, प्रकाश प्रभारी स्वप्निल जैन, अतुल सहित निगम अधिकारी और कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विदेश में नौकरी का सपना दिखाकर युवक से 1.20 लाख रुपये ठगे, आरोपी गिरफ्तार



बिजनौर (शिखर समाचार)। विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवक से 1.20 लाख रुपये की ठगी करने के आरोपी को शेरकोट पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से ठगी की रकम में से बचाए गए 6,560 रुपये भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले से भी शेरकोट थाने में एक मुकदमा दर्ज है। शेरकोट के मोहल्ला कोटरा निवासी महबूब अहमद ने 5 नवंबर को पुलिस को तहरीर देकर मोहल्ला कायस्थान निवासी नवेद अहमद पर विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर 1.20 लाख रुपये लेने का आरोप लगाया था। महबूब अहमद के अनुसार, जब काफी समय बीतने के बाद भी उसे नौकरी नहीं मिली और उसने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपी ने उसके और उसके भाई के साथ मारपीट की। साथ ही गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। शुक्रवार को मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस ने नवेद अहमद को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि ठगी की रकम में से 6,560 रुपये उसने खर्च नहीं किए थे, जबकि बाकी रकम निजी खर्चों में इस्तेमाल कर ली। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने इसी तरह अन्य लोगों को भी विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने की बात स्वीकार की है। मुकदमा दर्ज होने की जानकारी मिलने के बाद आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए दिल्ली जाने की फिराक में बस का इंतजार कर रहा था। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(2) की बढ़ोतरी की है।

दोदराजपुर में घुसे सात जंगली हाथी, स्कूल के द्वार बंद कर रोकी गई बच्चों की छुट्टी

बिजनौर (शिखर समाचार)। बढ़ापुर क्षेत्र के ग्राम दोदराजपुर में जंगल से निकलकर पहुंचे सात जंगली हाथियों के झुंड ने ग्रामीणों में दहशत फैला दी। हाथियों को गांव की सड़क और खेतों में घूमता देखकर अफरातफरी मच गई। ग्रामीणों ने वनकर्मियों के साथ मिलकर पटाखे फोड़कर और शोर मचाकर हाथियों को वापस जंगल की ओर खदेड़ा। हाथियों की मौजूदगी के चलते आशादीप संस्था के संत जोसफ स्कूल में बच्चों की छुट्टी भी सुरक्षा के मद्देनजर देरी से करनी पड़ी। जानकारी के अनुसार हाथियों का झुंड जंगल से निकलकर सीमावर्ती खेतों और गांवों से होता हुआ दोदराजपुर स्थित आशादीप संस्था के बाहर सड़क तक पहुंच गया। स्कूल के आसपास हाथियों को देखकर संस्था प्रबंधन ने परिसर के सभी मुख्य द्वार बंद कर दिए और विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए छुट्टी रोक दी। इस दौरान ग्रामीण हाथियों पर नजर रखते हुए उन्हें भगाने का प्रयास करते रहे। सूचना मिलने पर साहूवाला रेंज के वनकर्मी मौके पर पहुंचे।



उन्होंने ग्रामीणों के सहयोग से हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ दिया। हाथियों के खेतों से गुजरने के कारण किसानों की गन्ने की फसल को भी नुकसान पहुंचा। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है, जिसमें ग्रामीण हाथियों को सड़क और खेतों से भगाते दिखाई दे रहे हैं। आशादीप संस्था के निदेशक फादर फ्रांसिस केओ तथा ग्रामीण जगदीप सिंह, प्रगट सिंह, महेंद्र सिंह, फत्ते सिंह और कैलाश सिंह ने वन विभाग से हाथियों की मैदानी क्षेत्रों में आवाजाही रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। साहूवाला रेंज के वन क्षेत्राधिकारी रामवृक्ष राव ने बताया कि वनकर्मियों ने ग्रामीणों के सहयोग से हाथियों को जंगल में खदेड़ दिया है। क्षेत्र में वनकर्मियों की गश्त बढ़ाई जाएगी।

सहारनपुर की गौशाला में बने 5100 गोबर के दीयों से जगमगाएंगे अयोध्या के सरयू घाट

सहारनपुर (शिखर समाचार)। अयोध्या में आयोजित होने वाले दीपोत्सव में इस बार सहारनपुर नगर निगम की गौशाला में निर्मित पर्यावरण-अनुकूल गोबर के दीये सरयू तट और राम की पैड़ी को रोशन करेंगे। नगर निगम की ओर से तैयार किए गए 5100 विशेष दीयों की खेप अयोध्या भेजी गई है। महापौर डॉ. अजय कुमार ने दीयों की खेप औपचारिक रूप से गौशाला प्रभारी डॉ. संदीप मिश्रा को सौंपी। इन दीयों से न केवल सरयू तट के घाट जगमगाएंगे, बल्कि नदी की धारा में भी दीये तैरते नजर आएंगे। महापौर डॉ. अजय कुमार ने कहा कि नगर निगम की इस पहल का उद्देश्य पारंपरिक संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ दीपावली और गोवंश संवर्धन को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति सहित देश की कई प्रमुख हस्तियों को



भी विशेष गोबर के दीये भेजे गए हैं। गौशाला प्रभारी डॉ. संदीप मिश्रा ने बताया कि नगर निगम द्वारा संचालित मां शाकंभरी कान्हा उपवन गौशाला में गाय के शुद्ध गोबर से इन विशेष दीयों का निर्माण किया गया है। इनकी खासियत है कि ये पूरी तरह जैव अपघटनीय हैं। उपयोग के बाद खाद में परिवर्तित हो जाते हैं और पानी में भी आसानी से तैर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अयोध्या में दीपावली पर सरयू तट, राम की पैड़ी और आसपास के घाटों पर हजारों दीपों से भव्य दीपोत्सव मनाया जाता है। इसी आयोजन को अधिक पर्यावरण-अनुकूल बनाने के लिए 5100 गोबर के दीये भेजे गए हैं। इसके अतिरिक्त राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबाई पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी दीप पर्व के अवसर पर ये विशेष गोमय दीये भेजे गए हैं।

चेकिंग के दौरान दो वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

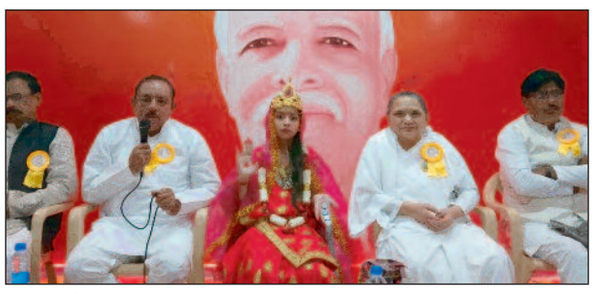
गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। सिम्भावली थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद की है। जनपद में अपराधों की रोकथाम और वाहन चोरों व वांछित अभियुक्तों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को यह सफलता मिली है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिम्भावली



थाना पुलिस की टीम गंगा एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड स्थित अंडरपास के नीचे संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने दो संदिग्ध युवकों को रोककर पूछताछ की। कड़ाई से की गई पूछताछ और जांच के दौरान उनके कब्जे से थाना क्षेत्र से चोरी की गई एक हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद हुई, जिसके बाद पुलिस ने दोनों को तुरंत हिरासत में ले लिया। पकड़े गए अभियुक्तों की पहचान ग्राम सिखेड़ा, थाना सिम्भावली निवासी समी और प्रमोद कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने चोरी की बाइक को जब्त करते हुए दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए लगातार सघन चेकिंग अभियान जारी रहेगा और अपराधियों के विरुद्ध सख्त कदम उठाए जाएंगे। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक यतेन्द्रपाल सिंह, उपनिरीक्षक यतेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल नरेन्द्र सिंह और कांस्टेबल सचिन कुमार मुख्य रूप से शामिल रहे। पुलिस अब पकड़े गए आरोपियों के आपराधिक इतिहास को खंगाल रही है ताकि क्षेत्र में हुई अन्य चोरी की घटनाओं का भी खुलासा किया जा सके।

अज्ञानता और नकारात्मकता का अंधकार मिटाकर ज्ञान के दीप जलाएं : बीके संतोष दीदी

रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के स्थानीय सेवा केंद्र पर दीपावली का पर्व हर्षोल्लास, उमंग और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में सेवा केंद्र प्रभारी राजयोगिनी बीके संतोष दीदी ने अतिथियों और उपस्थित भाई-बहनों का स्वागत करते हुए दीपावली के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सच्ची दीपावली तभी सार्थक होगी, जब हम अपने मन से अज्ञानता, नकारात्मकता, ईर्ष्या और अहंकार के अंधकार को मिटाकर ज्ञान, शांति, प्रेम और पवित्रता के दीप जलाएंगे। बाहरी दीपों के साथ अपने अंतर्मन को भी परमात्म ज्ञान से प्रकाशित करना चाहिए, क्योंकि श्रेष्ठ विचार और शुभ कर्म ही जीवन को वास्तविक रोशनी प्रदान करते हैं।



पूर्व ब्लॉक प्रमुख नक्षत्र पंवार ने कहा कि भारतीय संस्कृति में दीपावली का विशेष महत्व है। ऐसे आध्यात्मिक आयोजन संस्कृति और संस्कारों को मजबूत बनाने के साथ समाज में एकता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देते हैं। श्यामवीर प्रधान ने कहा कि दीपावली खुशियों और आपसी सौहार्द का त्योहार है। इस अवसर पर सभी को मतभेद भुलाकर प्रेम, सहयोग और सद्भाव के साथ समाज को आगे बढ़ाने का संकल्प लेना चाहिए। रविंद्र चौधरी ने कहा कि वर्तमान समय में आध्यात्मिक ज्ञान और सकारात्मक सोच की विशेष आवश्यकता है। ब्रह्माकुमारी संस्था राजयोग ध्यान और आध्यात्मिक शिक्षा के माध्यम से लोगों को श्रेष्ठ जीवन जीने की प्रेरणा दे रही है।

महोत्सव के दौरान दीपदान किया गया। बच्चों की मनमोहक नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। तालियों के साथ बच्चों का उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर सीता दीदी, सरिता दीदी, कविता दीदी, पूनम बहन और सुशील भाई सहित सेवा केंद्र के सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में राजकुमार, सुभाष शर्मा, सतीश भाई, माउंट आबू से आए आत्माराम, सुरेश चौधरी, बलेश भाई, कमलेश बहन, वीरेंद्र चौधरी, जगपाल पांचाल और महेंद्र पांचाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अंत में सभी ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति के दीप जलाने

खतौली चीनी मिल में पेराई सत्र का शुभारंभ, किसानों की सुविधाओं को प्राथमिकता देने का आश्वासन

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड की शुगर यूनिट खतौली में शुक्रवार को हवन-पूजन के साथ पेराई सत्र 2026-27 का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर यूनिट उपाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने किसानों को आश्वस्त किया कि गन्ना आपूर्ति, तौल व्यवस्था और किसानों की सुविधाओं से जुड़ी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जाएंगी। पेराई सत्र शुरू होने से क्षेत्र के गन्ना किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई।

हवन-पूजन पुजारी जगन्नाथ झा एवं सुधाकर पाण्डेय ने संपन्न कराया। इसके बाद उपजिलाधिकारी डॉ. ललित कुमार मिश्र, उप गन्ना आयुक्त ओपी सिंह, क्षेत्राधिकारी रूपाली राय, गन्ना विकास समिति खतौली के अध्यक्ष अमित कुमार, थानाध्यक्ष दिनेश चन्द्र बघेल, समिति सचिव शशि प्रकाश सिंह तथा सहकारी गन्ना विकास समिति के संचालक मंडल के सदस्यों, ग्राम प्रधानों और किसानों ने गन्ना वाहक में गन्ना डालकर पेराई



सत्र की शुरूआत की। सहकारी गन्ना विकास समिति के अध्यक्ष ने किसानों से मिल और समिति के साथ समन्वय बनाकर अधिक से अधिक गन्ना आपूर्ति करने का आग्रह किया। उप गन्ना आयुक्त एवं गन्ना सचिव ने गन्ना विकास और किसान कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उपजिलाधिकारी ने किसानों, कर्मचारियों और अधिकारियों को नए पेराई सत्र की शुभकामनाएं देते हुए इसके सुरक्षित एवं सुचारु संचालन की कामना की। मिल में सबसे पहले भैंसा बुग्गी से गन्ना लाने वाले ग्राम पिपलेहड़ा निवासी घनश्याम पुत्र हरदेवा, ट्रैक्टर बुग्गी से गन्ना लाने वाले रामसिंह पुत्र काले निवासी पिपलेहड़ा तथा ट्रॉली से गन्ना लाने वाले तेजपाल पुत्र फतेहसिंह निवासी कपसाड़ को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मिल के अधिकारी डा. अशोक कुमार, कुलदीप राठी, डीपी सिंह, ओपी मिश्रा, डीपी गुप्ता, सुशान्त ठाकुर सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी, अतिथि और किसान उपस्थित रहे। यूनिट उपाध्यक्ष ने सभी अतिथियों और किसानों का स्वागत करते हुए उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में हिमांशु सहरावत ने साधा पदक पर निशाना, जीता रजत



बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव बिटावदा स्थित स्टार शूटिंग एकेडमी के होनहार निशानेबाज हिमांशु सहरावत ने राष्ट्रीय स्तर की निशानेबाजी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में पदक जीतकर लौटने पर एकेडमी में खिलाड़ी का फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया। उनकी उपलब्धि से साथी खिलाड़ियों और ग्रामीणों में खुशी का माहौल है।

स्टार शूटिंग एकेडमी के प्रशिक्षक विनीत चौधरी ने बताया कि उत्तराखंड के देहरादून स्थित महाराणा प्रताप स्टेडियम की त्रिशूल शूटिंग रेंज में 30 अक्टूबर से 2 नवंबर तक राष्ट्रीय स्तर की निशानेबाजी प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इसमें देश के विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बिटावदा की स्टार शूटिंग एकेडमी के निशानेबाज हिमांशु सहरावत ने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में अपनी प्रतिभा और सटीक निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया।

प्रशिक्षक विनीत चौधरी ने कहा कि हिमांशु की इस उपलब्धि से एकेडमी के अन्य खिलाड़ियों का भी उत्साह और मनोबल बढ़ा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि हिमांशु भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन कर क्षेत्र और एकेडमी को गौरवान्वित करेंगे। पदक जीतकर एकेडमी पहुंचने पर साथी खिलाड़ियों, अभिभावकों और गांव के गणमान्य लोगों ने उनका फूल-मालाओं से स्वागत किया तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।



कार्यालय नगर पालिका परिषद शामली (जनपद शामली)

पत्रांक- 360 दिनांक: 06.11.2026

ई-टेण्डर अल्पकालीन निविदा सूचना

पंजीकृत ठेकेदारो / फर्मो को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद शामली 15वां वित्त आयोग (Untied Grand & Tied Grand) मद के अन्तर्गत (26 निर्माण कार्य) दिनांक 02.12.2026 समय 5:00 बजे तक वेबसाईट www.etender.up.nic.in पर निविदांए रजिस्टर्ड श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारो / फर्मो से शर्तो के आधार पर आमंत्रित की जाती है। निविदा अभिलेख एवं शर्तें वेबसाईट www.etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है। अभिलेख दिनांक 09.11.2026 से दिनांक 02.12.2026 तक सांय 5:00 बजे तक उपलब्ध रहेगी। सभी निविदादाता दिनांक 02.12.2026 की सांय 5:00 बजे तक वेबसाईट www.etender.up.nic.in पर ऑनलाईन अपनी निविदा दर/ दरें डाल सकते है। जो दिनांक 03.12.2026 को समयः 11:00 बजे से खोले जायेंगे। निर्धारित निविदा शुल्क पालिका के निम्न खाता में जमा किया जा सकता है। जिसकी प्राप्ति निविदा के साथ अपलोड की जानी अनिवार्य होगी, अन्यथा की स्थिति में निविदा पर कोई विचार नही किया जायेगा।

बैंक का नाम	आई0सी0आई0सी0आई0 बैंक, शाखा शामली
खाता संख्या	066801001515
आई.एफ.एस.सी. कोड	ICIC0000668

Tender Referance	/ E-T/PWC/2026-27
Publish and Time for RFP	09.11.2026 upto 4:00 PM
Last Date and Time for Submission of Tender	02.12.2026 at 5:00 PM
Open E-Tender Date	03.12.2026 at 11:00 AM
Place of Opening of E-Tender	Nagar Palika Parishad Sahmli Office
E-Tender Security	Net Amount of RTGS
E-Tender Document Processing	500+GST@18%=590 (RTGS) for eatch work

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, शामली

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, शामली

संक्षिप्त समाचार

दंपतियों ने हवन में दी आहुति, विशाल भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

गोरखपुर, एजेंसी। असुरन स्थित विष्णु मंदिर में मानस उत्थान समिति की ओर से आयोजित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का समापन बृहस्पतिवार को वैदिक मंत्रोच्चार और हवन के साथ हुआ। दंपतियों ने हवन में आहुति दी। भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद वितरण किया। मुख्य यज्ञाचार्य पंडित सुंदर श्याम त्रिपाठी के नेतृत्व में मुख्य यजमान शरदेंदु पांडेय, माया रानी समेत 73 दंपतियों ने हवन में आहुतियां देकर सर्वकल्याण की कामना की। दोपहर में पुराण परायण और अखंड श्रीहरि संकीर्तन की पूर्णाहुति हुई। इस अवसर पर सर्वजन के लिए भंडारे का आयोजन किया गया। दोपहर एक बजे शुरू हुआ भंडारा देर शाम तक चलता रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। समिति के अध्यक्ष राधेश्याम श्रीवास्तव ने कथा व्यास, यज्ञाचार्यों, पुराण परायण करने वाले आचार्यों, संकीर्तन मंडली, रामलीला मंडली, अतिथियों, कार्यकर्ताओं, दानदाताओं और यजमानों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं का समर्पण सनातन परंपरा के संरक्षण के प्रति उनकी आस्था को दर्शाता है। समिति आगे भी सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन करती रहेगी। इस अवसर पर दयानंद शर्मा, शीतल पांडेय, विद्यानंद यादव, शिशिर वर्मा, डीएन यादव, विकास वर्मा, मीरा दुबे, मीनाक्षी सिंह, अमरनाथ श्रीवास्तव, विशाल चौरसिया, जितेंद्र प्रसाद द्विवेदी और ज्योति कुमारी का विशेष योगदान रहा।

गंगा उत्सव पर सांकरा घाट पर चला स्वच्छता अभियान



अलीगढ़, एं.सी। राष्ट्रीय गंगा उत्सव के अवसर पर बुधवार को जिला गंगा समिति अलीगढ़ की ओर से बिजौली ब्लॉक के सांकरा गंगा घाट पर वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें सफाई कर्मचारियों के साथ सैकड़ों गंगा प्रहरियों, गंगा भक्तों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने श्रमदान किया। अभियान के दौरान घाट पर फैले कूड़े-कचरे और पूजा सामग्री को हटाया गया। गंगा समिति के सदस्य ज्ञानेश शर्मा ने दुकानदारों और श्रद्धालुओं से घाट पर कूड़ा न फेंकने की अपील की। उन्होंने कहा कि गंगा को स्वच्छ रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। एडीओ पंचायत लक्ष्मीनारायण ने कहा कि गंगा संरक्षण केवल आस्था का विषय नहीं है, बल्कि पर्यावरण और जनजीवन से भी जुड़ा है। कार्यक्रम के अंत में परियोजना अधिकारी आलोक कुमार ने उपस्थित लोगों को गंगा घाट स्वच्छ रखने, प्लास्टिक का प्रयोग कम करने और दूसरों को भी जागरूक करने का संकल्प दिलाया। अभियान में बड़ी संख्या में गंगा प्रहरी और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए।

बुजुर्गों के इलाज में संवेदनशीलता और व्यक्तिगत देखभाल जरूरी

गोरखपुर, एजेंसी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के भारतीय ज्ञान परंपरा (आईकेएस) पारंपरिक चिकित्सा केंद्र की ओर से आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'दीर्घायु 2026' के दूसरे दिन विशेषज्ञों ने वृद्धावस्था से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं और उनके समग्र प्रबंधन पर मंथन किया। श्रीबीएम कांकेनवाड़ी आयुर्वेद महाविद्यालय, बेलगावी के प्राचार्य एवं चिकित्सा निदेशक प्रो. डॉ. सुहास कुमार शेट्टी ने डिमेंशिया प्रबंधन में समयबद्ध पहचान और पारिवारिक सहयोग को अहम बताया। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों के उपचार में संवेदनशीलता, धैर्य और व्यक्तिगत देखभाल जरूरी है। वहीं, डॉ. बीआरकेआर राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, हैदराबाद के सेवानिवृत्त आचार्य डॉ.एम. श्रीनिवासुलु ने तंत्रिका विकारों के उपचार में वात संतुलन और रोगी की प्रकृति के अनुरूप चिकित्सा पर जोर दिया। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के डॉ. राजकिशोर सिंह ने बताया कि उम्र बढ़ने के साथ मांसपेशियों का घटता द्रव्यमान कार्यक्षमता प्रभावित करता है। उन्होंने संतुलित आहार और नियमित व्यायाम को महत्वपूर्ण बताया। उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा ने भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार से जोड़ने की जरूरत बताई। एम्स की एडिशनल प्रोफेसर डॉ. आराधना सिंह ने रजोनिवृत्ति से जुड़ी शारीरिक, हार्मोनल और मानसिक समस्याओं पर चर्चा की। वहीं, डॉ. संजय श्रीवास्तव ने वृद्धजनों में शल्य चिकित्सा संबंधी जटिलताएं घटाने के लिए बेहतर पोषण, पूर्व तैयारी और पुनर्वास के साथ आयुर्वेद-आधुनिक चिकित्सा के समन्वय पर बल दिया।

फार्म-6 दोबारा भरने से बचें, सीएससी संचालकों को मिलेगा प्रशिक्षण, निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश जारी

लखनऊ, एजेंसी। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फार्म-6 बार-बार भरने से होने वाली बहुप्रविष्टियों पर रोक लगाने के लिए जन सुविधा केंद्र (सीएससी) संचालकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि फार्म-6 भरते समय आवेदक का वास्तविक और सक्रिय मोबाइल नंबर दर्ज किया जाए। आवेदन जमा होने के बाद आवेदक को रेफरेंस नंबर उपलब्ध कराना भी सुनिश्चित किया जाए। नेटवर्क की समस्या के कारण कई बार मोबाइल पर रेफरेंस नंबर का संदेश नहीं पहुंचता।



ऐसे में आवेदक दोबारा फार्म भर देते हैं, जिससे मतदाता सूची में एक ही व्यक्ति के नाम की कई प्रविष्टियां हो जाती हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि फार्म-6 का अंतिम सबमिशन ई-साइन के बाद ही होता है। आधार नंबर देने पर उससे जुड़े मोबाइल पर ओटीपी आता है। इसे दर्ज करने के बाद ई-साइन पूरा होता है और रेफरेंस नंबर जनरेट होता है। यह नंबर फार्म में दर्ज मोबाइल पर भेजा जाता है। यदि संदेश नहीं पहुंचता है तो ई-साइन के बाद स्क्रीन पर दिखने वाले रेफरेंस नंबर का स्क्रीनशॉट लेकर आवेदक को दें या उसे नोट कर साझा करें। इससे दोबारा आवेदन की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने फार्म में पूरा पता और सही पिन कोड दर्ज करने पर भी जोर दिया। ईपीआईसी स्पीड पोस्ट से भेजा जाता है। गलत पते के कारण पहचान पत्र वापस हो सकता है। बहुप्रविष्टियां रोकने के लिए ईआरओ, एईआरओ और बीएलओ के माध्यम से जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा।

मोबाइल नंबर दर्ज कराने के ये होंगे फायदे

- आवेदन जमा होने की पुष्टि और रेफरेंस नंबर मोबाइल पर मिलेगा।
- रेफरेंस नंबर से आवेदन की स्थिति ट्रैक कर सकेंगे।
- पता, फोटो, आयु प्रमाणपत्र या अन्य दस्तावेजों की कमी होने पर सूचना मिलेगी।
- रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से ई-ईपीआईसी डाउनलोड कर सकेंगे।
- मतदाता पहचान पत्र संख्या याद न होने पर भी वोटर पोर्टल या ईसीआईनेट मोबाइल एप से अपना विवरण प्राप्त कर सकेंगे।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर महंगा हो सकता है सफर, टोल ठेके की रकम 647 करोड़ रुपये तय; जानें अपडेट

लखनऊ, एजेंसी। करीब 302 किलोमीटर लंबे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सफर करने वालों को आने वाले समय में ज्यादा जेब ढीली करनी पड़ सकती है। एक्सप्रेसवे पर टोल वसूली के नए ठेके के लिए यूपी एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने पहले साल की न्यूनतम वार्षिक राशि 647 करोड़ रुपये तय की है। यह राशि 2018 में टोल वसूली शुरू होने के समय तय 274 करोड़ रुपये के मुकाबले करीब ढाई गुना है। नए ठेके में दूसरे साल से देय राशि में 10 फीसदी की बढ़ोतरी का प्रावधान भी है। यूपीडा निविदा के मुताबिक एक्सप्रेसवे पर दो मुख्य टोल प्लाजा और 15 रैंप प्लाजा से वसूली की जाएगी। ठेका दो साल के लिए होगा और जरूरत पड़ने पर इसे छह महीने तक बढ़ाया जा सकेगा। नए टेंडर में पहले साल के लिए न्यूनतम राजस्व सीमा 647 करोड़ रुपये रखी गई है। दूसरे साल इस राशि में 10 फीसदी की वृद्धि होगी। एक्सप्रेसवे पर टोल वसूली 19 जनवरी 2018 से शुरू हुई थी। शुरुआती दौर में यूपीडा ने ठेके के लिए 274 करोड़ रुपये की वार्षिक राशि तय की थी। वर्ष 2020 में सहकार ग्लोबल लिमिटेड को पहले साल के लिए 402.39 करोड़ रुपये का ठेका मिला। दूसरे साल 10 फीसदी वृद्धि के बाद यह राशि करीब 442.63 करोड़ रुपये हो गई। इसके बाद नवंबर 2024 में हुई वित्तीय बोली में श्री साईं एंटरप्राइजेज की 555.67 करोड़ रुपये की बोली सबसे अधिक रही। इस ठेके में भी दूसरे साल 10 फीसदी वृद्धि का प्रावधान था। इस हिसाब से दूसरे साल की रकम करीब 611.24 करोड़ रुपये बैठती है।

विमानों का किराया जमीन पर, दिल्ली से लखनऊ की सीधी उड़ान 4437 रुपये में



लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ। लखनऊ आने वाली ट्रेनों में लंबी वेटिंग से परेशान यात्रियों को विमानों का सहारा मिला है। खास बात है कि दिवाली पर भी उड़ानें सस्ती हैं। इस कारण छह से आठ नवंबर के बीच लखनऊ की हवाई यात्रा के लिए 20 हजार से अधिक टिकट बुक कराए गए हैं। दिल्ली से लखनऊ की इंडिगो व अन्य एयरलाइनों की सीधी उड़ान का टिकट 4437 से 4901 रुपये में मिल रहा है। जयपुर से सीधी उड़ान 5750 व कनेक्टिंग 14,574 रुपये में है। देहरादून से सीधी उड़ान 4073 रुपये में है। पटना से लखनऊ की सीधी उड़ान 4632 रुपये, चंडीगढ़ से सीधी फ्लाइट 5765 रुपये, मुंबई से उड़ान 7116 से 8686 रुपये में है। बंगलूरू से आने वाली उड़ानों का किराया 7415 से 7951 रुपये व हैदराबाद से उड़ान का किराया 7199 से 7399 रुपये है। एयरवॉक ट्रेवल एजेंसी के मालिक आतिफ ने बताया कि आम तौर पर त्योहारों पर हवाई टिकट पांच गुना तक महंगा रहता है। होली पर दिल्ली से लखनऊ की सीधी उड़ानों का किराया 22 हजार रुपये तक पहुंच गया था। इसी तरह मुंबई से लखनऊ का टिकट 30 हजार रुपये तक में बिका था।

इसलिए नहीं महंगा हुआ किराया- आतिफ का कहना है कि बीते कुछ समय में ईंधन के दाम बढ़ने व पश्चिम एशिया में तनाव के कारण विमानों से सफर महंगा हुआ है। इस कारण लोग हवाई यात्रा से बच रहे हैं। ऐसे में सीटें खाली रहने से कंपनियां भी किराये को लेकर सतर्कता बरत रही हैं.

कानपुर व उन्नाव के बीच गंगा पर फोरलेन पुल का रास्ता साफ, 232 करोड़ रुपये की मंजूरी, ये होंगे बदलाव

लखनऊ, एजेंसी। कानपुर और उन्नाव के बीच गंगा नदी पर प्रस्तावित फोरलेन पुल के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस परियोजना के लिए 232 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी है। अटल इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में जारी इस धनराशि से परियोजना को गति मिलने की उम्मीद है। पुल और उसके पहुंच मार्ग के निर्माण से कानपुर, उन्नाव और ट्रांसगंगा सिटी के बीच आवागमन सुगम होगा। इस परियोजना की कुल लागत 753.13 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। इसमें 460 करोड़ रुपये प्रदेश सरकार और शेष धनराशि उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास



प्राधिकरण (यूपीसीडा) अपने संसाधनों से खर्च करेगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 में परियोजना के लिए 460 करोड़ रुपये की सरकारी स्वीकृति मिली थी। इसकी पहली किस्त के रूप में 90 करोड़ रुपये जारी किए गए थे। अब शेष धनराशि और दूसरी किस्त के तहत 232 करोड़ रुपये की वित्तीय मंजूरी दी गई है। प्रस्तावित पुल का संपर्क कानपुर के भैरवघाट-धोबीघाट क्षेत्र से होगा। वहीं, दूसरी ओर ट्रांसगंगा सिटी तक पहुंच मार्ग विकसित किया जाएगा। परियोजना की संरचना वाई-आकार की होगी। इसके तहत दो अलग-अलग दो लेन के पुल बनाए जाने की योजना है, जिससे शहर में अलग-अलग स्थानों पर यातायात का जुड़ाव हो सकेगा।पुल बनने से कानपुर और उन्नाव के बीच सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। साथ ही लखनऊ से ट्रांसगंगा सिटी पहुंचना भी आसान होगा। इससे गंगा बैराज पर यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलेगी। बेहतर सड़क संपर्क से ट्रांसगंगा सिटी में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। कच्चे माल की ढुलाई, तैयार उत्पादों के परिवहन और कर्मचारियों की आवाजाही आसान होगी। इससे औद्योगिक इकाइयों की स्थापना और रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकते हैं। परियोजना से करीब 10 लाख लोगों को लाभ मिलने का अनुमान है।

ऑनलाइन के बजाय स्थानीय दुकानदारों से करें खरीदारी

कानपुर, एजेंसी। धनतेरस और दिवाली पर स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कांग्रेसियों ने बुधवार को शिवाला बाजार में पदयात्रा निकाली। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने व्यापारियों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया और आमजन से ऑनलाइन खरीदारी के बजाय स्थानीय दुकानदारों से सामान खरीदने की अपील की। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि त्योहारों की असली रौनक बाजारों में होती है। ऑनलाइन खरीदारी के बढ़ते चलन से छोटे व्यापारियों और खुदरा दुकानदारों का कारोबार प्रभावित हो रहा है। स्थानीय व्यापार को बचाना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने नारा दिया इस धनतेरस ऑनलाइन को करो न और दुकानदार भाई से खरीदारी को करो हां। पदयात्रा में निजामुद्दीन, धर्मेंद्र सिंह, मुकेश कनौजिया, विनय पांडेय, इकलाख डेविड, दुर्गा मिश्रा, शीलू श्रीवास्तव, रामशंकर राय, पदम मिश्रा, शांतनु दीक्षित आदि शामिल रहे।

आठ साल बाद भी वोटिंग का उत्साह नहीं तोड़ पाया रिकॉर्ड



अलीगढ़, एजेंसी। आठ साल बाद हुए एएमयू छात्रसंघ चुनाव को लेकर रिकॉर्ड मतदान की उम्मीद थी, लेकिन नतीजे उम्मीद के अनुरूप नहीं रहे। यूनिवर्सिटी में 74.65 फीसदी और वीमेंस कॉलेज में 62.5 फीसदी मतदान हुआ। वर्ष 2018 के मुकाबले वीमेंस कॉलेज में मतदान प्रतिशत में गिरावट दर्ज की गई। कम मतदान के पीछे दिवाली की छुट्टियों को भी एक वजह माना जा रहा है। एएमयू में कुल 20,742 मतदाताओं में से 15,483 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जबकि 5,259 मतदाता वोट डालने नहीं पहुंचे। वर्ष 2018 में यहां 65 फीसदी मतदान हुआ था। इस लिहाज से वर्ष 2026 के चुनाव में 13 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। वीमेंस कॉलेज में कुल 4,080 मतदाताओं में से 2,550 ने वोट डाले, जबकि 1,530 छात्राएं मतदान से दूर रहीं। वर्ष 2018 में यहां 66 फीसदी मतदान हुआ था। इस बार इसमें 3.5 फीसदी की गिरावट आई है।

झलकियां

- वीमेंस कॉलेज में छात्राओं को लिस्ट में नाम न होने पर लौटाया
- प्रत्याशी के नाम और नंबर की जर्सी पहनने वाले छात्र को लौटाया
- एएमयू के कॉमर्स विभाग में बने बैरेकेडिंग भीड़ से टूटी
- मतदान होने के बाद प्रत्याशी और समर्थक पहुंचे मतगणना स्थल .

प्रदेश में सर्दी की दस्तक, 20 जिलों में 18 डिग्री के नीचे गया रात का पारा



लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में अब ठंड का असर बढ़ने लगा है। सुबह और शाम के साथ रात में भी ठंडक महसूस होने लगी है। बृहस्पतिवार को हरदोई, कानपुर, इटावा, मुजफ्फरनगर और मेरठ समेत प्रदेश के 20 जिलों में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, अगले एक सप्ताह तक मौसम में खास बदलाव के आसार नहीं हैं। दिन में धूप खिलेगी और अधिकतम तापमान लगभग स्थिर रहेगा। हालांकि रात के तापमान में धीरे-धीरे मामूली गिरावट आने से ठंड बढ़ेगी। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अगले कुछ दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट संभावित है। बृहस्पतिवार को फर्रुखाबाद और मुरादाबाद में अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं, हरदोई 14 डिग्री न्यूनतम तापमान के साथ प्रदेश में सबसे ठंडा रहा।

सीसीटीवी कैमरों के साथ ड्रोन से भी निगरानी, महिला पुलिसकर्मी सादे कपड़ों में रखेंगी नजर



वाराणसी, एजेंसी। मां अन्नपूर्णा के स्वर्णमयी स्वरूप के दर्शन के लिए आज से पांच दिनों तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ेगी। श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा का व्यापक खाका तैयार किया है। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों के साथ ड्रोन से भी निगरानी की जाएगी। जेबकतरों और अराजक तत्वों पर नजर रखने के लिए सादे कपड़ों में महिला पुलिसकर्मियों की भी तैनाती होगी। भीड़ नियंत्रित करने के लिए एकल मार्ग व्यवस्था लागू कर प्रवेश और निकास मार्गों पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाएगी। बृहस्पतिवार को पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल और जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने मां अन्नपूर्णा मंदिर पहुंचकर सुरक्षा एवं दर्शन व्यवस्था को जांचा। अधिकारियों ने मंदिर परिसर, बैरिकेडिंग, पार्किंग, श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए निर्धारित मार्गों और आसपास की गलियों का जायजा लिया। इस दौरान मंदिर के महंत शंकरपुरी महाराज से बातचीत कर दर्शन व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए सुझाव भी लिए गए। पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों के जरिये कंट्रोल रूम से लगातार निगरानी की जाए। ड्रोन कैमरों से भीड़ के दबाव और गतिविधियों पर नजर रखी जाए। प्रवेश और निकास मार्गों पर पुलिसकर्मियों की सक्रियता बढ़ाई जाए, ताकि किसी स्थान पर भीड़ का दबाव न बने। जरूरत पड़ने पर तत्काल अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाए। निरीक्षण में अपर पुलिस आयुक्त शिवहरी मीणा, डीसीपी काशी जोन गौरव बंशवाल, डीसीपी यातायात अनिल कुमार, संबंधित एसीपी और थाना प्रभारी समेत अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं से विनम्र व्यवहार के निर्देश -निरीक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं से सर और मैडम कहकर संबोधित करने तथा विनम्र व्यवहार करने को कहा गया। बुजुर्गों, दिव्यांगजनों, महिलाओं और बच्चों को विशेष सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। व्यापारियों और दुकानदारों से संवाद कर मंदिर के आसपास की सड़कों और गलियों को अतिक्रमण मुक्त रखने, दुकानों का सामान सड़क तक नहीं फैलाने और सीसीटीवी कैमरे लगाने की अपील की गई।

दो माह से बिल नहीं चुकाने वाले 23 हजार उपभोक्ता निगम के रडार पर

बरेली, एजेंसी। बिजली का इस्तेमाल करने के बाद भी समय से बिल जमा नहीं करने वाले उपभोक्ता अब विद्युत निगम के निशाने पर हैं। शासन की ओर से नवंबर महीने में निगम को 73 करोड़ रुपये राजस्व वसूली का लक्ष्य दिया गया है। इसे पूरा करने के लिए विभाग ने बकायेदारों पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। विद्युत निगम की रिपोर्ट के अनुसार, शहर में करीब दो लाख 22 हजार उपभोक्ता हैं। इनमें 23 हजार उपभोक्ता ऐसे हैं जिन्होंने बीते दो माह से बिल का भुगतान नहीं किया है। विभाग की टीमें इन उपभोक्ताओं से संपर्क कर बकाया बिल जमा कराने के लिए कहेंगी। इसके बावजूद भुगतान नहीं करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ने पर बिजली कनेक्शन काटने की कार्रवाई भी की जा सकती है। अधीक्षण अभियंता शहर ललित कुमार ने बताया कि राजस्व वसूली का लक्ष्य मिलने के बाद सर्वप्रथम 23 हजार उपभोक्ताओं से वसूली अभियान का आरंभ किया जाएगा। टीमों को दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

महज 407 कुत्तों का पंजीकरण, हजारों अब भी रिकॉर्ड से लापता

बरेली, एजेंसी। शहर में कुत्ते पालने वालों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन नगर निगम के रिकॉर्ड में इनकी संख्या काफी कम है। नगर निगम के अनुमान के अनुसार, शहर में 10 हजार पालतू कुत्ते हैं, लेकिन महज 407 का ही पंजीकरण है। यह स्थिति तब है, जबकि नगर निगम ने कुत्तों के मालिकों को घर बैठे पंजीकरण कराने की सुविधा दे रखी है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में कुत्ते निगम के रिकॉर्ड से लापता हैं।

कुत्तों के पंजीकरण की ऑफलाइन व्यवस्था तो काफी समय से चली आ रही है, लेकिन ऑनलाइन व्यवस्था महज एक माह पहले शुरू की गई है। कुछ खतरनाक प्रजाति के कुत्तों को पालने पर प्रतिबंध है। इसमें अमेरिकन पिटबुल, बुलडॉग, हस्की आदि शामिल हैं। वहीं, पालतू कुत्तों में पॉमेरियन, पग, जर्मन शेफर्ड, लेब्राडोर आते हैं।

पंजीयन का उद्देश्य- पालतू कुत्तों के पंजीकरण के लिए नगर निगम ने कुछ शर्तें भी निर्धारित की हैं। इनमें कुत्तों का वैक्सीनेशन व स्टरलाइजेशन कराना जरूरी है। पंजीकरण के दौरान कुत्ते की जानकारी के साथ उसका स्वास्थ्य संबंधी विवरण भी देना होता है। इसका उद्देश्य पालतू कुत्तों की पहचान और उनके स्वास्थ्य की निगरानी सुनिश्चित करना है।

ऐसे कराएं पंजीकरण- पेट 311 एप पर रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन करना होता है। इसमें पशु प्रेमी के आधार कार्ड, चिकित्सक के वैक्सीनेशन कार्ड की तस्वीर अपलोड करनी होगी। साथ ही, शुल्क जमा करने पर साइट खुल जाती है। छोटे कुत्तों के लिए 500, बड़े कुत्तों के लिए एक हजार रुपये शुल्क निर्धारित है। कुत्तों को बेचने का व्यवसाय करने वालों के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क पांच हजार रुपये निर्धारित है। आवेदन करने पर एक सप्ताह में ऑनलाइन पंजीयन कार्ड जारी हो जाता है।

ये होंगे फायदे- निगम के पोर्टल पर पंजीयन कराने से यह पता रहेगा कि संबंधित कुत्ते का वैक्सीनेशन हुआ है या नहीं। साथ ही, निगम की आय भी बढ़ेगी।

पंजीकरण नहीं कराने पर होगी कार्रवाई- पंजीयन नहीं कराने पर नगर निगम की तरफ से एक हजार से 10 हजार रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकता है।

ऐसे कुत्ते अगर किसी को काटते हैं तो मालिक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने के साथ इलाज का खर्च हर्जाने के तौर लिया जाएगा।

दीपावली पर सफाई मित्रों के चेहरों पर आई मुस्कान, पालिकाध्यक्ष ने वितरित किए कंबल

शामली (शिखर समाचार)। दीपावली के पर्व पर नगर पालिका परिषद शामली की ओर से सफाई मित्रों और कर्मचारियों को उपहार स्वरूप कंबल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस पहल के माध्यम से पालिका प्रशासन ने कर्मचारियों के प्रति सम्मान और अपनत्व का संदेश दिया। कार्यक्रम में पालिकाध्यक्ष अरविंद संगल ने सभी कर्मचारियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए उनके योगदान की सराहना की। जानकारी के अनुसार, पालिका कर्मचारी इकाई के अध्यक्ष और सचिव ने पालिकाध्यक्ष अरविंद संगल तथा अधिशासी अधिकारी विनोद कुमार सोलंकी से दीपावली के अवसर पर कर्मचारियों को सम्मान स्वरूप उपहार देने की मांग रखी थी। इसके बाद पालिका की ओर से सफाई मित्रों और कर्मचारियों को कंबल वितरित किए गए। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष अरविंद संगल ने कहा कि नगर पालिका के सफाई मित्र और कर्मचारी उनके परिवार का अभिन्न हिस्सा हैं। परिवार की एकता, खुशियों और आपसी अपनत्व को बनाए रखने के उद्देश्य से सभी कर्मचारियों को दीपावली



पर कंबल भेंट किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सफाई मित्र शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके अधिकारों और सम्मान का पूरा ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने सभी कर्मचारियों से दीपावली का पर्व आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाने की अपील भी की। कार्यक्रम के दौरान सफाई एवं खाद्य निरीक्षक अनिल कुमार चौधरी, लक्ष्मण सिंह, मनीष गहलोत, सुचित्रा पाहिवाल, अश्वनी तेशवर, वैभव गर्ग, शशिकांत पालीवाल, विनोद कंडेरा और इकबाल सहित पालिका के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

दिवाली पर सिरसा और डाढ़ा के 127 किसानों को मिला आबादी भूखंड का उपहार, 88 का निकला ड्रॉ

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। दिवाली के अवसर पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने सिरसा और डाढ़ा गांव के 127 किसानों को छह प्रतिशत आबादी भूखंड आवंटित कर बड़ी राहत दी है। शुक्रवार को प्राधिकरण की ओर से 88 समान आकार के भूखंडों का ड्रॉ निकाला गया, जबकि अलग-अलग आकार के 39 भूखंडों के आवंटन पत्र किसानों को सौंप दिए गए। लंबे समय से आबादी भूखंड मिलने का इंतजार कर रहे किसानों के लिए यह दिवाली का बड़ा उपहार साबित हुआ।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार के निर्देश पर आवंटन प्रक्रिया पूरी कराई गई। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व और अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुमित यादव की मौजूदगी में ड्रॉ संपन्न हुआ। दोनों गांवों के किसानों की जमीन अधिग्रहित होने के बाद से छह प्रतिशत आबादी भूखंड आवंटन का मामला लंबित था। किसानों ने इस संबंध में प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी से भी मांग उठाई थी। इसके बाद संबंधित विभागों को प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिए गए। प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी अजय कुमार शर्मा ने बताया कि सिरसा गांव के कुल 120 भूखंडों में से 81 समान



आकार के भूखंड थे, जिनका क्षेत्रफल 40 से 500 वर्ग मीटर तक है। इनमें से 81 भूखंडों का ड्रॉ कराया गया, जबकि शेष 39 अलग-अलग आकार के भूखंडों के आवंटन पत्र जारी किए गए। वहीं, डाढ़ा गांव के सात समान आकार के भूखंडों का भी ड्रॉ निकाला गया। इन किसानों को जल्द आवंटन पत्र दिए जाएंगे। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने कहा कि पात्र किसानों को छह प्रतिशत आबादी भूखंड उपलब्ध कराना प्राधिकरण की प्राथमिकता है। अन्य गांवों के पात्र किसानों को भी जल्द भूखंड आवंटित किए जाएंगे। भूखंड मिलने पर किसानों ने खुशी जताते हुए जनप्रतिनिधियों, एनजी रवि कुमार और प्राधिकरण के अधिकारियों की सराहना की। किसानों ने कहा कि पात्रता में माता-पिता के साथ सास-ससुर को शामिल करने तथा मुआवजे में वृद्धि के फैसले भी उनके हित में महत्वपूर्ण हैं। मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि जिन गांवों के किसानों को अभी भूखंड नहीं मिले हैं, उनकी आवंटन प्रक्रिया प्राथमिकता से पूरी की जाए।

डीपीएस मोदीनगर को कक्षा 12 तक सीबीएसई संबद्धता मिली

मोदीनगर (शिखर समाचार)। दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) मोदीनगर को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से कक्षा 12 तक की आधिकारिक संबद्धता प्राप्त हो गई है। इस उपलब्धि के अवसर पर विद्यालय परिसर में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के गणमान्य अतिथियों और शिक्षाविदों ने शिरकत की।

कार्यक्रम का शुभारंभ तहसीलदार रजत सिंह, गन्ना समिति के चेयरमैन एवं डीएमईटी के सचिव डॉ. विक्रम गांधी और डीपीएस मोदीनगर की प्रो-वाइस चेयरपर्सन अनीशा गांधी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों और



शिक्षकों ने इस सफलता को संस्थान के लिए एक नया और महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। समारोह को संबोधित करते हुए डीएमईटी के सचिव डॉ. विक्रम गांधी ने कहा कि सीबीएसई से कक्षा 12 तक की संबद्धता मिलना डीपीएस मोदीनगर की शैक्षणिक यात्रा में एक नया अध्याय है। यह उपलब्धि संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता और सभी के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि संस्थान भविष्य में भी उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध रहेगा। प्रो-वाइस चेयरपर्सन अनीशा गांधी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल अकादमिक रूप से सक्षम बनाना ही नहीं, बल्कि उन्हें संस्कारवान और एक जिम्मेदार नागरिक तैयार करना भी है। उन्होंने भरोसा जताया कि यह विद्यालय आने वाले समय में शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. ज्योति सिरोही और हेडमास्टर अंकित गालयान ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विभिन्न जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षकगण और पीटीए (अभिभावक-शिक्षक संघ) कार्यकारिणी के सदस्य भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

तीन महीने से वेतन का इंतजार कर रहे जल निगम के ऑपरेटर, डीएम से मांगा बकाया मानदेय

शामली (शिखर समाचार)। जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल टंकियों का संचालन करने वाले जल निगम के ऑपरेटर पिछले तीन महीने से मानदेय न मिलने के कारण आर्थिक परेशानी का सामना कर रहे हैं। बकाया भुगतान को लेकर ऑपरेटरों ने जिलाधिकारी से शिकायत कर एकमुश्त मानदेय दिलाने और लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ऑपरेटरों का कहना है कि वे विभिन्न गांवों में स्थापित पानी की टंकियों के संचालन की जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें पिछले



तीन माह से मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है। उनका आरोप है कि बार-बार शिकायत करने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। इससे उनके सामने परिवार का खर्च चलाने में परेशानी खड़ी हो गई है। ऑपरेटरों ने बताया कि उन्होंने 17 अगस्त 2026 को आयोजित तहसील दिवस में भी इस समस्या को अधिकारियों के सामने उठाया था। उस समय संबंधित अधिकारियों ने 30 अगस्त तक बकाया भुगतान कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन निर्धारित समय बीतने के बाद भी उन्हें मानदेय नहीं मिला। ऑपरेटरों ने जल निगम के अधिकारियों और कार्यदायी संस्था लक्ष्मी कंपनी पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। इसके अलावा अधिशासी अभियंता फूल सिंह यादव सहित संबंधित अधिकारियों पर जनसुनवाई पोर्टल और उपजिलाधिकारी के समक्ष भ्रामक समाधान आख्या प्रस्तुत करने का आरोप भी लगाया। ऑपरेटरों ने जिलाधिकारी से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने, तीन माह का बकाया मानदेय एकमुश्त दिलाने और दोषी अधिकारियों व संस्था के जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

गोल्ड मेडलिस्ट प्रवीन कुमार का जेवर पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

जेवर (शिखर समाचार)। एशियन पैरा गेम्स में देश के लिए स्वर्ण पदक जीतकर लौटे जेवर क्षेत्र के गांव गोविंदगढ़ निवासी पैरा-एथलीट प्रवीन कुमार का शुक्रवार की सुबह क्षेत्र में पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। दिल्ली से यमुना एक्सप्रेसवे होते हुए सुबह करीब साढ़े दस बजे जेवर पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने फूल-मालाएं पहनाकर और पुष्पवर्षा कर उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद जेवर के मुख्य मार्गों से होते हुए एक भव्य जुलूस निकाला गया और उनके पैतृक गांव पहुंचने पर पिता अमरपाल द्वारा क्षेत्रवासियों के लिए प्रीतिभोज का आयोजन किया गया।

स्वागत समारोह के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रवीन कुमार ने अपनी इस सफलता और संघर्ष के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल करने के लिए उन्होंने बेहद कड़ी मेहनत की थी। प्रतियोगिता से दो दिन पहले उन्हें तेज बुखार भी आ गया था, लेकिन देश के लिए गोल्ड मेडल जीतने का उनका जुनून और जज्बा इतना मजबूत था कि उन्होंने हर परिस्थिति का मुकाबला करते हुए अपना लक्ष्य प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि उनकी असली



खुशी तभी पूरी होगी जब वे देश के युवाओं को आगे आकर अपनी खेल प्रतिभा निखारते हुए देखें और देश के लिए अधिक से अधिक स्वर्ण पदक जीतें।

अपनी भविष्य की योजनाओं का जिक्र करते हुए प्रवीन ने बताया कि अब उनका पूरा ध्यान आगामी वर्ष 2027 की विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2028 में होने वाले लॉस एंजेलिस पैरालंपिक खेलों की तैयारी पर केंद्रित है। उन्होंने स्थानीय स्तर पर खेल के मैदानों के विकास की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों की युवा प्रतिभाओं को बेहतर अवसर मिल सकें।

उल्लेखनीय है कि प्रवीन कुमार खेल के क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर देश का नाम रोशन कर चुके हैं। उन्हें भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित पद्म श्री सम्मान तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा डीएसपी (पुलिस उपाधीक्षक) के पद से सम्मानित किया जा चुका है। उनके अंतरराष्ट्रीय खेल करियर की प्रमुख उपलब्धियों में टोक्यो पैरालंपिक 2020 में रजत पदक, एशियन पैरा गेम्स 2022 में स्वर्ण पदक, विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में कांस्य पदक, पेरिस पैरालंपिक 2024 में स्वर्ण पदक तथा हाल ही में जापान में आयोजित एशियन पैरा गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक शामिल हैं।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, विकास चौरोली, रजत, मंजीत सिंह और योगेंद्र छोकर सहित क्षेत्र के तमाम गणमान्य लोग और खेल प्रेमी उपस्थित रहे।



दीपावली पर पुलिस ने 51 लोगों को लौटाए खोए हुए मोबाइल, चेहरे पर लौटी मुस्कान

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद में पुलिस ने दीपावली के पावन पर्व से पूर्व एक सराहनीय पहल करते हुए चोरी हुए और खोए हुए 12 लाख रुपये मूल्य के 51 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप दिए हैं। लंबे समय बाद अपना खोया हुआ मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने पुलिस प्रशासन का दिल से आभार व्यक्त किया। पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में गुमशुदा और चोरी हुए मोबाइल फोन की



बरामदगी के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत जनपदीय सर्विलांस टीम और विभिन्न थानों की पुलिस ने सीईआईआर (CEIR) पोर्टल की मदद से तकनीकी सहायता लेते हुए विभिन्न कंपनियों के कुल 51 मोबाइल फोन तलाशने में सफलता हासिल की। ये सभी मोबाइल फोन अलग-अलग जनपदों और राज्यों से बरामद किए गए हैं। शुक्रवार को अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) द्वारा बरामद किए गए सभी मोबाइल फोन उनके वास्तविक धारकों के सुपुर्द किए गए। दीपावली के मौके पर अचानक कीमती मोबाइल वापस मिलने की उम्मीद छोड़ चुके लोगों को जब फोन मिला, तो वे खुशी से झूम उठे। इस कार्रवाई से आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है।





संपादकीय

जहरीली हवा की गिरफ्त में दिल्ली-एनसीआर : हर साल दम तोड़ती व्यवस्था, आखिर कब मिलेगी सांसों को राहत?

दिल्ली-एनसीआर में सर्दियों की दस्तक के साथ ही प्रदूषण का संकट एक बार फिर भयावह रूप लेने लगा है। आसमान पर छाई धुंध, हवा में घुला जहरीला धुआं और लगातार बिगड़ती वायु गुणवत्ता ने करोड़ों लोगों के सामने जीवन और स्वास्थ्य का गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है। राजधानी दिल्ली से लेकर नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद तक प्रदूषण का असर साफ दिखाई देने लगा है। हालात की गंभीरता को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने 6 नवंबर को पूरे दिल्ली-एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के तीसरे चरण यानी ग्रैप-3 की पाबंदियां तत्काल प्रभाव से लागू कर दी हैं। यह फैसला दीपावली से ठीक पहले लिया गया है, जब पटाखों से निकलने वाला धुआं पहले से प्रदूषित वातावरण को और अधिक जहरीला बना सकता है। चिंता की बात यह है कि अब प्रशासन को वायु गुणवत्ता के अत्यंत गंभीर स्तर तक पहुंचने का इंतजार किए बिना ही सख्त कदम उठाने पड़ रहे हैं। दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक शुक्रवार को 382 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है, जबकि कई निगरानी केंद्रों पर स्थिति इससे भी अधिक चिंताजनक रही और प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी के आसपास अथवा उससे ऊपर पहुंच गया। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के पूर्वानुमान में भी 7 से 9 नवंबर के बीच हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में पहुंचने की आशंका जताई गई है। इसका अर्थ है कि आने वाले दिन दिल्ली-एनसीआर के निवासियों के लिए और अधिक मुश्किल भरे हो सकते हैं।

ग्रैप-3 लागू होने के बाद निर्माण और तोड़फोड़ से जुड़ी गैरजरूरी गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। खुदाई, मिट्टी भराई, ड्रिलिंग, बोरिंग, भवनों के विध्वंस, सड़क निर्माण और ऐसी दूसरी गतिविधियां, जिनसे धूल उड़ती है, प्रतिबंधों के दायरे में आ गई हैं। निर्माण सामग्री के खुले परिवहन और कच्ची सड़कों पर रेत, सीमेंट तथा अन्य धूल पैदा करने वाली सामग्री ले जाने पर भी रोक लगाई गई है। प्रदूषण फैलाने वाले स्टोन क्रशर, खनन गतिविधियों और स्वच्छ ईंधन का इस्तेमाल नहीं करने वाले हॉट मिक्स प्लांट को बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। आपातकालीन और आवश्यक सेवाओं को छोड़कर डीजल जनरेटर के इस्तेमाल पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। इसके साथ ही बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल श्रेणी के पुराने चार पहिया वाहनों की आवाजाही पर दिल्ली के अलावा गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, गुरुग्राम, फरीदाबाद और सोनीपत जैसे अधिक वाहन घनत्व वाले जिलों में रोक लागू की गई है। छोटे बच्चों को जहरीली हवा से बचाने के लिए पांचवीं कक्षा तक के विद्यालयों में ऑनलाइन और प्रत्यक्ष पढ़ाई के विकल्प के साथ मिश्रित व्यवस्था अपनाने के निर्देश दिए गए हैं। निजी कंपनियों को भी घर से काम अथवा मिश्रित कार्य व्यवस्था अपनाने की सलाह दी गई है। सरकारी और निजी कार्यालयों में कर्मचारियों की संख्या सीमित करने तथा पचास प्रतिशत कर्मचारियों से काम कराने का निर्णय संबंधित सरकारों के स्तर पर लिया जा सकता है। इन प्रतिबंधों से तत्काल राहत मिलने की उम्मीद जरूर की जा सकती है, लेकिन असली सवाल यह है कि आखिर हर साल नवंबर आते ही दिल्ली-एनसीआर की सांसें क्यों फूलने लगती हैं? क्या प्रदूषण कोई अप्रत्याशित प्राकृतिक आपदा है, जिसके आने पर अचानक सरकारी मशीनरी को सक्रिय होना पड़ता है? हकीकत यह है कि इस संकट के कारण वर्षों से हमारे सामने मौजूद हैं। वाहनों से निकलने वाला धुआं, निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल, औद्योगिक उत्सर्जन, कचरा जलाना, सड़कों की खराब सफाई, खेतों में पराली जलाने की घटनाएं और सर्दियों में हवा की कम गति मिलकर इस समस्या को विकराल बनाते हैं।

~ मौलिक चिंतन ~

अहंकार मुझे छू तक नहीं गया है ऐसा कहना भी अहंकारी होने की निशानी है।



© विनय संकोची

वोट चोरी के बहाने अराजक आंदोलन



सुरेश हिंदुस्तानी

देश के वर्तमान राजनीतिक वातावरण को लेकर जनमानस में अनेक प्रकार के सवाल उठ रहे हैं। इन सवालों के जवाब स्वाभाविक रूप से उन राजनीतिक दलों की ओर से अवश्य ही आना चाहिए, जो राजनीतिक धुरी के रूप में अपने आपको स्थापित करने का प्रयास करते हैं। वर्तमान में वोट चोरी को मुख्य मुद्दा बनाकर विपक्ष केंद्र सरकार पर हमला करने का कोई मौका नहीं चूक रहा है, वहीं सत्ता पक्ष की ओर से भी जमकर प्रत्युत्तर देने का साहसिक प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में जनता की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। क्योंकि लोकतंत्र में जनता ही सर्वोपरि होती है। लोकतंत्र के मायने भी यही हैं कि देश में जनता की सरकार है, राजनीतिक दलों की नहीं। जनता अपने प्रतिनिधि के रूप में इन्हें चुनकर भेजती है। भारतीय लोकतंत्र में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और जनादेश की अभिव्यक्ति हैं। वर्तमान में विपक्ष खासकर कांग्रेस की ओर से चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठा रही है। यह विपक्ष का लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सवाल उठाने और संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा कर राजनीतिक अराजकता पैदा करने के बीच एक स्पष्ट अंतर है। दुर्भाग्य से कांग्रेस आज इसी अंतर को समझने में असफल दिखाई दे रही है। वोट चोरी के आरोपों को आधार बनाकर आंदोलन खड़ा करने की उसकी कोशिश राजनीतिक रणनीति से अधिक अपनी हताशा और दिशाहीनता का प्रदर्शन प्रतीत होती है।

लोकतंत्र में विरोध का अधिकार जितना महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण उसकी मर्यादा भी है। यदि किसी राजनीतिक दल को लगता है कि चुनाव प्रक्रिया में अनियमितता हुई है, तो उसके पास संवैधानिक और कानूनी मंच उपलब्ध हैं। उसे तथ्यों, प्रमाणों और ठोस तर्कों के साथ अपनी बात रखनी चाहिए। लेकिन किसी संवैधानिक पद पर बैठे मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग को आंदोलन का केंद्रीय विषय बना देना क्या उचित राजनीतिक तरीका है? मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की एक निर्धारित संवैधानिक प्रक्रिया है। उसे राजनीतिक दबाव और सड़कों पर शक्ति प्रदर्शन के माध्यम से प्रभावित करने की कोशिश लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा के अनुकूल नहीं कही जा सकती।

कांग्रेस को यह समझना होगा कि चुनाव में लगातार मिल रही पराजय का पूरा दोष चुनाव आयोग या मुख्य चुनाव आयुक्त पर डालकर वह अपनी राजनीतिक जिम्मेदारियों से बच नहीं सकती। कांग्रेस की चुनावी चुनौतियां आज की नहीं हैं। पार्टी लंबे समय से अनेक राज्यों और राष्ट्रीय स्तर पर जनसमर्थन खोती रही है। इसके पीछे संगठनात्मक कमजोरी, नेतृत्व का संकट, स्थानीय स्तर पर प्रभावी नेतृत्व का अभाव और जनता से टूटता संवाद जैसे अनेक कारण हैं। इन कारणों का आत्मविश्लेषण करने के बजाय हर पराजय के बाद चुनाव प्रक्रिया पर प्रश्नचिह्न लगाना समस्या का समाधान नहीं है।

कांग्रेस ने अपने आंदोलन के लिए समय का चयन भी ठीक नहीं किया। देश में दीपावली का उत्सव निकट है। बाजारों में रौनक है, व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों को सजाने, कारोबार बढ़ाने और ग्राहकों की तैयारी में व्यस्त हैं। आम परिवार खरीदारी, त्योहार की तैयारियों और पारिवारिक जिम्मेदारियों में जुटे हैं। ऐसे समय में व्यापक जनभागीदारी की अपेक्षा करना व्यावहारिक राजनीतिक समझ का परिचय नहीं देता। स्वाभाविक है कि आंदोलन में अपेक्षित संख्या नहीं जुट पाई। राजनीति केवल नारे लगाने से नहीं चलती, इसके लिए समाज की मनःस्थिति, समय और परिस्थितियों को समझना भी आवश्यक है।

विशेष रूप से व्यापारी वर्ग की भावनाओं को नजरअंदाज करना कांग्रेस की रणनीतिक भूल कही जा सकती है। त्योहारों का समय व्यापारियों के लिए वर्ष के सबसे महत्वपूर्ण कारोबारी अवसरों में से एक होता है। व्यापारी वर्ग यदि आंदोलन के समय और स्वरूप को लेकर अपनी असहमति व्यक्त कर रहा था, तो कांग्रेस नेतृत्व को उसके अनुरोध पर गंभीरता से विचार करना चाहिए था। लोकतांत्रिक राजनीति का अर्थ समाज के विभिन्न वर्गों की परेशानियों और प्राथमिकताओं को समझना है, न कि अपनी राजनीतिक सुविधा के अनुसार उनसे सहभागिता की अपेक्षा करना।

कांग्रेस को यह भी समझना होगा कि सत्ता का रास्ता आंदोलन की भीड़ से नहीं, जनता के विश्वास से होकर गुजरता है। यदि पार्टी वास्तव में सत्ता में वापसी चाहती है तो उसे जनता के बीच जाना होगा। किसानों के लिए उसकी क्या नीति है? युवाओं को रोजगार देने की उसकी योजना क्या है? महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास को लेकर उसका दृष्टिकोण क्या है? देश की बदलती आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों के अनुरूप उसका भविष्य का विजन क्या है? इन प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर जनता के सामने रखने होंगे। आज कांग्रेस की राजनीति का बड़ा हिस्सा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरोध के इर्द-गिर्द घूमता दिखाई देता है। किसी भी लोकतंत्र में सरकार की आलोचना आवश्यक है, लेकिन केवल विरोध करना राजनीतिक विकल्प प्रस्तुत करना नहीं होता। जनता यह जानना चाहती है कि वर्तमान सरकार की नीतियों में कमियां बताने वाली पार्टी स्वयं सत्ता में आने पर क्या अलग करेगी। केवल मोदी विरोध के सहारे जनसमर्थन हासिल करने की कोशिश कांग्रेस को राजनीतिक रूप से मजबूत नहीं कर सकती। उसे अपनी उपलब्धियों, नीतियों, कार्यक्रमों और भविष्य की कार्ययोजना के आधार पर जनता का विश्वास अर्जित करना होगा।

इस पूरी राजनीतिक स्थिति में कांग्रेस के सलाहकारों की भूमिका पर भी गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। आखिर कौन लोग हैं जो पार्टी को ऐसे समय में आंदोलन की सलाह दे रहे हैं, जब देश का बड़ा वर्ग दीपावली की तैयारियों में व्यस्त है? कौन हैं जो जनता की वास्तविक प्राथमिकताओं से अलग राजनीतिक रणनीति बना रहे हैं? क्या पार्टी का नेतृत्व जमीनी परिस्थितियों का सही आकलन कर पा रहा है? यदि सलाहकार लगातार ऐसी रणनीतियां प्रस्तुत कर रहे हैं, जिनसे पार्टी को राजनीतिक लाभ के बजाय नुकसान हो रहा है, तो उन्हें बदलने में ही कांग्रेस की भलाई है।

विपक्ष का मजबूत होना लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। लेकिन मजबूत विपक्ष वह होता है जो सरकार की गलतियों को तथ्यों के साथ उजागर करे, जनता के मुद्दों पर संघर्ष करे और देश को एक विश्वसनीय विकल्प दे। लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल उठाने से पहले अपने राजनीतिक आचरण और संगठनात्मक कमजोरियों का मूल्यांकन भी करे।

कांग्रेस के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती केवल सत्ता में वापसी नहीं, बल्कि जनता के बीच खोया हुआ विश्वास वापस हासिल करना है। इसके लिए उसे आरोपों की राजनीति से बाहर निकलकर सकारात्मक एजेंडे की राजनीति अपनानी होगी। क्योंकि लोकतंत्र में सत्ता का रास्ता संवैधानिक संस्थाओं से टकराव, आरोपों और अराजक आंदोलनों से नहीं, बल्कि जनता के दरवाजे तक पहुंचने और उसका विश्वास जीतने से बनता है। कांग्रेस को यह बात जितनी जल्दी समझ आ जाए, उतना ही उसके राजनीतिक भविष्य के लिए बेहतर होगा। कांग्रेस को वोट चोरी के आरोपों से आगे बढ़कर अपनी राजनीतिक विश्वसनीयता, संगठन और वैकल्पिक विजन पर काम करना होगा। सत्ता का रास्ता जनता के बीच से होकर जाता है, टकराव की राजनीति से नहीं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

नरक से मुक्ति और अकाल मृत्यु से रक्षा का पर्व है नरक चतुर्दशी



योगेश कुमार गोयल



कार्तिक कृष्ण पक्ष में मनाए जाने वाले पांच दिवसीय दीपोत्सव का दूसरा पर्व नरक चतुर्दशी है, जिसे छोटी दीपावली, रूप चतुर्दशी और काली चौदस के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के अगले दिन मनाया जाने वाला यह पर्व धार्मिक आस्था, पौराणिक मान्यताओं और आध्यात्मिक संदेशों का अनूठा संगम है। 'नरक चतुर्दशी' नाम से ही स्पष्ट होता है कि इसका संबंध मृत्यु के देवता यमराज और नरक से मुक्ति की मान्यता से जुड़ा है। धार्मिक विश्वास है कि इस दिन यमराज की पूजा, व्रत और दीपदान करने से अकाल मृत्यु का भय दूर होता है तथा मनुष्य को नरक की यातनाओं से मुक्ति मिलती है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई, अत्याचार पर न्याय और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। इस पर्व पर अभ्यंग स्नान का विशेष महत्व है। मान्यता है कि सूर्योदय से पूर्व शरीर पर तिल का तेल लगाकर उबटन करने और स्नान करने से रूप, सौंदर्य तथा आरोग्य की प्राप्ति होती है। इसी कारण इसे रूप चतुर्दशी भी कहा जाता है। इस दिन घरों की साफ-सफाई, दीप प्रज्वलन, हनुमान जी की पूजा और यमराज के निमित्त दीपदान करने की परंपरा भी प्रचलित है। विशेष रूप से घर के बाहर दक्षिण दिशा में दीपक जलाकर यमराज से परिवार की सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना की जाती है।

इस वर्ष चतुर्दशी तिथि दो दिन रहने के कारण पर्व की तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति है। कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी 7 नवंबर को सुबह 10 बजकर 47 मिनट से प्रारंभ होकर 8 नवंबर को सुबह 11 बजकर 27 मिनट तक रहेगी। प्रदोष काल में चतुर्दशी तिथि होने के कारण यम दीपदान, हनुमान पूजा और काली चौदस की पूजा 7 नवंबर को की जाएगी जबकि उदयातिथि के अनुसार 8 नवंबर की सुबह अभ्यंग स्नान होगा। नरक चतुर्दशी केवल धार्मिक कर्मकांड का पर्व नहीं है बल्कि जीवन से नकारात्मकता, अहंकार और बुराइयों को दूर कर सद्गुणों का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा भी देता है। इसका संदेश है कि जिस प्रकार दीपक अंधकार को मिटाता है, उसी प्रकार सदाचार, विवेक और सकारात्मकता मनुष्य के जीवन से अज्ञान तथा विकारों के अंधकार को दूर कर सकते हैं।

'नरक चतुर्दशी' पर्व को 'नरक चौदस', 'रूप चतुर्दशी', 'काल चतुर्दशी' तथा 'छोटी दीवाली' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज और धर्मराज चित्रगुप्त का पूजन किया जाता है और यमराज से प्रार्थना की जाती है कि उनकी कृपा से हमें नरक के भय से मुक्ति मिले। इसी दिन रामभक्त हनुमान का भी जन्म हुआ था और इसी दिन वामन अवतार में भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगते हुए तीनों लोकों सहित बलि के शरीर को भी अपने तीन पगों में नाप लिया था। हनुमान जयंती वैसे तो चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, लेकिन उत्तर भारत के कई भागों में यह दीवाली से एक दिन पहले भी मनाई जाती है। यम को मृत्यु का देवता और संयम के अधिष्ठाता देव माना गया है। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना शुभ माना गया है और सायंकाल के समय यम के लिए दीपदान किया जाता है। आशय यही है कि संयम-नियम से रहने वालों को मृत्यु से जरा भी भयभीत नहीं होना चाहिए। इस दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का आशय ही आलस्य का त्याग करने से है और इसका सीधा संदेश यही है कि संयम और नियम से रहने से उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उनकी अपनी साधना ही उनकी रक्षा करेगी।

नरक चतुर्दशी के साथ भगवान श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर के वध की पौराणिक कथा भी जुड़ी हुई है। नरक चतुर्दशी मनाए जाने के संबंध में मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इसी दिन प्रागज्योतिषपुर के राजा 'नरकासुर' नामक अधर्मी राक्षस का वध किया था और ऐसा करके उन्होंने न केवल पृथ्वीवासियों को बल्कि देवताओं को भी उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। उसके आतंक से पृथ्वी के समस्त शूरवीर और सम्राट भी थर-थर कांपते थे। अपनी शक्ति के घमंड में चूर नरकासुर शक्ति का दुरूपयोग करते हुए स्त्रियों पर भी अत्याचार करता था। उसने 16000 मानव, देव एवं गंधर्व कन्याओं को बंदी बना रखा था। देवों और ऋषि-मुनियों के अनुरोध पर भगवान श्रीकृष्ण ने सत्यभामा के सहयोग से नरकासुर का संहार किया था और उसके बंदीगृह से 16000 कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। नरकासुर से मुक्ति पाने की खुशी में देवगण व पृथ्वीवासी बहुत आनंदित हुए और उन्होंने यह पर्व मनाया गया। माना जाता है कि तभी से इस पर्व को मनाए जाने की परम्परा शुरू हुई।

धनतेरस, नरक चतुर्दशी तथा दीवाली के दिन दीपक जलाए जाने के संबंध में एक मान्यता यह भी है कि इन दिनों में वामन भगवान ने अपने तीन पगों में सम्पूर्ण पृथ्वी, पाताल लोक, ब्रह्माण्ड व महादानवीर दैत्यराज बलि के शरीर को नाप लिया था और इन तीन पगों की महत्ता के कारण ही लोग यम यातना से मुक्ति पाने के उद्देश्य से तीन दिनों तक दीपक जलाते हैं तथा सुख, समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति हेतु मां लक्ष्मी का पूजन करते हैं। यह भी कहा जाता है कि बलि की दानवीरता से प्रभावित होकर भगवान विष्णु ने बाद में पाताल लोक का शासन बलि को ही सौंपते हुए उसे आशीर्वाद दिया था कि उसकी याद में पृथ्वीवासी लगातार तीन दिन तक हर वर्ष उनके लिए दीपदान करेंगे। नरक चतुर्दशी का संबंध स्वच्छता से भी है। इस दिन लोग अपने घरों का कूड़ा-कचरा बाहर निकालते हैं। इसके अलावा यह भी मान्यता है कि इस दिन प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व तेल एवं उबटन लगाकर स्नान करने से पुण्य मिलता है।

यूजीसी के नए नियमों पर पुनर्विचार सामाजिक न्याय और समानता के बीच संतुलन जरूरी



सौरभ वार्ष्णेय

यूजीसी के नए नियमों का उद्देश्य किसी वर्ग को दूसरे के मुकाबले खड़ा करना नहीं, बल्कि शिक्षा संस्थानों को भेदभाव से मुक्त बनाना होना चाहिए। सामाजिक न्याय और सामान्य वर्ग की आशंकाएं एक-दूसरे की विरोधी नहीं हैं। दोनों के बीच संतुलन स्थापित करना ही लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। सरकार को ऐसा रास्ता निकालना होगा, जिसमें वंचितों को प्रभावी संरक्षण मिले और किसी अन्य वर्ग के विद्यार्थी को भी अन्याय का अनुभव न हो।

उच्च शिक्षा संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा बनाए गए नए नियम अब खुद एक बड़े विवाद का विषय बन गए हैं। जिस व्यवस्था का मकसद विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में हर विद्यार्थी को सुरक्षित, सम्मानजनक और भेदभावमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना था, उसी के प्रावधानों पर सवाल उठने लगे हैं। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा और अब केंद्र सरकार ने अदालत को बताया है कि वह इन नियमों पर नए सिरे से विचार कर रही है। सरकार की ओर से कमेटी गठित करने की संभावना भी जताई गई है। यह घटनाक्रम बताता है कि सामाजिक न्याय के उद्देश्य से बनाई जाने वाली नीतियों में संवेदनशीलता के साथ-साथ व्यापक स्वीकार्यता भी कितनी आवश्यक है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने स्पष्ट किया कि सरकार नियमों की समीक्षा कर रही है, ताकि विद्यार्थियों की आशंकाओं का समाधान किया जा सके और किसी भी वर्ग में असंतोष या असुरक्षा की भावना पैदा न हो। इस पर मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी महत्वपूर्ण है कि नीति ऐसी होनी चाहिए, जिससे सभी युवा संतुष्ट महसूस करें। अदालत ने मामले की सुनवाई चार सप्ताह के लिए टाल दी है। यह टिप्पणी केवल यूजीसी के नियमों तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की पूरी शिक्षा व्यवस्था के लिए एक व्यापक संदेश भी देती है।

दरअसल, इस विवाद की जड़ उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव की वह कड़वी वास्तविकता है, जिसे लंबे समय तक नजरअंदाज किया जाता रहा है। रोहित वेमुला और पायल तड़वी जैसे विद्यार्थियों की दुखद मौत ने देश को यह सोचने पर मजबूर किया था कि क्या हमारे विश्वविद्यालय वास्तव में सभी विद्यार्थियों के लिए समान अवसर और सम्मान का वातावरण उपलब्ध करा पा रहे हैं? वर्ष 2019 में रोहित वेमुला और पायल तड़वी की माताओं की ओर से दायर याचिकाओं में उच्च शिक्षा संस्थानों में जातिगत भेदभाव के खिलाफ प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था की मांग की गई थी। इन याचिकाओं का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि किसी विद्यार्थी को उसकी जाति, सामाजिक पृष्ठभूमि अथवा पहचान के कारण अपमान, उत्पीड़न या अलगाव का सामना न करना पड़े।

इसी पृष्ठभूमि में यूजीसी ने विचार-विमर्श के बाद जनवरी 2026 में नए नियम अधिसूचित किए। लेकिन इन नियमों के कुछ प्रावधानों, विशेषकर जातिगत भेदभाव की परिभाषा को लेकर विवाद खड़ा हो गया। नए ढांचे में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के साथ होने वाले भेदभाव पर विशेष ध्यान दिया गया। दूसरी ओर सामान्य वर्ग के कुछ विद्यार्थियों और याचिकाकर्ताओं ने आशंका जताई कि इस व्यवस्था में उनके खिलाफ होने वाले भेदभाव को पर्याप्त रूप से शामिल नहीं किया गया है। उनका तर्क है कि यदि भेदभाव रोकने के लिए बनाई गई व्यवस्था ही किसी दूसरे वर्ग को संरक्षण से बाहर रखती है, तो समानता का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा।



सुप्रीम कोर्ट ने 29 जनवरी 2026 को इन नियमों पर अंतरिम रोक लगाते हुए फिलहाल 2012 के नियम लागू रखने का निर्देश दिया था। अदालत की चिंता यह थी कि नए प्रावधानों की भाषा और उनका दायरा कहीं ऐसी स्थिति न पैदा कर दे, जिससे समाज में विभाजन और असंतोष बढ़े। यह ध्यान रखना होगा कि अदालत की अंतरिम रोक को अंतिम फैसला नहीं माना जा सकता। इसका उद्देश्य मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच करना और किसी संभावित अन्याय को रोकना है।

यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या जातिगत भेदभाव के खिलाफ सुरक्षा की व्यवस्था को किसी एक सामाजिक वर्ग तक सीमित किया जाना चाहिए? निश्चित रूप से भारतीय समाज में ऐतिहासिक रूप से वंचित और कमजोर वर्गों ने लंबे समय तक भेदभाव और सामाजिक असमानता का सामना किया है। शिक्षा संस्थानों में उनके लिए विशेष सुरक्षा उपायों की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता। संविधान भी समानता के साथ-साथ सामाजिक न्याय और कमजोर वर्गों के संरक्षण की भावना को महत्व देता है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं हो सकता कि किसी अन्य विद्यार्थी की शिकायत को केवल उसकी जाति या सामाजिक पहचान के आधार पर कम महत्व दिया जाए।

समानता का वास्तविक अर्थ यही है कि हर विद्यार्थी को न्याय पाने का समान अधिकार मिले। यदि किसी अनुसूचित जाति, जनजाति या पिछड़े वर्ग के विद्यार्थी के साथ जातिगत अपमान होता है तो उसे तत्काल संरक्षण मिलना चाहिए। इसी प्रकार यदि सामान्य वर्ग का कोई विद्यार्थी जाति के आधार पर उत्पीड़न, अपमान या अनुचित व्यवहार का सामना करता है तो उसकी शिकायत को भी गंभीरता से सुना जाना चाहिए। भेदभाव की कोई भी घटना गलत है, चाहे उसका शिकार किसी भी वर्ग का विद्यार्थी हो। न्याय की कसौटी पीड़ित की जाति नहीं, बल्कि उसके साथ हुआ व्यवहार होना चाहिए।

यह भी समझना होगा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री देने वाले संस्थान नहीं हैं। वे देश के भविष्य, विचारों और सामाजिक चेतना का निर्माण करते हैं। यदि शिक्षा के मंदिरों में ही जाति, वर्ग और पहचान के आधार पर अविश्वास की दीवारें खड़ी होने लगें तो इसका असर आने वाली पीढ़ियों पर पड़ेगा। विद्यार्थियों के बीच आपसी सम्मान, संवाद और सहयोग का वातावरण बनाना विश्वविद्यालय प्रशासन की जिम्मेदारी है। शिकायत निवारण समितियां निष्पक्ष हों, जांच प्रक्रिया पारदर्शी हो और किसी भी शिकायतकर्ता को प्रताड़ना या प्रतिशोध का भय न रहे।

केंद्र सरकार के सामने अब चुनौती केवल नियमों में संशोधन करने की नहीं, बल्कि ऐसा संतुलित ढांचा तैयार करने की है, जिस पर सभी वर्ग भरोसा कर सकें। प्रस्तावित कमेटी में शिक्षाविदों, सामाजिक न्याय के विशेषज्ञों, विधि विशेषज्ञों और विभिन्न सामाजिक वर्गों के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाना चाहिए। नियमों की भाषा स्पष्ट होनी चाहिए, ताकि भेदभाव की परिभाषा को लेकर भ्रम की गुंजाइश न रहे। साथ ही झूठी शिकायतों की आशंका को दूर करने के लिए निष्पक्ष जांच की व्यवस्था हो, लेकिन इस आधार पर वास्तविक पीड़ितों की आवाज दबने भी न पाए।

यूजीसी के नए नियमों का उद्देश्य किसी वर्ग को दूसरे के मुकाबले खड़ा करना नहीं, बल्कि शिक्षा संस्थानों को भेदभाव से मुक्त बनाना होना चाहिए। सामाजिक न्याय और सामान्य वर्ग की आशंकाएं एक-दूसरे की विरोधी नहीं हैं। दोनों के बीच संतुलन स्थापित करना ही लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। सरकार को ऐसा रास्ता निकालना होगा, जिसमें वंचितों को प्रभावी संरक्षण मिले और किसी अन्य वर्ग के विद्यार्थी को भी अन्याय का अनुभव न हो। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है। शिक्षा का परिसर ऐसा होना चाहिए, जहां विद्यार्थी अपनी जाति से नहीं, बल्कि अपनी प्रतिभा, परिश्रम और योग्यता से पहचाना जाए। यही समानता का वास्तविक अर्थ है और यही एक स्वस्थ, समावेशी तथा मजबूत भारत की बुनियाद भी।



आतिशबाजी के समय बच्चों का रखें ध्यान

बच्चों को आतिशबाजी और पटाखे के कारण दीपावली का साल भर से इंतजार रहता है। पटाखे जलाने के दौरान बच्चों को जो खुशी मिलती है उसका कहना ही क्या। इस दौरा उनके साथ बड़े भी शामिल हो जाते हैं। उमंग और उत्साह के इस पर्व के दौरान सावधानी रखनी भी जरुरी है क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही भी भारी पड़ सकती है। इसलिए पटाखे जलाने के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखें और और सुरक्षित दीपावली मनाएं। इन दिनों की जा रही रौशनी के पहले बल्ब और तार को ठीक से जांचे-परखे लें। इनसे बच्चों को करेंट लगने का खतरा रहता है।

पटाखे खरीदते समय हमेशा क्वॉलिटी का ध्यान रखें। सामान्य पटाखे की जगह ग्रीन पटाखों का इस्तेमाल कर सकते है। दिवाली से पहले केंद्र सरकार द्वारा इन्हें जारी किया गया है इसमें अनार, पेंसिल, चकरी, फुलझड़ी व सुतली बम शामिल है।

घर में पटाखे ऐसी जगह पर रखें, जो बच्चों की पहुंच से दूर हों।

ऊपर की मंजिल पर रहने वाले बच्चों को भूलकर भी बालकनी से नीचे पटाखे जलाकर नहीं फेंकने चाहिए। वाहनों पर जलते पटाखे फेंकने जैसा मजाक भी नहीं करना चाहिए। इससे हादसों का खतरा रहता है। आतिशबाजी चलाते वक्त बच्चों को पटाखों से निश्चित दूरी बनाए रखने के बारे में समझाएं। उन्हें बताएं कि वे पटाखों को झुककर न जलाएं। नवजात शिशु और छोटे बच्चों के आसपास तेज आवाज वाले पटाखे न जलाएं। बच्चों को पटाखे जेब में डालकर घूमने न दें, क्योंकि पटाखों का जहरीला मसाला हाथों में लग जाने से त्वचा को नुकसान हो सकता है। पटाखे चलाते समय सूती और चुस्त कपड़े पहनें। ढीले, झालरों वाले और जरुरत से ज्यादा लंबी आस्तीन के कपड़े नहीं पहनें।

इसके साथ ही पानी से भरी एक बाल्टी रखें जिसमें जली हुई फुलझड़ी व आदि डाल दें।

किसी भी प्रकार के प्राथमिक उपचार के लिए जलने पर लगायी जाने वाली दवा भी रखें। पटाखे जलाते समय पैरों में चप्पल आदि पहनी होनी चाहिये क्योंकि ऐसा नहीं होने पर किसी भी जले हुए पटाखें से पैर जल सकता है।

धूमधाम से मनाएं दिवाली, आतिशबाजी छुड़ाने पर ध्यान रखें ये बातें

देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं। रंगोली बनाते हैं और सभी दोस्तों और रिश्तेदारों को शुभकामनाएं देते हैं। मिठाइयां बांटते हैं और पटाखे जलाते हैं। पटाखे जलाते समय हमें अपनी और अपनों की सुरक्षा का ध्यान भी रखना चाहिए, क्योंकि जरा सी लापरवाही न सिर्फ आंखों में चोट का कारण बन सकती है, साथ ही पटाखों से निकलने वाले प्रदूषण के कारण भी आंखों को दीर्घकालिक क्षति का खतरा रहता है। विशेषकर बच्चों में इस तरह के जोखिम अधिक देखे जाते रहे हैं।

यद्यपि पटाखों को जलाना निषिद्ध है और विशेषज्ञों की दृष्टि से उचित नहीं है। पटाखे न केवल पर्यावरण को प्रदूषित करता है बल्कि ध्वनि प्रदूषण का कारण बनता है और हाथ और आंखों की चोटों के लिए जिम्मेदार है। अगर आप पटाखों या दीयों का उपयोग कर रहे हैं तो हाथ और आंखों की चोटों को रोकने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतें।

खुले स्थानों पर ही जलाएं पटाखें : कोशिश करें कि पटाखों को दूर और खुले स्थानों पर ही जलाएं। पटाखों के एकदम नजदीक जाने से बचें। पटाखों को अपने चेहरे को तो बहुत ही दूर रखें। अगर कोई पटाखा न फूटे तो उसके पास जाकर उसे हाथ से न छूएं और न ही हाथ से उठाएं। हो सकता है कि वो पटाखा आप के हाथ में ही फट जाए। बच्चों को अकेले पटाखे जलाने के लिए ना भेजें।

आंखों को पहुंच सकता है नुकसान : आंखों में कट, सुपरफिशियल एब्रेशन, ग्लोब इंज्योरी, केमिकल एण्ड थर्मल बर्न हो सकता है। अगर आप को आंखों में दर्द, लाल होना, सूजन, जलन, आंख खोलने और बंद करने में परेशानी या फिर दिखाई न देना जैसी समस्याएं हो रही है तो तुरंत नेत्र चिकित्सक के पास जाना चाहिए।

पटाखों को कभी ना जलाएं टिन या शीशे की बोतल में : अतिशबाजी से सबसे ज्यादा क्षति तब होती है जब इन पटाखों को टिन या शीशे की बोतल में रखकर जलाया जाता है ताकि ज्यादा शोर हो, लेकिन कभी भी आसपास खड़े लोगों को नुकसान पहुंच सकता है इसलिए न ऐसा करे और न ही किसी को ऐसा करने दें। पटाखों के अंदर से निकला हुआ कार्बन और अन्य विषाक्त पदार्थ आंखों के उतकों, नसों और अन्य मुलायम लिगामेंट्स को क्षति पहुचा सकते हैं। बोतल में जलाए जाने वाले राकेट लोगों के चेहरों पर उड़कर लग जाते हैं जिसके कारण आंखों में चोट के सबसे ज्यादा मामले देखे जाते हैं। पटाखों के नजदीक से फटने से आंखों की रोशनी भी जा सकती है।

कान्टैक्ट लेंस पहनने वाले रखें ध्यान : कान्टैक्ट लेंस पहनते वाले लोगों को दिवाली में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। पटाखों को जलाने से पहले कान्टैक्ट लेंस निकाल लेना चाहिए। कान्टैक्ट लेंस की जगह चश्मा पहनकर रखें, नहीं तो पटाखों और दीया की गर्मी के कारण कान्टैक्ट लेंस आंखों में जलन पैदा कर सकते हैं।

आपात स्थिति में क्या करें : आपात स्थिति में अपने आप कोई उपचार ना करें। चोटिल भाग को न छेड़ें और न ही आंखों को मलें। अगर ये सुपरफिशियल इंज्युरी है तो आंखों को साफ पानी से धो लें। अगर आंखों से खून निकल रहा हो, दर्द हो या फिर साफ दिखाई न दे तो आंखों को ढंक लें और तुरंत किसी नेत्र विशेषज्ञ के पास ले जाएं। किसी भी आंख की चोट को मामूली न समझें क्योंकि छोटी सी चोट भी आंखों की दृष्टि छीन सकती है।





चीन से जुड़ा है पटाखों का इतिहास

दिवाली आते ही अब एक बार फिर से पटाखों की विस्फोटक चर्चा शुरू हो गई है। कुछ लोग पटाखें जलाने के पक्ष में रहते हैं तो कुछ इसे पर्यावरण और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाला बताकर आतिशबाजी के खिलाफ हैं। किसी भी मुद्दे पर इस तरह की सहमति और सहमति चलती रहेगी, यह आम बात है, लेकिन इस बीच यह जानना दिलचस्प होगा कि आखिर पटाखों या आतिशबाजी का इतिहास क्या है। रिपोर्ट के मुताबिक पटाखों का इतिहास चीन से जुड़ा है, करीब 2200 साल पहले चीन के लुइयांग शहर में पटाखें जलाए गए थे। तब उनका आकार और तरीका ऐसा नहीं था, जैसा आज होता है। ये एक तरह की बांस की छड़ियां होती थीं, जिन्हें आग में जलाने से धमाका होता था। बाद में चीनी नागरिकों ने बांस की छड़ियों में बारुद भरकर पटाखें बनाए, जिन्हें हैंडमेड पटाखे कहा जाता है। इसके बाद बांस के बजाए कागज का इस्तेमाल किया जाने लगा। यह भी कहा जाता है कि करीब 500 साल पहले एक शहजादी की शादी में आतिशबाजी की गई थी। इस दौरान कहा जाता है कि करीब 80 हजार के पटाखे जलाए गए थे। हालांकि इसमें कितने सच्चाई है यह किसी को नहीं पता, लेकिन अलग अलग रिपोर्ट से यही तथ्य उभरकर सामने आते हैं। चीन के बाद पटाखें यूरोप और अरब देशों में लोकप्रिय होने लगे। यहां कुछ खास मौकों पर या फिर अपनी जनता को खुश करने के लिए उस वक्त के राजा-महाराजा और शाषक आतिशबाजी करने लगे। वहीं बाद में अमेरिका की आजादी के मौके पर बड़े पैमाने पर आतिशबाजी की गई। तमाम देशों की यात्रा करते हुए करीब 1400 या 1500 ईसवीं में इतिहास में पटाखों और आतिशबाजी का जिक्र मिलता है। जो अलग-अलग उत्सवों और शादियों आदि में किया जाता रहा है। मध्य युग में आतिशबाजी राजशाही परिवारों का अभिन्न हिस्सा था। बाद में धीरे-धीरे यह रौशनी के पर्व दिवाली का भी हिस्सा बन गया। और इतना प्रचलित हुआ कि आज तक हर छोटे बड़े उत्सव और आयोजन में आतिशबाजी की जाती है। हालांकि अब धीरे-धीरे ग्रीन पटाखों का चलन भी हो चला है। जानते हैं कितने फायदेमंद हैं ग्रीन पटाखें।

ग्रीन पटाखे

ग्रीन पटाखों को खास तरह से तैयार किया जाता है और माना जाता है कि इससे प्रदूषण काफी कम होता है। इन पटाखों से 30-40 फीसदी तक प्रदूषण को कम किया जाता है। इन पटाखों में वायु प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले नुकसानदायक कैमिकल नहीं होते हैं। ग्रीन पटाखों के लिए कहा जाता है कि इसमें एल्युमिनियम, बैरियम, पौटेशियम नाइट्रेट और कार्बन का इस्तेमाल नहीं किया जाता या फिर बहुत कम मात्रा में किया जाता है। इससे वायु प्रदूषण को बढ़ने से रोका जा सकता है। ग्रीन पटाखे दिखने में सामान्य पटाखों की तरह ही होते हैं और ग्रीन पटाखों की कैटेगरी फुलझड़ी, फ्लॉवर पॉट, स्काईशॉट जैसे सभी तरह के पटाखे मिलते हैं। इन्हें भी माचिस की तरह जलाया जाता है, इसके अलावा इनमें खुशबू और वाटर पटाखे भी जाते हैं, जिन्हें अलग तरह से जलाया जाता है। इन पटाखों से रोशन भी होती है। ये सामान्य पटखों वाला फील देते हैं। बस ये पर्यावरण के अनुकूल होते हैं। इन पटाखों को जलाने पर धुआं निकलता है और इसकी मात्रा कम होती है। हालांकि ये पटाखे सामान्य पटाखों से थोड़े महंगे होते हैं। जहां सामान्य पटाखों के लिए 250 रुपए तक खर्च करना पड़ता है, वहीं ग्रीन पटाखों के लिए 400 रुपये से ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है।

> पटाखों का इतिहास चीन से जुड़ा है, करीब 2200 साल पहले चीन के लुइयांग शहर में पटाखें जलाए गए थे। तब उनका आकार और तरीका ऐसा नहीं था, जैसा आज होता है। ये एक तरह की बांस की छड़ियां होती थीं, जिन्हें आग में जलाने से धमाका होता था। बाद में चीनी नागरिकों ने बांस की छड़ियों में बारुद भरकर पटाखें बनाए, जिन्हें हैंडमेड पटाखे कहा जाता है। इसके बाद बांस के बजाए कागज का इस्तेमाल किया जाने लगा।

ग्रीन पटाखे क्या होते हैं किस तरह केमिकलयुक्त पटाखों से है अलग

बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण देश में कुछ जगहों पर पटाखे पूरी तरह से बैन कर दिए गए हैं तो कहीं पर सीमित मात्रा में जलाने की अनुमति दी जा रही है। पर्यावरण को बचाने के लिए ग्रीन पटाखे एक नया विकल्प सामने आया है। बताया जा रहा है कि इससे 30 से 40 फीसदी तक प्रदूषण कम होगा। साथ ही इनमें में नुकसानदायक केमिकल नहीं होते हैं। आइए जानते हैं ग्रीन पटाखे क्या होते है

ग्रीन पटाखे प्रदूषण को कम करता है। इन्हें बनाने में किसी प्रकार का एल्यूमिनियम, बेरियम, पोटेशियम-नाइट्रेट और कार्बन का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। अगर होते भी है तो मात्रा बहुत कम होती है। इसका सबसे बड़ा फायदा है यह वायु प्रदूषण को कम करने में मदद करता है। यह दिखने में एकदम सामान्य पटाखों की तरह ही होते हैं केमिकल युक्त पटाखों की तरह ही और ग्रीन पटाखों में भी वह सभी वैरायटी उपलब्ध है। कैटेगरी फुलझड़ी, फ्लावर पॉट,स्काई शॉट जैसे पटाखे हैं। उन्हें भी अन्य पटाखों की तरह ही माचिस से जलाया जाता है। यह खुशबू वाले भी आते हैं। लेकिन देखा जाए तो यह पटाखे केमिकल युक्त पटाखों से थोड़े महंगे होंगे। इसमें में केमिकल पटाखे की तरह धुंआ भी निकलेगा लेकिन वह हानिकारक नहीं होगा। केमिकल युक्त पटाखे 250 रूपए तक के पड़ते हैं वहीं ग्रीन पटाखे 400 रूपए तक के पड़ सकते हैं।

पटाखे जलाने से होता ये नुकसान

पटाखे जलाने से ज्यादा आबादी वाले शहरों में वायु प्रदूषण बढ़ जाता है, जो सर्दी के मौसम में एयर क्वालिटी इंडेक्स पहले से ही खराब स्थिति में है.कोरोना वायरस महामारी के बीच पटाखे जलाना और ज्यादा खतरनाक है, क्योंकि प्रदूषण की वजह से इम्यूनिटी कमजोर होती है और लोगों को सांस लेने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है.

क्या होते हैं ग्रीन पटाखे

खतरनाक और प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की जगह कई राज्यों ने ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी है और लोगों में इसका क्रेज दिखाई दे रहा है.लेकिन क्या आपको पता है कि ग्रीन पटाखे क्या होते हैं और पुराने परंपरागत पटाखों से कैसे अलग होते हैं

नॉर्मल पटाखे से कितने अलग होते हैं ग्रीन पटाखे

ग्रीन पटाखे राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (गक्क्टक्र) की खोज हैं और ये आवाज से लेकर दिखने तक में पारंपरिक पटाखों जैसे ही होते हैं, लेकिन इनको जलाने पर प्रदूषण काफी कम होता है और ये सामान्य पटाखों की तुलना में 40 से 50 फीसदी तक कम हानिकारक गैस पैदा करते हैं.हालांकि ऐसा नहीं है कि ग्रीन पटाखों से प्रदूषण बिल्कुल भी नहीं होगा, हालांकि ये सामान्य पटाखों से कम हानिकारक हैं.

ग्रीन पटाखों में नहीं होते हैं हानिकारक रसायन

ग्रीन पटाखों में वायु प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले हानिकारक रसायन नहीं होते हैं.इनमें एल्युमिनियम, बैरियम, पौटेशियम नाइट्रेट और कार्बन का प्रयोग नहीं किया जाता है या ग्रीन पटाखों में खतरनाक रसायनों की मात्रा काफी कम होती है.इस वजह से इन पटाखों से प्रदूषण कम होता है.

ग्रीन पटाखों से ध्वनि प्रदूषण भी होता है कम

ग्रीन पटाखों से वायु प्रदुषण के साथ-साथ ध्वनि प्रदूषण भी कम होता है, क्योंकि ये साइज में थोड़े छोटे होते हैं और कम आवाज करते हैं.ग्रीन पटाखों से अधिकतम 110 से 125 डेसिबल ध्वनि प्रदूषण होता है, जबकि नॉर्मल पटाखों से 160 डेसिबल तक होता है.

महंगे होते हैं ग्रीन पटाखे

ग्रीन पटाखों के कीमत की बात करें तो यह परंपरागत पटाखों की तुलना में थोड़े महंगे होते हैं.यदि आपके राज्य में सामान्य पटाखों पर रोक लगी है और ग्रीन पटाखों की इजाजत दी गई है तो आपको सरकार की ओर से रजिस्टर्ड दुकान पर ग्रीन पटाखे खरीद सकते हैं.इसके अलावा आप ग्रीन पटाखे ऑनलाइन भी खरीद सकते हैं.

तकनीक के साथ बदलते पटाखे

तकनीकी विकास पटाखे के निर्माण में भी अपना असर दिखाने लगा है और नई तकनीक के साथ पटाखों की किस्म से लेकर पैकेजिंग तक बहुत कुछ बदल नजर आ रहा है.सीटी बजाते पटाखे आसमान को रंगीन रौशनी से भरते पटाखे या फिर एक ही डिब्बे में कई तरह की आतिशबाजी समेटे पटाखे कुछ वर्ष पहले तक बाजार में नहीं थे.पर अब बाजार में सबसे ज्यादा माँग इन्हीं पटाखों की है.और तो और चीन से इस बार आई पटाखों की नई किस्म भी भारतीय बाजारों में त्योहारों के मद्देनजर हाथोंहाथ बिक रही है

बच्चों में सबसे ज्यादा माँग चीनी माउजर पिस्तौल की है.इस पटाखे छोड़नेवाली पिस्तौल में एक बार में दस गोलियाँ भरी और दागी जा सकती हैं.पटाखों की पैकेजिंग में भी खासा बदलाव आया है इस पिस्तौल की माँग का आलम यह है कि शुरुआत में 45-50 रूपए में मिल रही यह पिस्तौल अब 120 रूपए तक हो गई है.माना जा रहा है कि व्यापारी बढ़ी माँग को देखकर माल रोक रहे हैं और इसी वजह से इसके दामों में इजाफा हो गया है.पर व्यापारी इन पिस्तौलों की कम आपूर्ति के लिए आयातकों को दोष देने से नहीं चूक रहे.ऐसे ही एक व्यापारी किशन कुमार बताते हैं कि सारा मुनाफा तो आयातकों को हो रहा है.थोक या फुटकर विक्रेताओं को तो पूरा माल मिल ही नहीं रहा है और माँग काफी ज्यादा है.

रंगीन आतिशबाजी

पटाखों की किस्म में एक बड़ा बदलाव लोगों के बदलते मिजाज के चलते भी आया है.लोगों को अब आवाज करनेवाले पटाखों की जगह आसमान में ऊपर जाकर रंग बिखेरने वाले पटाखे ज्यादा पसंद आ रहे हैं.इसे देखते हुए तमाम पटाखा निर्माता कंपनियों ने इस बात का खासा ध्यान रखा है और बाजार ऐसे पटाखों से पटा हुआ है. पिछले कुछ वर्षों में काफी फर्क आया है.पहले लोग चकरी और लड़ियाँ ज्यादा पसंद करते थे पर अब ऐरियल यानी हवा में छोड़े जाने वाले पटाखों की ज्यादा माँग है.1875 से इसी कारोबार में लगे विष्णु बताते हैं, ''पिछले कुछ वर्षों में काफी फर्क आया है. पहले लोग चकरी और लड़ियाँ ज्यादा पसंद करते थे पर अब ऐरियल यानी हवा में छोड़े जाने वाले पटाखों की ज्यादा माँग है.'' वो



बताते हैं, ''तकनीकी का ज्यादा असर बनाने पर कम पैकिंग पर ज्यादा हुआ है.पहले पैकेजिंग पर इतना ध्यान नहीं दिया जाता था पर अब इसपर काफी ध्यान दिया जा रहा है. जो रंग भारत में उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें हम चीन और बाकी देशों में आयात करते हैं.''

पहले तो कम किस्में थीं पर अब कई तरह के पटाखे मिल रहे हैं और इनमें आसमान में ऊपर जानेवाले पटाखे ज्यादा पसंद आते हैं. फिर विदेशों में जिन पटाखों का मजा लोग लेते थे, अब उन्हें भी हम यहाँ खरीद सकते हैं.''



नियो ग्रुप ने म्यूचुअल फंड कारोबार शुरू किया

नई दिल्ली ।

नियो वेल्थ एंड एसेट मैनेजमेंट (नियो ग्रुप) ने अपनी वित्तीय सेवा पेशकश का विस्तार करने की योजना के तहत नियो म्यूचुअल फंड की शुरुआत के साथ म्यूचुअल फंड कारोबार में प्रवेश की शुक्रवार को घोषणा की। कंपनी ने बयान में कहा कि नियो म्यूचुअल फंड ने करीब 10 अनुभवी फंड प्रबंधकों को अपने साथ जोड़ा है। इन सभी ने अपनी पिछली भूमिकाओं में सामूहिक रूप से दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की परिसंपत्तियों का प्रबंधन किया है। फंड हाउस की योजना देश में 25 से अधिक स्थानों पर अपनी मौजूदगी बनाने और म्यूचुअल फंड वितरकों, स्वतंत्र वित्तीय सलाहकारों, बैंकों तथा 'वेल्थ मैनेजर' के जरिये देशव्यापी वितरण नेटवर्क विकसित करने की है।नियो ग्रुप के पास 30 सितंबर, 2026 तक कुल करीब 1.46 लाख करोड़ रुपये की ग्राहक परिसंपत्तियां थीं।

एक दिन में मस्क-हुआंग ने गंवाई यूपी के बजट जितनी रकम

मिडटर्म नतीजों के बाद निवेशकों में भगदड़, टेस्ला और एनवीडिया के शेयर धड़ाम

नई दिल्ली ।

अमेरिकी शेयर बाजार में गुरुवार को एक बड़ा भूचाल आया, जिसने दुनिया के दो सबसे अमीर व्यक्तियों एलन मस्क और जेन्सेन हुआंग को एक ही दिन में 8.44 लाख करोड़ रुपये का भारी नुकसान पहुंचाया। यह रकम उत्तर प्रदेश के वार्षिक बजट के लगभग बराबर है। टेस्ला के एलन मस्क ने एक ही दिन में करीब 7.10 लाख करोड़ रुपये (79.7 अरब डॉलर) और एनवीडिया के जेन्सेन हुआंग ने 1.34 लाख करोड़ रुपये (15.1 अरब डॉलर) गंवा दिए। कुल 8.44 लाख करोड़ रुपये का यह नुकसान उत्तर प्रदेश के सालाना मूल बजट (9.13 लाख करोड़) के लगभग बराबर है। इस दौरान टेस्ला का शेयर 11.5 फीसदी और एनवीडिया का 9.3 फीसदी लुढ़क गया। इस गिरावट की मुख्य वजह अमेरिकी मिडटर्म चुनावों के नतीजे रहे, जहां डेमोक्रेट्स ने संसद में मजबूत नियंत्रण हासिल किया। इससे बड़े एआई डेटा सेंटरों पर कड़े नियम लगने की आशंका बढ़ी, जिसने सेमीकंडक्टर चिप सप्लायर एनवीडिया जैसी कंपनियों में ताबड़तोड़ बिकवाली को बढ़ावा दिया। इस झटके से मस्क की संपत्ति 800 अरब डॉलर से नीचे आ गई और हुआंग ब्लूमबर्ग इंडेक्स में टॉप-10 से बाहर हो गए। ओरेकल के लैरी एलिसन को भी 10.1 अरब डॉलर की चपत लगी।

वॉल स्ट्रीट का भूचाल, दिवाली मुहूर्त पर भारतीय बाजार पर पड़ेगा असर?

नैस्डैक 5.5 फीसदी टूटा, जापान-कोरिया में भी बिकवाली, एआई निवेश पर चिंता से बढ़ा वैश्विक दबाव

मुंबई ।

अमेरिका के वॉल स्ट्रीट में आई तेज गिरावट ने भारतीय निवेशकों की नींद उड़ा दी है। दिवाली पर होने वाली मुहूर्त ट्रेडिंग से ठीक पहले इस वैश्विक उथल-पुथल ने घरेलू बाजारों पर संभावित असर को लेकर चिंता बढ़ा दी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनियों के शेयरों में भारी बिकवाली और तकनीकी क्षेत्र में निवेश पर बढ़ती आशंकाओं ने दुनियाभर के बाजारों को हिला दिया है, जिससे भारतीय निवेशक सावधानी बरतने को मजबूर हैं। इस वैश्विक माहौल का असर भारतीय शेयर बाजार की धारणा पर भी पड़ सकता है। निवेशक अब घरेलू बाजार की चाल के साथ विदेशी बाजारों के संकेतों पर नजर रखेंगे। हालांकि, रविवार, 8 नवंबर को दिवाली के अवसर पर होने वाली मुहूर्त ट्रेडिंग का रुख हमेशा की तरह उत्साहजनक रहने की उम्मीद होती है, लेकिन इस बार निवेशक विदेशी बाजारों के संकेतों पर विशेष नजर रखेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इक्विटी बाजार में सामान्य कारोबार दोपहर 2:20 बजे से 3:30 बजे तक होगा। ऐसे में मौजूदा वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारतीय निवेशक मुहूर्त ट्रेडिंग में सावधानी के साथ कदम रख सकते हैं। वहीं गुरुवार को अमेरिकी शेयर बाजारों में प्रमुख सूचकांकों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। नैस्डैक 5.52 प्रतिशत टूट गया, जबकि एसएंडपी 500 में 4.36 प्रतिशत और डाउ जोंस में 3.44 प्रतिशत की गिरावट आई। खासकर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सेमीकंडक्टर कंपनियों के शेयरों पर सबसे ज्यादा दबाव देखा गया। एनवीडिया के शेयर लगभग 9.26 प्रतिशत और एएमडी के शेयर 17 प्रतिशत से अधिक गिर गए, जिससे तकनीकी क्षेत्र में बिकवाली का माहौल बना।

अमेरिकी बाजारों की इस गिरावट का असर शुक्रवार को एशियाई बाजारों पर भी दिखा। जापान का निक्केई सूचकांक 6 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया, वहीं दक्षिण कोरिया के कोस्पी में शुरुआती कारोबार में 8 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई, जिसके चलते बाजार को 20 मिनट के लिए रोकना पड़ा।

घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार में तेजी

सेंसेक्स 33 अंक चढ़कर 79,300, निफ्टी 24,400 के स्तर पर

मुंबई ।



वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों की वजह से भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को उतार-चढ़ाव भरे शुरुआती कारोबार के बाद बढ़त के साथ कारोबार करने लगे। विदेशी पूंजी के निरंतर प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतें अपेक्षाकृत सीमित रहने से शेयर बाजार में आशावाद बढ़ा। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 33 अंक चढ़कर 79,343.06 अंक पर और एनएसई निफ्टी 52.95 अंक फिसलकर 24,477.40 अंक पर रहा। बाद में दोनों प्रमुख सूचकांकों में तेजी लौटी। सेंसेक्स 443.87 अंक की बढ़त के साथ 79,760.10 अंक पर और निफ्टी 81 अंक चढ़कर 24,612.85 अंक पर कारोबार करने लगा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर में चार प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। कंपनी का जुलाई-सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 25 प्रतिशत बढ़कर 4,587.88 करोड़ रुपये रहा जिससे उसके शेयर में तेजी आई है। टाइटन, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस और भारती एयरटेल के शेयर में भी तेजी रही। वहीं, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, बजाज फाइनेंस और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर गिरावट में रहे।

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग काफी गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। अमेरिकी शेयर बाजार बृहस्पतिवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुए थे। नैस्डैक कम्पोजिट 5.52 प्रतिशत लुढ़क गया, एसएंडपी 500 में 4.36 प्रतिशत की गिरावट आई और डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 3.44 प्रतिशत नीचे रहा।

रुपया नौ पैसे टूटकर 94.50 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.41 पर बंद हुआ था

मुंबई ।



रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में नौ पैसे टूटकर 94.50 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा की व्यापक मजबूती से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में रातोंरात आई तेजी और अमेरिकी डॉलर में सुधार से घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ा।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.50 प्रति डॉलर पर खुला, जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की गिरावट दर्शाता है। हालांकि, शुरुआती कारोबार में इसमें मामूली सुधार हुआ और यह 94.36 प्रति डॉलर के उच्च स्तर तक पहुंच गया। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.41 पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 101.71 पर आ गया।

रॉयल एनफील्ड हिमालयन 750 जल्द होगी लॉन्च

नई दिल्ली ।

शक्तिशाली और महंगी बाइक निर्माता कंपनी रॉयल एनफील्ड ने अपनी नई हिमालयन 750 से पर्दा उठा दिया है। इसे नवंबर 2026 के आखिरी सप्ताह में आयोजित होने वाले मोटोवर्स कार्यक्रम के दौरान भारतीय बाजार में लॉन्च किए जाने की उम्मीद है।

यह मोटरसाइकिल मौजूदा हिमालयन 450 से अधिक शक्तिशाली होगी, जिसमें नया 750 सीसी इंजन और लंबी दूरी की यात्रा के अनुकूल डिजाइन व खराब रास्तों पर बेहतर प्रदर्शन के लिए खास सुविधाएं दी गई हैं। रॉयल एनफील्ड हिमालयन 750 में कंपनी ने अपनी एडवेंचर मोटरसाइकिल श्रृंखला की मजबूत बनावट को बरकरार रखा है। इसमें बड़ा ईंधन टैंक, ऊंची सीट और चौड़ा ढांचा इसे पहले से अधिक दमदार रूप देता है। इसका अगला हिस्सा हिमालयन श्रृंखला की दूसरी मोटरसाइकिलों से मिलता-जुलता है, जबकि पिछले हिस्से में हिमालयन 450 जैसी डिजाइन देखने को मिलती है। इसे दोहरे रंगों के विकल्पों में पेश किया जा सकता है। इस मोटरसाइकिल की सबसे बड़ी खासियत इसका नया 750 सीसी पैरेलल-ट्विन इंजन है। कंपनी ने अभी इसकी अधिकतम शक्ति और टॉर्क के आधिकारिक आंकड़े जारी नहीं किए हैं, लेकिन जानकारों के अनुसार, यह इंजन 55 हॉर्सपावर से अधिक की शक्ति और 60 एनएम का अधिकतम टॉर्क पैदा कर सकता है। इसके साथ छह गियर वाला गियरबॉक्स मिलने की उम्मीद है, जो राजमार्गों पर लंबी दूरी तय करने और पहाड़ी रास्तों पर बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करेगा।

धनतेरस पर शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1718, निफ्टी 493 अंक उछला

मुम्बई ।



भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को धनतेरस पर भारी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इस पूरे सप्ताह बाजार में तेजी रही। इसी कारण आज भी दिन भर कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1,718.01 अंक बढ़कर 81,028.02 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 493.75 अंक बढ़कर 25,030.35 पर बंद हुआ। यह लगातार सातवां सत्र था, जब बाजार बढ़कर बंद हुआ है। इस दौरान बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 30 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 503 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है1 वहीं ये 28 अक्टूबर को 473 लाख करोड़ रुपए था। आज बाजार में सबसे अधिक तेजी निजी बैंकों के शेयरों में रही। वहीं निफ्टी प्राइवेट बैंक 3.22 के शेयर भी लाभ में रहे।

इसके अलावा निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , निफ्टी सर्विसेज , निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी फार्मा , निफ्टी कमोडिटीज , के शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मीडिया , निफ्टी इंडिया डिफेंसऔर निफ्टी एनर्जी के शेयरों में गिरावट रही। आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 157.40 अंक गिरकर 18,975.05 और निफ्टी मिडकैप 14.25 अंक की मामूली गिरावट के साथ 60,606.65 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में केवल एक शेयर में ही गिरावट रही।

एमएंडएम, आईसीआईआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा स्टील, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, सन फार्मा, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे केवल पावरग्रिड के शेयर ही नीचे आये।

बाजार में उछाल का एक मुख्य कारण विदेशी निवेशकों की वापसी रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 33 अंक चढ़कर 79,343.06 अंक पर और एनएसई निफ्टी 52.95 अंक फिसलकर 24,477.40 अंक पर रहा। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग काफी गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। अमेरिकी शेयर बाजार गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुए थे। नैस्डैक कम्पोजिट 5.52 फीसदी लुढ़क गया, एसएंडपी 500 में 4.36 फीसदी की गिरावट आई और डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 3.44 फीसदी नीचे रहा।

धनतेरस पर घर बैठे खरीदें सोना-चांदी, 78 फीसदी तक की बंपर छूट के साथ

स्विगी इंस्टामार्ट और ब्लिंकइट के धमाकेदार ऑफर्स, नामी ब्रांड्स के सिक्कों पर मिल रही बंपर बचत

नई दिल्ली ।

धनतेरस पर सोना-चांदी खरीदना बेहद शुभ माना जाता है। लेकिन इस बार आपको भीड़ भरे बाजारों में धक्के खाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। स्विगी इंस्टामार्ट और ब्लिंकइट जैसे क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने ग्राहकों के लिए एक शानदार अवसर पेश किया है, जहां आप घर बैठे ही तनिष्क, कल्याण ज्वेलर्स, मालाबार जैसे नामी ब्रांड्स के सोने-चांदी के सिक्कों पर 78 फीसदी तक की बंपर छूट का लाभ उठा सकते हैं। यह त्योहारी सीजन में ग्राहकों को सस्ती और सुविधाजनक खरीदारी का अनुभव दे रहा है। स्विगी इंस्टामार्ट पर सोने-चांदी की आकर्षक डील्स स्विगी इंस्टामार्ट ने धनतेरस को खास बनाने के लिए सोने-चांदी के सिक्कों पर जबरदस्त डील्स पेश की हैं। यहां 1 ग्राम 24 कैरेट सोने का कल्याण ज्वेलर्स फलावर डिजाइन सिक्का, जिसकी एमआरपी 26,000 रुपए है, 43 रुपए छूट के बाद सिर्फ 14,599 रुपए में उपलब्ध है। यह एक ग्राम सोने के लिए सबसे कम कीमतों में से एक है। इसके अलावा, मिया बाय तनिष्क का एक ग्राम लोटस गोल्ड कॉइन 24 रुपए की छूट पर 16,639 रुपए में और मालाबार का एक ग्राम लक्ष्मी गोल्ड कॉइन 27 फीसदी डिस्काउंट के साथ 15,879 रुपए में मिल रहा है। चांदी के सिक्कों में, कल्याण ज्वेलर्स का 10 ग्राम लक्ष्मी सिल्वर कॉइन 78 फीसदी की बंपर छूट के बाद मात्र 2,169 रुपए में खरीदा जा सकता है, जबकि जीवा और मालाबार के चांदी के सिक्कों पर भी शानदार ऑफर्स हैं।

ब्लिंकइट पर भी भारी छूट का मौका इसी तरह, ब्लिंकइट पर भी जोयालुक्कास, मुथूट एक्जिम और एमएमटीसी-पीएमएमपीएस जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड्स के 24 कैरेट सोने और 999 शुद्धता वाले चांदी के सिक्कों पर 77 रुपए तक की छूट मिल रही है।

बीते एक साल में सोने की कीमतों में 13 हजार से अधिक का उछाल

नई दिल्ली ।

धनतेरस के पावन अवसर पर सोने-चांदी की खरीदारी की परंपरा के बीच इस साल उन निवेशकों के चेहरे खिले हैं जिन्होंने पिछले वर्ष इस शुभ दिन पर सोना खरीदा था। बीते एक साल में सोने की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे निवेशकों को अच्छा-खासा मुनाफा हुआ है।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में इस वर्ष धनतेरस के आसपास 24 कैरेट सोने का दाम लगभग 1,45,650 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा, जो पिछले साल के 1,32,278 रुपये प्रति 10 ग्राम से करीब 13,372 रुपये अधिक है। यह बढ़ोतरी निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत है, हालांकि स्थानीय बाजारों में दरों में थोड़ा अंतर हो सकता है। हालांकि, वर्ष 2026 की शुरुआत में सोने ने 1,83,000 रुपये प्रति 10 ग्राम का ऐतिहासिक उच्च स्तर भी देखा था, जिसके बाद कीमतों में 18-20 फीसदी तक की गिरावट आई। इसके बावजूद, मौजूदा दरें पिछले साल की तुलना में काफी ऊपर बनी हुई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सोना दीर्घकालिक निवेश के लिए एक सुरक्षित विकल्प है, पर इसकी कीमतों में निरंतर वृद्धि की कोई निश्चित गारंटी नहीं होती।

मप्र में दिवाली पर 14,000 करोड़ तक के कारोबार का अनुमान-कैट

स्वदेशी उत्पादों की मांग और स्थानीय खरीदारी से मिलेगी अर्थव्यवस्था को गति

भोपाल ।

मध्य प्रदेश में इस साल दिवाली का त्योहार राज्य के व्यापार जगत के लिए खुशियां लेकर आने वाला है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) ने अनुमान जताया है कि इस दिवाली पर प्रदेश में 12,000 करोड़ रुपये से 14,000 करोड़ रुपये तक का रिकॉर्ड कारोबार हो सकता है। सीएआईटी के अनुसार उपभोक्ताओं की बढ़ती क्रय शक्ति, स्वदेशी उत्पादों में रुचि और स्थानीय खरीदारी को प्रोत्साहन मिलने से दिवाली से 7-10 दिन पहले बाजारों में जबरदस्त तेजी आएगी। भोपाल, इंदौर जैसे बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों और ग्रामीण बाजारों तक, हर जगह शानदार बिक्री की उम्मीद है। क्षेत्रवार आकलन में कपड़ा (2,200 करोड़ रुपये), सोना-चांदी (2,000 करोड़ रुपये) और वाहन (1,700 करोड़ रुपये) प्रमुख हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स (1,300 करोड़ रुपये) और किराना (1,100 करोड़ रुपये) में भी अच्छा व्यवसाय अपेक्षित है। पटाखों का कारोबार हालांकि पर्यावरण जागरूकता के चलते अपेक्षाकृत कम (600 करोड़ रुपये) रह सकता है। उन्होंने जनता से देश में निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता देने और स्थानीय कारोबारियों से खरीदारी की अपील की, जिससे छोटे-मध्यम उद्यमों को मजबूती मिलेगी, रोजगार बढ़ेंगे और राज्य की अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिलेगी।

धनतेरस पर गाड़ियों की बंपर बिक्री का अनुमान

नए और पुराने वाहनों की मांग जोरदार, लेकिन ई-वाहनों की आपूर्ति में आ सकती है बाधा

नई दिल्ली ।

धनतेरस पर देश का वाहन बाजार जोरदार बिक्री की उम्मीद कर रहा है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने दोपहिया, चारपहिया और वाणिज्यिक वाहनों सहित सभी श्रेणियों में मजबूत मांग का अनुमान जताया है, जिससे उत्सव के इस माहौल में बिक्री में तेजी आने की संभावना है। फाडा के अनुसार, समग्र बाजार धारणा सकारात्मक बनी हुई है और ग्राहकों का रुझान काफी उत्साहजनक है। हालांकि, उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहनों की आपूर्ति में संभावित बाधाओं का जिक्र किया, जिससे कुछ श्रेणियों में डिलीवरी प्रभावित हो सकती है। छह नवंबर को धनतेरस और आठ नवंबर को दिवाली होने के कारण, यह महीना खुदरा बिक्री के लिए एक बड़ा अवसर है। फाडा के एक सर्वेक्षण में 51 फीसदी से अधिक डीलरों ने इस महीने बिक्री बढ़ने की उम्मीद जताई है। पुरानी कारों का बाजार भी पीछे नहीं है, जहां मांग आपूर्ति से अधिक बनी हुई है। कार्स24 के एक अधिकारी ने बताया कि नवरात्र में उनकी बिक्री सालाना आधार पर 58 फीसदी बढ़ी और धनतेरस पर यह सामान्य दिनों की तुलना में तीन से चार गुना होने का अनुमान है। हालांकि, फाडा ने पिछले साल की धनतेरस बिक्री से तुलना करने के प्रति आगाह किया है, जब जीएसटी दरों में कटौती और दबी हुई मांग के कारण असाधारण वृद्धि देखी गई थी। इस बार, उद्योग स्वाभाविक मजबूत मांग और सकारात्मक उपभोक्ता भावना के दम पर बिक्री में उछाल की उम्मीद कर रहा है।

वाहन खुदरा बिक्री अक्टूबर में 23.8 फीसदी घटकर 31.72 लाख इकाई रही-फाडा

त्योहारों के कैलेंडर ने बिगाड़ी अक्टूबर की वाहन बिक्री, पर जमीनी मांग मजबूत

नई दिल्ली ।

देश में अक्टूबर महीने में वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर 23.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के आंकड़ों के अनुसार, कुल 31.72 लाख से अधिक इकाइयां बिकीं। हालांकि, फाडा ने इस गिरावट को त्योहारों के कैलेंडर का परिणाम बताया है, जहां पिछले साल की तुलना में इस साल धनतेरस और दिवाली नवंबर में पड़ने के कारण बिक्री प्रभावित हुई, जबकि असल में मांग मजबूत बनी हुई है। फाडा के एक अे धिकारी ने स्पष्ट किया कि अक्टूबर भारत में साल का सबसे बड़ा खुदरा बिक्री वाला महीना होता है। उन्होंने बताया कि पिछले साल अक्टूबर में नवरात्र और दीपावली दोनों एक साथ पड़े थे, साथ ही जीएसटी दरों में कटौती के बाद दबी हुई मांग भी सामने आई थी, जिससे वह महीना असाधारण रहा। इस साल नवरात्र अक्टूबर में रहे, जबकि धनतेरस और दिवाली नवंबर में शिफ्ट हो गए, जिससे आंकड़ों में गिरावट दिख रही है। अक्टूबर में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 28.35 प्रतिशत घटकर 23.21 लाख इकाई रह गई, जबकि यात्री वाहनों की बिक्री भी 4.23 प्रतिशत फिसलकर 5.08 लाख इकाई पर आ गई। ग्रामीण क्षेत्रों में दोपहिया वाहनों की बिक्री में 33.97 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 20.77 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। इसके विपरीत, कई सेगमेंट में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 2.29 प्रतिशत बढ़कर 1.15 लाख इकाई, तिपहिया वाहनों की बिक्री 3.97 प्रतिशत बढ़कर 1.41 लाख इकाई और ट्रैक्टरों की बिक्री 3.10 प्रतिशत बढ़कर 79,285 इकाई रही। फाडा के अनुसार, वाणिज्यिक वाहन, तिपहिया और ट्रैक्टर तीनों ही सेगमेंट ने अक्टूबर में अब तक की सर्वाधिक बिक्री दर्ज की है।

अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट से आम आदमी का रिटायरमेंट फंड भी संकट में

डोनाल्ड ट्रंप की हार का जश्न मनाने के तुरंत बाद नैस्डैक में आई इस ऐतिहासिक गिरावट

वाशिंगटन ।

अमेरिकी शेयर बाजार में हाल ही में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिसने न केवल एलन मस्क जैसे अरबपतियों को अरबों डॉलर का नुकसान पहुंचाया, बल्कि लाखों आम अमेरिकियों की रिटायरमेंट सेविंग्स पर भी सीधा असर डाला। डोनाल्ड ट्रंप की हार का जश्न मनाने के तुरंत बाद नैस्डैक में आई इस ऐतिहासिक गिरावट ने 401(के) नामक अमेरिकी रिटायरमेंट फंड की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने इस क्रैश का ठीकरा डेमोक्रेट्स पर फोड़ते हुए 401(के) फंड पर इसके प्रभाव को उजागर किया, जिससे आम नौकरीपेशा अमेरिकियों के बुढ़ापे के सहारे पर सवाल खड़े हो गए हैं।

बाजार में भूचाल और ट्रंप का वार- अमेरिकी शेयर बाजार का तकनीकी सूचकांक नैस्डैक अपने ऊपरी स्तरों से 10 फीसदी से अधिक और एक ही दिन में 6 फीसदी लुढ़क गया, जो मार्च 2020 के बाद की सबसे बड़ी एकदिवसीय गिरावट है। इस झटके से अरबपतियों की संपत्ति स्वाहा हुई, लेकिन इसका असर अमेरिका के लाखों आम नौकरीपेशा लोगों की बुढ़ापे के लिए जोड़ी गई बचत पर भी पड़ा। डोनाल्ड ट्रंप ने इस गिरावट को डेमोक्रेट्स और चुनाव नतीजों से जोड़ते हुए खास तौर पर 401(के) का जिक्र किया, जिससे यह सवाल उठा कि आम आदमी की पेंशन कैसे प्रभावित हुई। क्या है 401(द्य) और क्यों जुड़ा है बाजार से? 401(के) अमेरिका में नौकरीपेशा लोगों के लिए एक रिटायरमेंट बचत योजना है, जिसे भारत के ईपीएफ या एनपीएस के समान समझा जा सकता है। इसमें कर्मचारी अपनी मासिक सैलरी का एक हिस्सा जमा करते हैं और कई कंपनियां भी इसमें योगदान करती हैं। इस फंड की खास बात यह है कि कर्मचारी को यह पैसा शेयर बाजार से जुड़े फंड्स, बॉन्ड्स या अन्य विकल्पों में निवेश करने का विकल्प मिलता है।

इंडिया-नेपाल:एशिया कप:

सहवाग के बेटे आर्यवीर का तूफान

• भारतीय टीम की धमाकेदार शुरुआत, नेपाल को 10 विकेट से रौंदा



नई दिल्ली, एजेंसी। एसीसी मेन्स अंडर-19 एशिया कप 2026 में शुक्रवार (6 नवंबर) को भारत और नेपाल के बीच मुकाबला खेला गया. अल अमेरात के अल अमरत क्रिकेट ग्राउंड (मिनिस्ट्री टर्फ 1) में आयोजित मुकाबले में भारतीय टीम ने 10 विकेट से जीत हासिल की. भारतीय टीम को जीत के लिए 129 रनों का टारगेट मिला था, जिसे उसने 19.1 ओवरों में ही हासिल कर लिया. अब भारत का सामना 8 अक्टूबर को पाकिस्तान से होगा. रनचेज में भारतीय टीम के लिए वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने तूफानी बैटिंग की. आर्यवीर ने 52 बॉल पर नाबाद 70 रन बनाए, जिसमें सात चौके और 4 छक्के शामिल रहे. आर्यवीर ने पहले तो नजरें जमाईं. फिर बड़े शॉट्स खेले. देखते ही देखते ही आर्यवीर सहवाग ने 34 बॉल पर फिफ्टी पूरी कर ली. आर्यवीर ने अभय यादव की गेंद पर छक्का लगाकर ये उपलब्धि हासिल की. आर्यवीर सहवाग का साथ कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने बखूबी दिया. लक्ष्य ने 63 गेंदों पर नाबाद 53 रन बनाए, जिसमें सात चौके शामिल रहे. आर्यवीर और लक्ष्य के सामने नेपाली गेंदबाज बेबस नजर आए.

ईशान ने गेंद से काटा गदर

मुकाबले में टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए नेपाल की पूरी टीम 42.3 ओवरों में 128 रनों पर ढेर हो गई. नेपाल के लिए सबसे ज्यादा रन दर्श सोनार ने बनाए. दर्श ने 1 चौके और 1 सिक्स की मदद से 93 बॉल पर 43 रनों का योगदान दिया. वहीं आशीष लुहार ने 45 बॉल पर 29 रनों की पारी खेली, जिसमें चार चौके शामिल रहे. दर्श और आशीष के बीच पांचवें विकेट के लिए 45 रनों की साझेदारी हुई. इन दोनों के अलावा सलामी बल्लेबाज नीरज कुमार यादव (20 रन) ही दोहरे अंकों तक पहुंच सके. भारतीय टीम के लिए ईशान सूद ने 18 रन देकर तीन विकेट झटके. वहीं स्पिनर अर्जुन राजपूत ने भी तीन सफलताएं हासिल कीं. उधर यशवीर गौड़ को दो विकेट हासिल हुए. जबकि काव्या चौहान और मनाल पटेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया.

माइकल हसी को ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट में मिली बड़ी जिम्मेदारी, टी20 फॉर्मेट पर होगा फोकस



नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने पूर्व बल्लेबाज माइकल हसी को 2027 एशेज और वनडे विश्व कप के लिए कोचिंग कंसल्टेंट नियुक्त किया है। इसके अलावा, हसी को लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टी20 सलाहकार बनाया है। हसी ने पिछले कुछ सालों में ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड के साथ कभी-कभी काम किया है। खासकर वह प्रतिवर्ष पर्थ टेस्ट से पहले एक अतिरिक्त बैटिंग कंसल्टेंट के तौर पर ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ जुड़ते हैं। वह अपनी कमेंट्री भूमिकाओं और आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और द हंड्रेड में वेल्श फायर की कोचिंग टीम का हिस्सा होने की वजह से ऑस्ट्रेलिया के लिए बतौर कोच लंबा समय नहीं दे सके हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक सीएसके में हसी के साथ काम करने वाले स्टीफन फ्लेमिंग जब न्यूजीलैंड टेस्ट टीम के हेड कोच बने, तो उन्होंने हसी को अपनी कोचिंग टीम के साथ जुड़ने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन इस प्रस्ताव को इस पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने स्वीकार नहीं किया था। हसी कोचिंग कंसल्टेंट के तौर पर ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना कार्य इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से शुरू करेंगे। इसके बाद पर्थ में न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज की तैयारी में ऑस्ट्रेलिया की मदद करेंगे। इस मौके पर माइकल हसी ने कहा, 'मैं आने वाले वर्षों में टीम के लिए ज्यादा आधिकारिक और अर्थपूर्ण रोल निभाने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। इस टीम ने पिछले कुछ समय में बहुत कुछ हासिल किया है। मुझे उम्मीद है कि मैं इस रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय से पहले कोचिंग और प्लेइंग ग्रुप्स का मूल्य बढ़ा पाऊंगा। ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच मैकडोनाल्ड ने कहा, 'माइक पहले भी हमारे स्टाफ का एक बहुत अहम हिस्सा रहे हैं और उनके पास काफी स्किल सेट है जो कोच और खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद है। एक खिलाड़ी और कोच के तौर पर कई फॉर्मेट, कॉम्पिटिशन, देशों में उनकी विशेषज्ञता ही नहीं, बल्कि एक इंसान के तौर पर उनकी क्षमता भी बहुत कीमती है। हसी का मुख्य फोकस टी20 पर होगा। वह 2022 में टी20 विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड कोचिंग टीम का हिस्सा रहे हैं। मैकडोनाल्ड इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज से आराम करने वाले हैं। उनकी जगह मुख्य कोच की जिम्मेदारी आंद्रे बोरोवेक संभालेंगे। हसी, बोरोवेक के साथ इंग्लैंड के खिलाफ एक युवा ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए अपनी कंसल्टेंसी शुरू करेंगे। ऑस्ट्रेलिया की नेशनल टीमों के हेड बेन ओलिवर ने कहा, 'माइक के पास टी20 का बहुत ज्यादा अनुभव है और हम 2028 में एलए ओलंपिक और टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी के दौरान टीम पर उनके असर का इंतजार कर रहे हैं।' मिस्टर क्रिकेट के नाम से मशहूर माइकल हसी की गिनती ऑस्ट्रेलिया के लिए खेले बेहतरीन मध्यक्रम बल्लेबाजों में होती है। 51 साल के हसी ने 2004 से 2013 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए 79 टेस्ट में 19 शतक और 29 अर्धशतक की मदद से 6,235 रन, 185 वनडे में 3 शतक और 39 अर्धशतक की मदद से 5,442 रन और 38 टी20 में 4 अर्धशतक लगाते हुए 721 रन बनाए। 37 साल की उम्र में 2013 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद से वह लंबे समय तक आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की कोचिंग टीम का हिस्सा रहे हैं।

सिराज इन, आकिब आऊट

वेलिंगटन वनडे में बदलेगी टीम इंडिया की प्लेइंग-11



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला शनिवार (7 नवंबर) को वेलिंगटन के हेनरी स्टेडियम में खेला जाना है. भारतीय समयानुसार ये मुकाबला सुबह 7.30 बजे शुरू होगा, पहला मैच जीतकर टीम इंडिया सीरीज में 1-0 से आगे है. अब शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम की कोशिश जीत का सिलसिला बरकरार रखने की होगी. इस मुकाबले के लिए भारत की प्लेइंग-11 में एक बदलाव देखने को मिल सकता है. अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को मौका मिल सकता है, जबकि आकिब नबी को बाहर बैठना पड़ सकता है. सिराज पहले मुकाबले में सेलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं थे.

अब वो टीम के साथ जुड़ चुके हैं. सिराज की वापसी से भारतीय पेस अटैक को और मजबूती मिलेगी. ओपनिंग में रोहित शर्मा और शुभमन गिल पर बड़ी जिम्मेदारी रहेगी. पहले वनडे में रोहित बिना खाता खोले आउट हो गए थे, लेकिन टीम मैनेजमेंट

उन्हें एक और मौका दे सकता है. गिल भी कप्तानी पारी खेलकर शीर्ष क्रम को मजबूती देना चाहेंगे. तीसरे नंबर पर विराट कोहली उतरेंगे. उन्होंने पहले मुकाबले में 51 गेंदों पर 74 रन बनाकर भारत की जीत में अहम योगदान दिया था. चौथे नंबर पर श्रेयस अय्यर को मौका मिल सकता है. वह पिछले मैच में अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए थे. मध्यक्रम में अक्षर पटेल को पांचवें नंबर पर उतारा जा सकता है. इससे केएल राहुल छठे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं और विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी संभालेंगे. नमन धीर निचले मध्यक्रम में टीम को मजबूती दे सकते हैं.

वेलिंगटन की पिच पर तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है. पहले वनडे में अर्शदीप सिंह, अंशुल कम्बोज और गुरनूर बरार ने अच्छा प्रदर्शन किया था. इन तीनों को फिर मौका मिल सकता है. उधर आकिब नबी छह ओवर में 33 रन देने के बावजूद कोई विकेट हासिल नहीं कर सके थे. ऐसे में उनकी प्लेइंग-11 से छुट्टी तय दिख रही है. मोहम्मद सिराज नई गेंद से विकेट निकालने के साथ अपने अनुभव का फायदा भी दे सकते हैं.

हेनरी की वापसी से न्यूजीलैंड को मिला बूस्ट

उधर, न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे कन्कशन के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो चुके हैं. उनकी जगह निक केली को टीम में शामिल किया गया है. न्यूजीलैंड के लिए अच्छी बात यह है कि स्टार तेज गेंदबाज मैट हेनरी फिट है और उनकी प्लेइंग-11 में वापसी होनी तय है. ऐसे में ब्लेयर टिकनर को बाहर बैठना पड़ सकता है.

दूसरे वनडे में भारत की संभावित प्लेइंग-11: रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नमन धीर, अंशुल कम्बोज, गुरनूर बरार, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह.

दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड की संभावित प्लेइंग-11: टिम सीफर्ट, विल यंग, हेनरी निकोल्स, डेरिल मिचेल, टॉम लैथम (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सेंटनर (कप्तान), नाथन स्मिथ, काइल जेमिसन, मैट हेनरी और जैकब डफी.

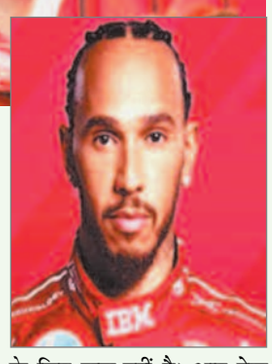
भारत बनाम न्यूजीलैंड दूसरे वनडे पर मंडराया खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच शनिवार (7 नवंबर 2026) को वेलिंगटन में खेला जाने वाला दूसरा वनडे मुकाबला भी बारिश से प्रभावित हो सकता है। ऑकलैंड में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मैच में भी बारिश ने खलल डाला था और अब वेलिंगटन में भी मौसम का मिजाज कुछ ऐसा ही रहने का अनुमान है। शुक्रवार पांच नवंबर 2026 को लगातार बारिश के कारण दोनों टीमों को अपना अभ्यास सत्र बदलना पड़ा। शनिवार को भी बारिश की आशंका जताई गई है, जिससे मुकाबले पर खतरे के बादल मंडराने लगे हैं।

भारत और न्यूजीलैंड दोनों टीमों को मैच के वेन्यू एचएनआरवाई स्टेडियम के बजाय बेसिन रिजर्व में अभ्यास करना था। वेलिंगटन में 6 नवंबर की सुबह लगातार हल्की बारिश होने के कारण न्यूजीलैंड की टीम ने अपना अभ्यास सत्र वेलिंगटन कॉलेज के इनडोर स्टेडियम में किया, जबकि भारतीय टीम ने अभ्यास रद्द कर दिया। एक्यूवेदर के अनुसार, शनिवार छह नवंबर को और बारिश होने का अनुमान है। दिन के पहले हिस्से में बारिश की 60% और दूसरे हिस्से में 55% संभावना है। ऑकलैंड में सीरीज का पहला मैच भी खराब मौसम से प्रभावित रहा था। मैच की शुरुआत 10 मिनट की देरी से हुई। बाद में भारत के लक्ष्य में भी बदलाव करना पड़ा था।

चार्ल्स लेक्लर्क से आमने-सामने बात करना चाहते हैं लुईस हैमिल्टन





साओ पाउलो, एजेंसी। फेरारी ड्राइवर लुईस हैमिल्टन साओ पाउलो ग्रैंड प्रिक्स से पहले टीम के साथी चार्ल्स लेक्लर्क से आमने-सामने बात करना चाहते हैं। मेक्सिको में टीम के अंदर हुई लड़ाई के कारण फेरारी को पक्की 1-2 जीत से हाथ धोना पड़ा था। हैमिल्टन ने मेक्सिको सिटी ग्रैंड प्रिक्स में पोल पोजीशन से शुरुआत की थी। लेकिन पहले ही लैप में लेक्लर्क के साथ हुई टक्कर में उन्होंने अपनी जगह खो दी। लेक्लर्क को ट्रैक काटने के लिए टाइम पेनल्टी मिली, जबकि हैमिल्टन ग्रिड पर मैक्स वर्स्टेपेन से भी पिछड़ गए।

नतीजा यह हुआ कि फेरारी को जीत मिलने के बजाय हार का सामना करना पड़ा। ब्राजीलियन जीपी से पहले हैमिल्टन ने कहा, 'लेक्लर्क के साथ टीम की बातचीत अभी नहीं हो पाई है। वह अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण घर वापस चले गए थे। अब वह साओ पाउलो में उनसे सीधे बात करना चाहते हैं।' हैमिल्टन ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि एक मीटिंग में सब कुछ खत्म हो जाएगा और सुलझ जाएगा, लेकिन यह जरूरी है। हम अभी जो बनाएंगे, वह हमें अगले साल के लिए सही स्थिति में रखेगा। कुछ मायनों में मुझे खुशी है कि हमें वह अनुभव मिला। बेशक, मैं चाहूंगा कि हम जीतें और 1-2 का स्कोर करें, लेकिन इससे आप सीख सकते हैं और हम और भी मजबूत हो सकते हैं।' मेक्सिको की घटना के बाद हैमिल्टन ने फेरारी के साथ गंभीर बातचीत की मांग की थी। उन्होंने कहा था, 'चार्ल्स के साथ जो हुआ, उसके बारे में मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। आप देख सकते हैं कि क्या हुआ और हम क्यों हार गए। ड्राइवर्स ब्रीफिंग में हमने चर्चा की थी कि टर्न 1 पर उतरते ही आपको अपनी पोजीशन वापस देनी होगी। पिछले साल मुझे उसी मूव के लिए 10 सेकंड की पेनल्टी मिली थी जो उसने किया था। आखिरकार, आज हम इसी वजह से जीत हार गए। हमें पर्दे के पीछे जरूर कुछ गंभीर बातचीत करनी होगी।' हैमिल्टन ने कहा, 'टीम में ऊर्जा सच में बहुत अच्छी है। मुझे लगता है कि वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। हमने पिछली कुछ रेस में बहुत अच्छा काम किया है, किसी से भी ज्यादा पॉइंट बनाए हैं। हमने सच में अपना स्तर बढ़ाया है। कुछ बदलावों के साथ हमारा एग्जिक्यूशन बेहतर रहा है। इसके लिए हम काम कर रहे थे। मैं यह देखकर बहुत खुश हूं। हमें पिछली रेस में 1-2 से हारना नहीं चाहिए था। हमें यह पक्का करने के लिए काम करना होगा कि ऐसा फिर कभी न हो। उन्होंने कहा, 'मैं टीम के लिए अपनी जिम्मेदारी 100 प्रतिशत जानता हूं। यह कभी कम नहीं हुई है और न ही कभी होगी। हैमिल्टन ब्राजील में अपना 400वां ग्रैंड प्रिक्स शुरू करेंगे। इसके साथ ही वह फर्नांडो अलोंसो के बाद 400 रेस में हिस्सा लेने वाले दूसरे ड्राइवर बन जाएंगे।

ओलंपिक मार्सिले ने

बायर लेवरकुसेन को 1-0 से हराया



बर्लिन, एजेंसी। अमीन गौरी के दूसरे हाफ में किए गए गोल की मदद से ओलंपिक मार्सिले ने गुरुवार को यूईएफए यूरोपा लीग में बायर लेवरकुसेन पर 1-0 से जीत हासिल की। मेहमान टीम ने बेएरिना में बेहतर शुरुआत की।

गौरी ने पेनल्टी एरिया के अंदर एक लंबे पास को नियंत्रित करने और अपने मार्कर से बचने के बाद शुरुआती मौका गंवा दिया, लेकिन गोलकीपर मार्क फ्लेकेन ने उसे रोक दिया। पहले हाफ में दोनों टीमों में से किसी ने भी लगातार आक्रामक खेल का प्रदर्शन नहीं किया। मेजबान टीम 42वें मिनट में गोल करने के सबसे करीब पहुंची जब मिगुएल गुटिरेज का डिफ्लेक्टेड शॉट क्रॉसबार से टकराया। इसके बाद हाफटाइम से पहले जेरेल क्वांसाह का शॉट थोड़ा वाइड चला गया। लेवरकुसेन ने और ज्यादा आक्रामक खेलना शुरू किया, लेकिन पैट्रिक शिक ने 54वें मिनट में एक शॉट बार के ऊपर से मार दिया। मार्सिले ने इगोर पैक्साओ के जरिए जवाब दिया, जिनका लॉन्ग-रेंज शॉट टारगेट से थोड़ा चूक गया। इसके बाद जेफ्री कोंडोगबिया ने दूर से शॉट मारा, जो थोड़ा बाहर चला गया।

77वें मिनट में अहम पल आया जब लेवरकुसेन ने हाफवे लाइन के पास बॉल पर नियंत्रण खो दिया। गौरी ने जगह बनाई, एडमंड टैप्सोबा के अंदर कट किया और फ्लेकेन के पार दूर कोने में एक सटीक शॉट मारा। मेजबान टीम ने कई सेट पीस के जरिए दबाव बनाना जारी रखा, लेकिन बराबरी का गोल नहीं कर पाई।

ऋषभ पंत इंडिया ए के मैच से बाहर, टेस्ट सीरीज में भी खेलना तय नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए एक बहुत बुरी खबर है. विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत का न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज में खेलना अब मुश्किल है. बाएं हाथ का ये बल्लेबाज न्यूजीलैंड ए के खिलाफ होने वाले मैच से बाहर हो गए हैं. पंत अबतक साइड स्ट्रेन से ठीक नहीं हुए हैं. पंत अभी भी बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब में हैं. माना जा रहा है कि पंत अब 19 नवंबर को होने वाले वेलिंगटन टेस्ट में भी नहीं खेल पाएंगे. अगर ऐसा हुआ तो ध्रुव जुरेल का प्लेइंग इलेवन में खेलने का रास्ता साफ हो जाएगा. टेस्ट स्पेशलिस्ट जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा दोनों टेस्ट की तैयारी के लिए न्यूजीलैंड ए के खिलाफ खेलेंगे. तिलक वर्मा भी शनिवार से लिंकन में शुरू हो रहे इस मैच में खेलते दिखेंगे. बुमराह ने न्यूजीलैंड पहुंचने के बाद से दो दिनों तक स्क्वाड के साथ ट्रेनिंग की है, जबकि जडेजा सौराष्ट्र के लिए दो रणजी ट्रॉफी मैच खेलने के बाद इस सीरीज में आ रहे हैं, जिसमें उन्होंने कुल सात विकेट लिए और एक सेंचुरी बनाई.

ध्रुव जुरेल ही इंडिया ए की कप्तानी करेंगे. इस मैच में नीतीश कुमार रेड्डी भी खेलेंगे. इस बीच प्रसिद्ध कृष्णा के भी खेलने की संभावना है क्योंकि वो पिछले तीन हफ्ते तक हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के बाद रिहैबिलिटेशन से गुजरने के बाद मैच फिटनेस हासिल करना चाहते हैं.

रोहित शर्मा और विराट कोहली की गेम को समझने की क्षमता शानदार: फील्डिंग कोच



वेलिंगटन, एजेंसी। भारत के फील्डिंग कोच शुभदीप घोष ने सीनियर बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा की अंदाजा लगाने और खेल को समझने की काबिलियत की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि खास जगहों पर फील्डिंग करने का उनका अनुभव उन्हें दूसरों से बेहतर बनाता है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे से पहले घोष ने बताया कि कैसे कोहली को कवर और पॉइंट जैसी जगहों की अच्छी जानकारी होने से उन्हें गेंद की दिशा पहले समझने में मदद मिलती है, जबकि रोहित के अंदाजे ने सीरीज के पहले मैच में डेरिल मिशेल के रन-आउट होने में अहम भूमिका निभाई। घोष ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'विराट ने कवर और पॉइंट पर कई बार फील्डिंग की है, इसलिए उन्हें गेंद की दिशा और रास्ता पता है, साथ ही यह भी पता है कि गेंद टकराने के बाद कैसे जाएगी। वह दूसरों की तुलना में स्थिति को थोड़ा पहले समझ लेते हैं, और आप उनके काम करने के तरीके में यह देख सकते हैं।'

शुभदीप ने पहले वनडे में मिचेल के आउट होने के दौरान रोहित की अवेयरनेस और तेज मूवमेंट पर भी जोर दिया। रोहित ने मिचेल को रन आउट किया था। उन्होंने कहा, 'जहां तक रोहित की बात है, मुझे लगता है कि उन्होंने उस रन-आउट के दौरान अंदाजा लगा लिया था कि गेंद स्क्वायर लेग की तरफ जाएगी। वह सीधे नहीं चल रहे थे। वह पहले से ही थोड़ा स्क्वायर लेग की तरफ जा रहे थे। उस शुरुआती अंदाजे ने उन्हें स्किल को पूरी तरह से करने में मदद की। अंदाजा लगाना फील्डिंग के सबसे जरूरी पहलुओं में से एक है।' शुभदीप ने कहा, 'हमने पहले वनडे में अच्छा किया। हमने कुछ अच्छे कैच लिए, विकेट लिए और बेहतरीन ग्राउंड फील्डिंग से इसे सपोर्ट किया। इंटेंसिटी बहुत अच्छी थी। जब आप विरोधी टीम को लगभग 180 रन पर रोकते हैं, तो यह न केवल अच्छी गेंदबाजी बल्कि क्वालिटी फील्डिंग को भी दिखाता है।

अलग-अलग कंडीशन में ढलने की चुनौती

फील्डिंग कोच ने विदेशी दौरों के दौरान अलग-अलग कंडीशन में ढलने की चुनौतियों के बारे में भी बात की, और बताया कि मैदान के आकार, मौसम और बाउंड्री की जगह के लिए खिलाड़ियों को अलर्ट रहने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, 'जब आप अलग-अलग देशों में जाते हैं, तो नई कंडीशन में ढलना हमेशा एक चुनौती होती है। ग्राउंड के आकार अलग-अलग होते हैं, और मौसम ठंडा हो सकता है, और ये ऐसी बातें हैं जिन पर हम ड्रेसिंग रूम में नियमित बात करते हैं।'

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-5-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

मनोविनोद बढ़ेंगे। व्यायाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-4-6-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। शुभांक-4-6-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-7-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-3-5-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-2-6-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-3-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-4-6-7

मकर — मे जा जी खी खू खे खो गा गी

लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-3-5-6

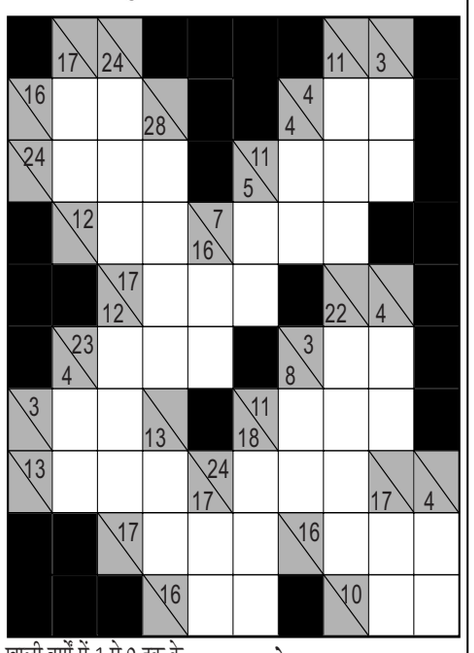
कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

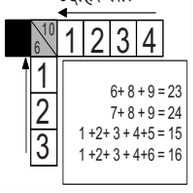
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 4062

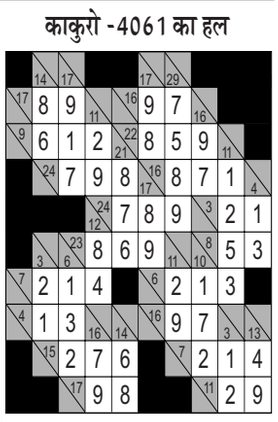


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो -4061 का हल



हंसी के फव्वारें

एक पागलखाने में एक दर्शक का गाइड ने बताया-'यह जो पागल आपके सामने खड़ा है, इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसे उस लड़की ने ठुकरा दिया, जिसे वह प्यार करता था.'

'और वह!' दर्शक ने एक अन्य पागल की तरफ इशारा करते हुए पूछा.

'ओह !' गाइड बोला-'इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसने उसी लड़की से विवाह कर लिया.

□ □ □

पहला-'पत्नी हर जन्म में वही पति क्यों पाना चाहती है?'

दूसरा-ताकि उस पति को सुधारने का परिश्रम बेकार न चला जाए.

□ □ □

'दुर्लभ पुस्तक किसे कहते हैं ?'

'जिसे पढ़कर सगे संबंधी, मित्र और पड़ोसी सुरक्षित लौटा दें.'

□ □ □

बाजार से आते ही मालकिन नौकरानी पर बिगड़ गई-''कल से तू काम पर मत आना!''

''जी ! क्या बात हो गई ?''

''जब मैं बाजार गई थी तो तेरे हाथ में चार चूड़ियां थीं, अब दो ही रह गई हैं.''

''जी. वह काम करने में टूट गई !''

''वह तो ठीक है. मगर पलंग पर तू क्या काम करने गई थी?''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 4062

1	2		3		■	4		5	
6		■		■	7		■		■
■	8	9		■		■	10		
11	■		■	12		13	■		■
14	15		16	■	17			■	18
19		■	20		■		■	21	
	■	22		■	23		24	■	
■	25		■	26		■	27		
28	■	29		■	■	30		■	■
31			■	32		■	33		

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगू ना बहार मांगू' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4061

रत्रि	शु	ल	■	ग	दा	र	■	धा	■
दे	■	गा	य	ब	■	ह	म	श	ज
व	च	न	■	न	ग	मा	■	वी	रू
■	र	■	घ	■	ज	न	म	■	र
ती	स	री	मं	जि	ल	■	दा	व	त
स	■	■	डी	■	■	नू	री	■	■
श	जा	जी	■	अ	मृ	त	■	प	■
कौ	न	■	■	प	■	न	व	रं	ग
न	■	अ	नु	ग	ग	■	■	प	■
■	जु	म्मा	■	ध	■	अ	प	ग	ध

शब्द पहेली - 4062

1		2	3	4	■	5	6	7		8
	■	9			■	10			■	
11	12	■	■		■		■	■	13	
14		■	15		16		17	■	18	
19				■		■	20			
■	■	■	21		■	22		■	■	■
23	24			■	25	■	26		27	28
29		■	30	31		32		■	33	
34		■	■		■		■	■	35	
	■	36	37			38	39	40	■	
41					■	42				

बाएँ से दाएँ
1.यश प्राप्त करना-5
5.चतुर, जहीन-5
9.दया, तरस-3
10.कामदेव-3
11.लीन, तल्लीन-2
13.बोली, आवाज-2
14.राजदुर्वा-2
15.एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18.मत, सलाह-2
19.जो लायक न हो-4
20.अधीनस्थ-4
21.कहानी, गाथा-2
22.श्रवणेंद्रिय-2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा-4
26.दान देने वाला-4
29.वरदान, दूल्हा-2
30.पत्नी का नाना-2,3
33.सूर्य, दिनकर-2
34.भीगा हुआ-2
35.सुर आलाप-2
36.फूलों का रस,अर्क-3
38.तरंग, हिलोर-3
41.जरुरतमंद-5
42.सेंधमार-5

ऊपर से नीचे
1.नामकरण-5
2.टैक्स,हाथ-2
3.महीना, मास-2
4.नामवर, प्रसिद्ध-4
5.संधि, सामंजस्य-4
6.सरुर, नशा-2
7.झंकार-2
8.रमण योग्य-5
12.तगारी, नांद-3
13.सुअर-3
15.अभिमान मर्दित होना -2,3
16.समाप्त-2
17.नेकनीयत-5
23.हनुमान-3,2
24.मुलायम-3
25.उम्मीद, आशा-2
27.बहादुरी-3
28.शिव, रविलोचन-2,3
31.नामचीन-4
32.सुसंचालन-4
36.चेहरे का तेज, दर्प-2
37.रिश्तेदार-2
39.अधिकार-2
40.ईश्वर, भगवान-2

शब्द पहेली -4061 का हल

सा	ल	■	च	ला	■	य	म	■	श	र
या	■	क	ल	■	जो	श	■	जा	य	ज
■	कि	द	■	श	र	■	का	न	न	■
न	दी	■	खे	मा	■	खा	ल	ना	■	जा
म	■	जा	ल	■	का	य	र	■	ता	ल
■	मा	न	■	र	म	ल	■	खा	ला	■
का	या	■	धी	न	ना	■	रा	म	■	सी
र	■	क	ह	र	■	शो	र	■	था	धा
■	की	च	इ	■	सा	ला	■	री	त	■
क	म	रा	■	ख	र	■	सी	ता	■	द
म	ल	■	जी	ल	■	मा	मा	■	दा	म

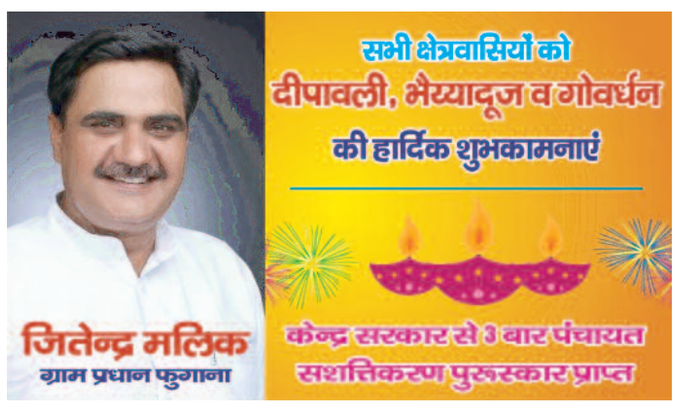






सभी क्षेत्रवासियों को दीपावली, भैय्यादूज व गोवर्धन की हार्दिक शुभकामनाएं
सांवरिया स्वीट्स बुढ़ाना
(देशी घी की प्रसिद्ध बालुशाही)
सांवरिया फ्यूल्स बुढ़ाना
(डीजल, पेट्रोल व मोबिल ऑयल की शत प्रतिशत शुद्धता व माप की पुरी गांरटी)
सांवरिया क्लॉथ स्टोर बडा बाजार, बुढ़ाना
(शूटिंग-शर्टिंग व साड़ियों के विक्रेता)
सदैव आप सभी के प्यार एवं सहयोग के आकांक्षी
गोयल ब्रदर्स, बुढ़ाना







RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W	DISPLAY COLOR
Rs. 750/-	Rs. 750/- + 50% Extra
(Per Sq. cm)	(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY	CLASSIFIED Run On words
Rs. 75/-	Rs. 15/-
(Per Sq. cm)	(Per Word)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.	Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words



Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/



आनंद सर को मुझ पर भरोसा था, उन्होंने मुझे खुलकर काम करने और प्रयोग करने की आजादी दी

आलिया भट्ट की 'डोंट बी शाय' से डेब्यू करने वाले अंश दुग्गल अब आनंद एल राय की फिल्म में सोलो लीड हैं। मॉडलिंग से एक्टिंग तक के सफर, छोड़े गए प्रोजेक्ट्स और 'नखरेवाली' के मैसेज पर हुई खास बातचीत...

सोलो लीड फिल्म मिलने में 7-8 साल लगे। इस दौरान कितने प्रोजेक्ट्स छूटे?

'नखरेवाली' मुझे 2023-24 के दौरान ऑफर हुई थी। इस सफर में हर साल कम से कम एक अच्छा प्रोजेक्ट छोड़ना पड़ा, क्योंकि मैं सोलो लीड के तौर पर पहचान बनाना चाहता था। फैसला जोखिम भरा था, लेकिन भरोसा था कि कुछ अच्छा होगा। प्रोजेक्ट्स के नाम अभी नहीं बता सकता।

आपका किरदार मजनू से लैला की स्थिति में पहुंचता है। क्या वजह रही?

मेरा किरदार मानता है कि लड़कियों के लिए कुछ चीजें आसान हैं। हीरोइन उसे चुनौती देती है कि अगर ऐसा लगता है तो दिल्ली जैसे शहर में लड़की बनकर रहकर दिखाए। इसके बाद उसे लैला की स्थिति में आना पड़ता है। हम कॉमेडी के जरिए दिखाना चाहते हैं कि पितृसत्तात्मक सोच वाले परिवार से आने वाले लड़के को लड़की की चुनौतियों का कुछ अंदाजा कैसे होता है।

आनंद एल राय के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

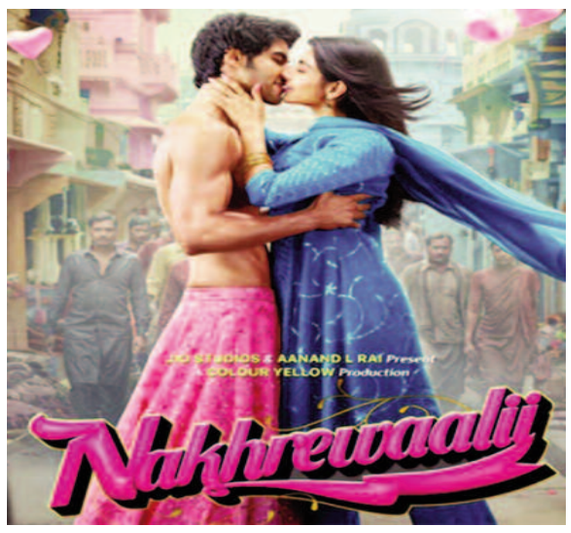
आनंद सर ने कहा कि उन्होंने मुझे फिल्म में लिया है क्योंकि उन्हें मुझ पर भरोसा है। उन्होंने मुझे खुलकर काम करने और प्रयोग करने की आजादी दी। कॉमेडी में यह बहुत जरूरी है। पता हो कि पीछे आनंद एल राय जैसे फिल्ममेकर हैं, तो कलाकार अपने काम को लेकर सहज रहता है। हमने सेट पर खूब मस्ती की और प्यार से फिल्म बनाई।

आलिया भट्ट के प्रोडक्शन में काम करने का अनुभव कैसा रहा था?

आलिया फिल्म के लगभग हर पहलू से जुड़ी थीं। कास्टिंग, स्क्रिप्टिंग, पोस्टर और प्रमोशन तक उनकी भागीदारी रही। उन्होंने कभी यह महसूस नहीं होने दिया कि वह प्रोड्यूसर हैं और हम नए कलाकार। उन्होंने हम पर भरोसा किया और पूरी टीम का उद्देश्य फिल्म को अच्छा बनाना था। आगे उनके प्रोडक्शन हाउस के साथ काम करने का मौका मिला तो खुशी होगी।

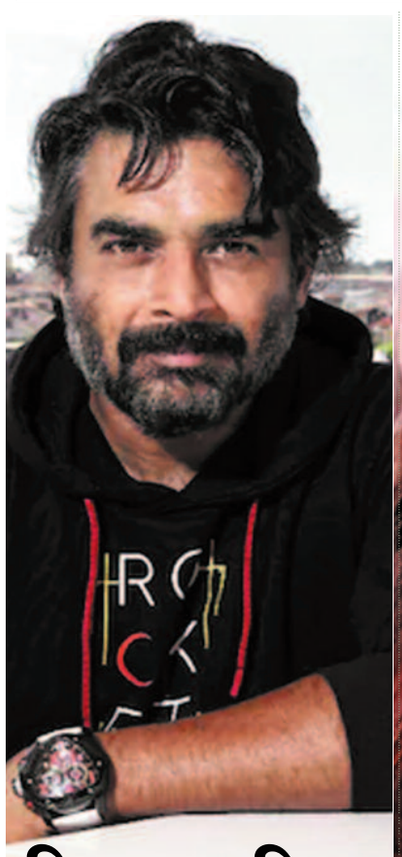
दिल्ली से मुंबई आने और एक्टिंग में करियर बनाने की शुरुआत कैसे हुई?

मैं दिल्ली के पश्चिम विहार से हूं। परिवार का फिल्म इंडस्ट्री से कोई संबंध नहीं है। बचपन में शर्मीला था और एक्टिंग का सपना भी नहीं था। कॉलेज में कुछ अलग करने की इच्छा हुई तो जिम और मॉडलिंग शुरू की। दोस्तों के साथ ऑडिशन देने गया, एक पेजेंट में हिस्सा लिया और जीतने के बाद मुंबई आने का मौका मिला। दादाजी मुझे हमेशा हीरो कहते थे और चाहते थे कि मैं कुछ बड़ा करूं। उनका सपोर्ट भी मेरे लिए अहम रहा।



मॉडलिंग में कामयाबी मिलने के बाद एक्टिंग की ओर क्यों आए थे?

मुंबई में शुरुआती दो-तीन साल अच्छे रहे। बड़े शोज और कमर्शियल्स किए, लेकिन धीरे-धीरे लगा कि मुझे कुछ और करना है। एक्टिंग क्लासेज और वर्कशॉप शुरू कीं। किरदारों के साथ काम करने का अनुभव पसंद आया और समझ आया कि यही करना है। मैं अच्छा एक्टर भी बनना चाहता था और हीरो भी।



विशाल फुरिया के साथ हॉरर फिल्म करेंगे आर माधवन

आर माधवन ऐसे अभिनेता हैं जो हर तरह के किरदार निभाते हैं। खास बात यह है कि वह हर किरदार में पूरी तरह से ढल जाते हैं। उन्होंने फिल्म 'शैतान' में अपने अभिनय से दर्शकों के रोंगटे खड़े कर दिए थे। अब वह विशाल फुरिया की अपकमिंग फिल्म के साथ हॉरर जॉनर में वापसी करने जा रहे हैं। माधवन के साथ काम करने पर विशाल ने कहा, 'माधवन सर हमेशा से मेरी पहली और इकलौती पसंद थे। मैं बहुत खुश हूं कि वह इस प्रोजेक्ट से जुड़ गए हैं। उन्होंने अभी से फिल्म की दुनिया में ढलना शुरू कर दिया है। वह कल्ट क्लासिक भारतीय हॉरर फिल्म '13बी' के असली हॉरर स्टार हैं। यह मेरी अब तक की पसंदीदा फिल्मों में से एक है। उनका अनुभव और गंभीर हॉरर की उनकी समझ बहुत ही खास है। इस फिल्म के लिए मुझे उनसे बेहतर कोई और नहीं सूझा।'

खास फिल्म बनाना चाहते हैं विशाल

उन्होंने आगे कहा, 'माधवन सर के पास एक लेखक, निर्देशक और निर्माता के रूप में वर्षों का अनुभव है, इसलिए इस फिल्म में उनका हमारे साथ होना वाकई बहुत खास है। हम मिलकर कुछ ऐसा बनाना चाहते हैं जो दर्शकों ने भारतीय हॉरर फिल्मों में पहले कभी न देखा हो। एक ऐसा डर जो सीधे उनके रोंगटे खड़े कर दे!' अभी तक बिना नाम वाली इस फिल्म के बारे में बाकी जानकारी का इंतजार है। इस प्रोजेक्ट को रोहित रंजन के 'फ्रॉस्टलिट प्रोडक्शन लिमिटेड' के बैनर तले प्रोड्यूस किया जाएगा। फिल्म शैतान 8 मार्च 2024 को रिलीज हुई थी। इसमें अजय देवगन, आर माधवन और ज्योतिका थीं। आर माधवन ने इसमें खलनायक वनराज का किरदार निभाया था।

विशाल फुरिया की फिल्में

विशाल फुरिया मुख्य रूप से काजोल अभिनीत फिल्म 'मां' को निर्देशित करने के लिए जाने जाते हैं। इसमें काजोल, इंद्रनील सेनगुप्ता और खेरिन शर्मा शर्मा थे। 65 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने भारत में सिर्फ 36.27 करोड़ रुपये कमाए थे। विशाल फुरिया ने नुसरत भरुचा की फिल्म 'छोरी' का भी निर्देशन किया था।



सत्यवान सावित्री में वकील बनीं कीर्ति, माइस्किन के किरदार से होगी टक्कर

कीर्ति सुरेश की आने वाली फिल्म 'सत्यवान सावित्री' का टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म में कीर्ति के साथ एक्टर और निर्देशक माइस्किन भी लीड रोल में नजर आएंगे। टीजर में कीर्ति एक ऐसी युवा वकील की भूमिका में दिखाई दे रही हैं, जो अपने करियर में आगे बढ़ना चाहती हैं। इस दौरान उनका सामना एक अनुभवी और वरिष्ठ वकील से होता है। दोनों के बीच विचारों का टकराव कहानी का अहम हिस्सा नजर आ रहा है। फिल्म के करीब एक मिनट 19 सेकंड के टीजर में कीर्ति के किरदार सावित्री की झलक दिखाई गई है। वह एक युवा और महत्वाकांक्षी वकील हैं, जो अपने काम में आगे बढ़ना चाहती हैं। उनका सपना एक सफल वकील बनने का है, लेकिन इस रास्ते में उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। फिल्म में उनका सामना मार्कंडेय नाम के वरिष्ठ वकील से होता है, जिसका किरदार माइस्किन ने निभाया है। फिल्म में माइस्किन एक वरिष्ठ वकील मार्कंडेय की भूमिका निभा रहे हैं। 'सत्यवान सावित्री' का लेखन और निर्देशन प्रवीण एस. विजय ने किया है। यह फिल्म 20 नवंबर को रिलीज होगी।



फिल्म इंडस्ट्री में बदलाव पर श्रद्धा कपूर ने दिया बयान

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की अपकमिंग फिल्म 'ईठा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म में श्रद्धा कपूर बिल्कुल अलग अवतार में नजर आ रही हैं। आज ट्रेलर लॉन्च इवेंट में श्रद्धा ने फिल्मों खुलासा किया कि क्यों उन्होंने इस फिल्म के लिए हां किया साथ ही बॉलीवुड में फिल्मों की कहानी को लेकर अपनी राय रखी।

ट्रेलर लॉन्च इवेंट में श्रद्धा ने बॉलीवुड में फिल्मों की कहानी को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, 'हमारी इंडस्ट्री को अच्छी कहानी की जरूरत है। इस तरह की फिल्में बननी चाहिए। मुझे लगता है कि ये बहुत छोटी सोच होती है। हमें इंडस्ट्री के बारे में सोचना चाहिए कि हम इंडस्ट्री को आगे कैसे बढ़ा सकते हैं। जब हम सब ऐसा सोचेंगे ना, तब हमारी इंडस्ट्री बहुत आगे बड़ी हो जाएगी।' श्रद्धा ने कहा कि वह इस बात से बेहद खुश हैं कि उन्हें 'ईठा' जैसी फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला। उन्होंने 'छावा' के बाद एक अलग विषय चुनने के लिए निर्देशक लक्ष्मण उतेकर की तारीफ भी की। उन्होंने कहा, 'जाहिर सी बात है कि मैं बहुत खुश हूं कि मुझे इस तरह की फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला। 'छावा' के बाद लक्ष्मण सर के लिए सबसे आसान होता कि वह एक और योद्धा पर आधारित फिल्म बनाते। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। मैंने उनसे इस बारे में पूछा भी था। तब उन्होंने मुझसे कहा, 'मैं एक अलग दुनिया दिखाना चाहता हूं।' मुझे लगता है कि उन्होंने बहुत शानदार फैसला लिया है।'

फिल्म में श्रद्धा कपूर के साथ रणदीप हुड्डा अहम भूमिका में हैं। इसके अलावा रणदीप फिल्म में अन्ना सावंत मर्चेंट का किरदार निभा रहे हैं। वहीं, मोहम्मद जीशान अय्यूब, अनंत जोशी, सिद्धार्थ जाधव, अक्षरा सिंह और उल्का गुप्ता भी फिल्म का हिस्सा हैं। दिवंगत अभिनेता नाना पाटेकर भी इस फिल्म में नजर आएंगे।



माइथो क्रिएचर 'कालिया' में दिखेंगे कार्तिक आर्यन

करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस अब बड़े पैमाने की पौराणिक क्रिएचर फिल्म 'कालिया' पर दांव लगाने की तैयारी में है। खबरों के मुताबिक, फिल्म में कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका निभाएंगे, जबकि 'द नाइट मैनेजर' फेम संदीप मोदी निर्देशन की कमान संभालेंगे। इसकी शूटिंग दिसंबर 2026 में शुरू हो सकती है। चर्चा यह भी है कि फिल्म का आधिकारिक ऐलान दिवाली पर 'रामायण' के प्रिंट्स के साथ एक विशेष वीडियो के जरिए किया जा सकता है। हालांकि आधिकारिक पुष्टि होनी बाकी है।

'कालिया' के जरिए कार्तिक, करण और संदीप पहली बार एक साथ काम कर सकते हैं। बता दें कि 2019 में धर्मा प्रोडक्शंस ने कार्तिक के साथ 'दोस्ताना 2' की घोषणा की थी। बाद में फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई और दोनों के बीच मतभेद की खबरें सामने आईं। इसके बाद 2023 में 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के साथ दोनों की साझेदारी आगे बढ़ी थी।

माइथो स्टोरी में दिखेगा क्रिएचर का संसार

'कालिया' पारंपरिक माइथोलॉजी फिल्मों से अलग एक क्रिएचर फिल्म होगी। ऐसे जॉनर में माइथो रेफरेंस के साथ काल्पनिक जीवों की डिजाइनिंग, विजुअल इफेक्ट्स और बड़े स्तर पर विश्व-निर्माण अहम होते हैं। वहीं फिल्म के ऐलान को 'रामायण' के सिनेमाघरों में प्रदर्शन से जोड़ने की चर्चा इसके प्रमोशनल प्लान को और भी खास बनाती है। कार्तिक के खाते में आगे भी इस बैनर के साथ फैंटेसी फिल्म 'नागजिला' है, जो अगले साल रिलीज होगी।

राघवजुयाल ने शुरू की 'एनी बॉडी कैन ड्रीम' की शूटिंग

रेमो डिसूजा हैं निर्देशक

राघव जुयाल ने अपनी नई फिल्म 'एनी बॉडी कैन ड्रीम' की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन रेमो डिसूजा कर रहे हैं। राघव ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग शुरू होने की जानकारी साझा की। उन्होंने इस फिल्म को अपने करियर की सबसे अहम फिल्म बताया। उनके मुताबिक... 'यह फिल्म उनके लिए इसलिए खास नहीं है कि यह कितनी बड़ी है, बल्कि इसलिए है क्योंकि उन्होंने कई साल पहले इसके बारे में सोचा था और इसे अपने सपने का हिस्सा बनाया था। अब उस सपने को हकीकत में बदलते देखना उनके लिए बहुत भावुक पल है।' राघव ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि वह इस फिल्म के लिए अपना सब कुछ लगा देंगे। उनकी कोशिश है कि वह ऐसा अभिनय और नृत्य पेश करें, जैसा दर्शकों ने पहले किसी नृत्य पर आधारित फिल्म में नहीं देखा होगा। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ सपनों को पूरा होने में कई साल लग जाते हैं लेकिन जब वे पूरे होते हैं तो एहसास होता है कि वे सपने कभी हमसे दूर गए ही नहीं थे। हालांकि, फिल्म की कहानी और इसमें शामिल दूसरे कलाकारों के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।



संक्षिप्त समाचार

जर्मन विदेश मंत्री ने अमेरिका-इजरायल हमले को बताया सही, तेहरान बोला- शर्मनाक बयान

तेहरान , एजेंसी। तेहरान ने जर्मन विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल के उस बयान पर सख्त ऐतराज जताया है जिसमें उन्होंने ईरान पर अमेरिका-इजरायल की संयुक्त कार्रवाई का बचाव किया था। गुरुवार को ईरानी विदेश मंत्रालय ने इसे 'शर्मनाक और निम्न स्तर का बयान' करार दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट के जरिए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने उनकी आलोचना की। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की पुरानी टिप्पणी याद दिलाई। पोस्ट में लिखा, 'एक समय चांसलर मर्ज ने बड़े उत्साह से कहा था कि इजरायल, ईरान पर हमला करके 'गंदा काम' कर रहा है। लेकिन कुछ ही महीनों बाद, वही चांसलर अब इस बात पर अफसोस जता रहे हैं कि इस युद्ध की वजह से यूरोपीय अर्थव्यवस्था को 100 अरब यूरो का नुकसान हो रहा है! बाघेई ने आगे लिखा, 'अब उनके विदेश मंत्री भी ईरान पर हुए सैन्य हमले को सही ठहराने के लिए मजबूर महसूस कर रहे हैं। बाघेई ने आगे कहा कि वे इतनी उदासीनता और गहरे नैतिक पतन का शिकार हैं कि न तो उन्हें इंसानी जानों के नुकसान और युद्ध अपराधों का एहसास है, और न ही वे उस आर्थिक नुकसान को समझ पा रहे हैं जो यह युद्ध उनके अपने देश और पूरे यूरोप को पहुंचा रहा है।' बाघेई ने एक जर्मन कहावत के जरिए अपनी बात पर विराम लगाया। उन्होंने कहा, 'नुकसान उठाने से इंसान समझदार बनता है।' लेकिन ऐसा लगता है कि 'हंस गुक-इन-दी-लुफ्ट' (लापरवाह व्यक्ति) को कुछ भी सिखाया नहीं जा सकता।

अमेरिका के मियामी में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, एक की मौत और दो गंभीर रूप से घायल

मियामी , एजेंसी। अमेरिका के मियामी के पास बुधवार को एक हेलिकॉप्टर बिस्केन खाड़ी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मियामी-डेड काउंटी शेरिफ कार्यालय के मुताबिक, हेलिकॉप्टर दोपहर से कुछ समय पहले की बिस्केन के पास बिल बैग्स स्टेट पार्क के नजदीक दुर्घटनाग्रस्त हुआ। अमेरिकी तटरक्षक बल ने पुष्टि की कि हेलिकॉप्टर में सवार तीन लोगों में से एक की मौत हो गई, जबकि अन्य दो को स्थानीय ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्डके अनुसार, शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि रॉबिन्सन आर44 II हेलिकॉप्टर संभवतः फोटोग्राफी के लिए उड़ान पर था। हादसे के बाद तटरक्षक बल के अलावा कई स्थानीय एजेंसियों के दमकलकर्मियों ने भी बचाव अभियान चलाया। अधिकारियों ने हेलिकॉप्टर में सवार लोगों की पहचान तत्काल सार्वजनिक नहीं की।

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव: नतीजों के बाद ईरान में जश्न, तेहरान में ट्रंप-नेतन्याहू के खिलाफ प्रदर्शन; पोस्टर जलाए

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव (मिडटर्म इलेक्शन) में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को लगे बड़े झटके के बाद ईरान में भी इसका असर देखने को मिला। राजधानी तेहरान में लोगों ने ट्रंप, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पोस्टर जलाकर अपना विरोध जताया। ईरान में सरकार समर्थकों और कट्टरपंथी समूहों ने अमेरिकी और इस्राइली नेताओं की तस्वीरें जलाकर ट्रंप प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शनकारियों के बीच अमेरिकी चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के कमजोर प्रदर्शन को लेकर उत्साह नजर आया। ईरान युद्ध और महंगाई बनी ट्रंप की परेशानी? अमेरिकी चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को हुए नुकसान के पीछे ईरान से जुड़ा सैन्य तनाव और बढ़ती महंगाई भी अहम मुद्दे रहे। चुनाव के दौरान पेट्रोल और रोजमर्रा की जरूरी चीजों की बढ़ती कीमतों को लेकर मतदाताओं में नाराजगी थी। विपक्षी डेमोक्रेट्स ने इन मुद्दों को जोर-शोर से उठाया, जिसका उन्हें चुनाव में फायदा मिला। ईरान से जुड़े संघर्ष को लेकर अमेरिकी मतदाताओं की चिंता भी ट्रंप प्रशासन के लिए चुनौती बनी। चुनावी नतीजों ने साफ कर दिया कि विदेश नीति और घरेलू अर्थव्यवस्था के मुद्दे अमेरिकी राजनीति में किस तरह असर डाल सकते हैं। चुनाव में हार के बावजूद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के अपने फैसले का बचाव किया है। उन्होंने माना कि ईरान युद्ध के कारण पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई, जिससे अमेरिकी नागरिकों पर महंगाई का दबाव बढ़ा। डेमोक्रेट्स की ओर से महाभियोग लाए जाने की संभावना पर भी ट्रंप ने तीखी प्रतिक्रिया दी।

अमेरिका में इतिहास रचने को तैयार जेफ्रीज: पहले अश्वेत स्पीकर बनने की रेस में शामिल, ट्रंप टैरिफ पर किया बड़ा वादा

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता हकीम जेफ्रीज ने औपचारिक रूप से अगले स्पीकर के लिए अपनी दावेदारी पेश कर दी है। डेमोक्रेट्स के कांग्रेस पर नियंत्रण हासिल करने के एक दिन बाद उन्होंने यह कदम उठाया है। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगाए टैरिफ को खत्म करने और प्रशासन पर अंकुश रखने का वादा किया है। अगर चुने जाते हैं, तो न्यूयॉर्क के यह डेमोक्रेट अमेरिकी इतिहास में पहले अश्वेत स्पीकर होंगे। जेफ्रीज ने आने वाली 120वीं कांग्रेस के सदस्यों को एक 'डियर कलीग' (प्रिय सहयोगी) पत्र लिखा, जिसे बुधवार (स्थानीय समय) को उनके कार्यालय द्वारा जारी किया गया। इसमें उन्होंने 'हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स' (प्रतिनिधि सभा) के अगले स्पीकर के रूप में अपनी उम्मीदवारी के लिए विनम्रतापूर्वक समर्थन मांगा है।

उन्होंने पत्र के अंत में 'यूनाइटेड स्टेट्स हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के 57वें स्पीकर के रूप में सेवा करने' के लिए उनका समर्थन मांगा। उन्होंने लिखा, 'हमें अब वह बड़ा बदलाव लाना होगा जिसकी अमेरिकी जनता भारी संख्या में मांग कर रही है।'

डेमोक्रेट नेता ने कहा कि वह अपनी पार्टी से तीन अहम मुद्दों पर



निर्णायक कदम उठाने का आह्वान करेंगे। पहला मुद्दा आम लोगों की रोजमर्रा की महंगाई और बढ़ते खर्च से राहत दिलाना, दूसरा- जवाबदेही, यानी सत्ता में बैठे लोगों से उनके फैसलों का हिसाब लेना और तीसरा अमेरिकी मूल्यों की रक्षा है। उनके मुताबिक ये सब देश की पहचान के लिए जरूरी मानते हैं। जेफ्रीज का कहना है कि डेमोक्रेट्स को इन्हीं तीन मोर्चों पर फोकस करके जनता का भरोसा जीतना होगा। व्यापार के मुद्दे पर, उन्होंने बढ़ती लागत के लिए 'ट्रंप के टैरिफ और ईरान में युद्ध जैसी जीओपी (रिपब्लिकन पार्टी) की हानिकारक नीतियों' को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने लिखा, 'पहले 100 दिनों के दौरान, हाउस डेमोक्रेट्स को मेडिकेड में की गई कटौती को पलटने, स्नैप फंडिंग को बहाल करने, 'अफोर्डेबल केयर एक्ट' के तहत टैक्स क्रेडिट बढ़ाने, ट्रंप के टैरिफ को खत्म करने और ईरान में बिना सोचे-समझे छेड़े गए युद्ध को रोकने के लिए कदम उठाने होंगे। निगरानी के मुद्दे पर उन्होंने कहा, 'अब वे दिन लद गए हैं जब 'हाउस' (प्रतिनिधि सभा) ट्रंप प्रशासन की एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक इकाई की तरह काम करता था। कांग्रेस अब नियंत्रण से बाहर हो चुकी कार्यकारी शाखा पर एक 'चेक एंड बैलेंस' (नियंत्रण और संतुलन) के रूप में अपनी भूमिका निभाएगी।

आप्रवासन के बारे में जेफ्रीज ने कहा कि हाउस डेमोक्रेट्स ने 'डोनाल्ड ट्रंप की लोगों को बड़े पैमाने पर और जबरन देश से बाहर निकालने की मशीन के लिए करदाताओं का पैसा देने से इनकार कर दिया है, क्योंकि हमारा मानना ??है कि आप्रवासन कानूनों का पालन निष्पक्ष, न्यायपूर्ण और मानवीय तरीके से होना चाहिए। उन्होंने पार्टी के मूल्यों में 'अप्रवासियों के देश के रूप में हमारी विरासत' को भी शामिल किया। बुधवार देर रात, जेफ्रीज ने एक्स पोस्ट में कहा, 'हाउस डेमोक्रेट्स कम से कम 255 सीटें जीतने की राह पर हैं।' इस पत्र में भारत, एच-1बी वीजा या कानूनी आप्रवासन का कहीं भी नाम नहीं लिया गया है। भारत के लिए, टैरिफ (शुल्क) से जुड़ा वादा सबसे सीधा और महत्वपूर्ण मुद्दा है। डेमोक्रेटिक हाउस के पास सदन की समितियों का नियंत्रण होगा और वह सुनवाई और कानून के माध्यम से प्रशासन के व्यापार उपायों की जांच कर सकता है, जिनमें भारतीय निर्यात को प्रभावित करने वाले उपाय भी शामिल हैं। हालांकि, टैरिफ कम करने वाले किसी भी विधेयक को सीनेट से पारित होना होगा और ट्रंप के वीटो का सामना करना पड़ेगा। इसके अलावा, डेमोक्रेटिक नियंत्रण से यह तय होगा कि आव्रजन संबंधी कौन से विधेयक सदन में पहुंचेंगे। भारतीय नागरिक एच-1बी कार्यक्रम के सबसे बड़े उपयोगकर्ता हैं और रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड के लंबित मामलों में उनका बड़ा हिस्सा है, इसलिए उच्च-कुशल आव्रजन विधेयकों पर समिति अध्यक्षों के निर्णयों पर भारतीय अमेरिकी समुदाय की कड़ी नजर रहेगी। मंगलवार को छठी बार चुनाव जीतने वाले डेमोक्रेट रो खन्ना की सह-अध्यक्षता वाली 'इंडिया एंड इंडियन अमेरिकन कांग्रेसनल कॉकस 2022' के बाद पहली बार बहुमत वाले डेमोक्रेटिक सदन में काम करेगी।

जेफ्रीज की उम्मीदवारी ऐसे समय में आई है जब रिपब्लिकन एकजुट हो रहे हैं। स्पीकर माइक जॉनसन ने अपने कर्मचारियों को बताया कि वह नई कांग्रेस में अल्पसंख्यक नेता पद के लिए चुनाव नहीं लड़ेंगे। स्टीव स्केलिस और न्यायपालिका समिति के अध्यक्ष जिम जॉर्डन दोनों ने अपने सहयोगियों से कहा है कि वे यह पद चाहते हैं।

चुनावी हार के बाद ट्रंप कर सकते हैं बड़ा फेरबदल: रुबियो की जगह लेंगे सर्जियो गोर? अमेरिकी मीडिया में बड़ा दावा

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को मिली हार के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन में बड़े बदलावों की अटकलें तेज हो गई हैं। इस बीच भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर को बड़ी जिम्मेदारी मिलने की चर्चा है। द वॉशिंगटन सन की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप के करीबी गोर को सरकार में किसी वरिष्ठ पद पर नियुक्त किया जा सकता है। रिपोर्ट में 10 लोगों के हवाले से बताया गया है कि गोर मिडटर्म चुनाव के बाद अपनी भूमिका को और बड़ा करने की तैयारी कर रहे हैं। वह पहले व्हाइट हाउस में वरिष्ठ सहयोगी के तौर पर काम कर चुके हैं और राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी माने जाते हैं।

चीफ ऑफ स्टाफ से लेकर विदेश मंत्री पद तक बदले जाने की चर्चा : रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति के करीबी लोगों के बीच गोर का नाम दूसरे कार्यकाल के शेष समय में किसी वरिष्ठ प्रशासनिक पद के लिए चर्चा में है। विदेश विभाग के अधिकारियों के बीच भी यह खबरें चल रही हैं कि गोर अधिक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी हासिल करना चाहते हैं। मामले से जुड़े एक अमेरिकी अधिकारी ने द वॉशिंगटन सन से कहा, 'वह ऐसी भूमिका चाहते हैं, जिसमें उनकी सार्वजनिक मौजूदगी ज्यादा हो। रिपोर्ट में कहा गया है कि गोर का नाम व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के उत्तराधिकारी के तौर पर भी सामने आया है। इसके अलावा, वह विदेश विभाग में उप विदेश मंत्री क्रिस लैंडौ की जगह लेने जैसे दूसरे वरिष्ठ पदों पर भी विचार कर सकते हैं।

गोर ने अटकलों को बताया बकवास : हालांकि, सर्जियो गोर और अमेरिकी प्रशासन के प्रतिनिधियों ने इन खबरों को खारिज किया है। गोर ने द वॉशिंगटन सन को दिए बयान में कहा, यह खबर पूरी तरह और बिल्कुल बकवास है।

उन्होंने विदेश मंत्री मार्को रुबियो की तारीफ करते हुए कहा, 'सेक्रेटरी मार्को रुबियो ने साबित किया है कि वह इतिहास के सबसे योग्य, उपलब्धियां हासिल करने वाले और महान विदेश मंत्री हैं। उनकी जगह कोई नहीं ले सकता। वह मेरे प्रिय मित्र हैं और भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में हर दिन उनके साथ काम करना मेरे लिए खुशी की बात है। यह जीवन का एक सच्चा सम्मान है। मुझे किसी दूसरी भूमिका में कोई दिलचस्पी नहीं है। वहीं, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने भी इस रिपोर्ट को मनगढ़ंत बताते हुए कहा कि गोर की किसी दूसरे पद में रुचि नहीं है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने गुयाना के राष्ट्रपति से मुलाकात की; 500 मिलियन डॉलर क्रेडिट लाइन विस्तार का ऐलान

सेंट जॉन्स (एंटीगुआ और बारबुडा) , एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 'कॉमनवेल्थ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट मीटिंग' (सीएचओजीएम) 2026 के दौरान गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली से मुलाकात की। इस मौके पर दोनों देशों ने दक्षिण अमेरिकी देश के सार्वजनिक और रक्षा बुनियादी ढांचे के लिए 500 मिलियन डॉलर की 'लाइन ऑफ क्रेडिट' (ऋण सुविधा) को बढ़ाने की घोषणा की। विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर कहा, 'गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. इरफान अली से मिलकर खुशी हुई।

2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के बाद हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग में हुई निरंतर प्रगति की समीक्षा की। हमने सड़क, स्वास्थ्य और रक्षा परियोजनाओं के लिए 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर की 'लाइन ऑफ क्रेडिट' (ऋण सुविधा) बढ़ाने की घोषणा की है।' उन्होंने आगे कहा, 'हमने एमएसई (सूक्ष्म और लघु उद्यम) विनिर्माण परियोजनाओं की आपूर्ति और स्थापना, 'क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स' (त्वरित प्रभाव वाली परियोजनाओं) को लागू करने के लिए अनुदान सहायता, और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर तथा गुयाना में यूपीआई जैसी प्रणाली के संचालन में सहयोग के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवंबर 2024 में गुयाना की एक ऐतिहासिक राजकीय यात्रा की थी - जो 56 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की इस देश की पहली यात्रा थी। इस दौरान उन्हें गुयाना के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान 'ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' से नवाजा गया था। मई 1966 में गुयाना की स्वतंत्रता के बाद से ही, भारत और गुयाना के बीच संबंध काफी करीबी और सौहार्दपूर्ण रहे हैं, जिनमें आपसी समझ का स्तर बहुत ऊंचा है। पिछले महीने, गुयाना में भारत के उच्चायुक्त चिन्मय नाइक ने जॉर्जटाउन में आयोजित एक आधिकारिक समारोह में राष्ट्रपति इरफान अली को अपना परिचय पत्र (क्रेडेंशियल्स) सौंपा। इस मुलाकात के दौरान, दोनों पक्षों ने भारत और गुयाना के बीच बहुआयामी संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया।

ट्रंप का दावा, व्हाइट हाउस का नया बॉलरूम मिसाइल और ड्रोन हमलों से भी रहेगा सुरक्षित

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में बन रहे नए बॉलरूम को बेहद सुरक्षित और आधुनिक सुविधाओं से लैस बताया है। उन्होंने दावा किया कि यह ड्रोन, गोलियों और मिसाइलों के हमलों को भी झेलने में सक्षम होगा। ट्रंप के मुताबिक, निर्माण कार्य तय समय से आगे चल रहा है और निर्धारित बजट से कम खर्च में पूरा हो रहा है। बुधवार को निर्माण स्थल पर पहुंचे ट्रंप ने अंतिम स्टील बीम लगाए जाने के मौके पर कहा कि यह इमारत केवल समारोहों और रात्रिभोज के आयोजन तक सीमित नहीं होगी, बल्कि दुनिया के शीर्ष नेताओं की सुरक्षा को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है। ट्रंप ने कहा, 'यह ड्रोन प्रूफ, मिसाइल प्रूफ और बुलेटप्रूफ है।' उन्होंने दावा किया कि इसकी छत, दीवारें और खिड़कियां इस तरह बनाई जा



रही हैं कि किसी भी संभावित हमले का सामना कर सकें। अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुसार, नए बॉलरूम में एक समय में 2,000 से 2,500 मेहमानों के लिए रात्रिभोज आयोजित किया जा सकेगा। यहां चीन और रूस समेत विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों और दूसरे शीर्ष नेताओं की मेजबानी भी की जा सकेगी। उन्होंने इसे वाशिंगटन का सबसे सुरक्षित स्थान बताते हुए कहा, 'इसकी मजबूत छत इतनी मजबूत होगी कि उस पर हेलीकॉप्टर भी उतारे जा सकेंगे।' ट्रंप ने इमारत के भूमिगत हिस्से में किए जा रहे निर्माण कार्य का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि परियोजना का विस्तार जमीन के पांच स्तर नीचे तक है। उनके मुताबिक, सेना ने इस निर्माण के दौरान उन सुविधाओं को भी शामिल करने का अवसर हासिल किया है, जिन्हें वह दशकों से चाहती थी।उन्होंने कहा, 'हमने वह सब कुछ किया, जो सेना चाहती थी।' हालांकि, उन्होंने भूमिगत सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा नहीं की। ट्रंप ने यह भी बताया कि बॉलरूम की छत को ड्रोन पोर्ट के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां 100 से अधिक ड्रोन रखे जा सकेंगे। उन्होंने इमारत के स्टील ढांचे को असाधारण रूप से मजबूत बताते हुए कहा कि इसकी छत का उद्देश्य केवल बारिश से बचाव करना नहीं है। उनके अनुसार, बॉलरूम की छत 50 फुट से अधिक ऊंची होगी, जो लगभग पांच मंजिला इमारत के बराबर है। इमारत के बाहरी हिस्से में ऊंचे कोरिंथियन शैली के चूना पत्थर के स्तंभ लगाए जा रहे हैं, जबकि अंदर संगमरमर का फर्श और बड़े आकार के शीशे लगाए जाएंगे।

ईरान संघर्ष और अमेरिकी सैन्य अभियानों पर पेंटागन की जवाबदेही तय करने की मांग

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के वरिष्ठ सांसद एडम स्मिथ ने ईरान संघर्ष, लैटिन अमेरिका में अमेरिकी सैन्य अभियानों और निजी कंपनियों को दिए जा रहे रक्षा ठेकों को लेकर पेंटागन की कड़ी निगरानी की मांग की है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की सशस्त्र सेवा समिति में डेमोक्रेटिक पार्टी के शीर्ष सदस्य स्मिथ ने 120वीं कांग्रेस के लिए अपनी पार्टी की निगरानी संबंधी प्राथमिकताएं सामने रखीं। उन्होंने कहा, ' अगली कांग्रेस में रक्षा विभाग और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करना मेरी प्राथमिकता होगी।' स्मिथ ने पेंटागन के वरिष्ठ अधिकारियों की सार्वजनिक गवाही बढ़ाने और समिति में निगरानी एवं जांच के लिए समर्पित उपसमिति को फिर से बहाल करने का प्रस्ताव रखा है। ईरान के साथ जारी संघर्ष को



अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए उन्होंने इसे 'अवैध युद्ध' करार दिया। हालांकि, यह उनकी राजनीतिक और कानूनी राय है। उन्होंने अपने बयान में इसके समर्थन में कोई विस्तृत कानूनी विश्लेषण पेश नहीं किया। स्मिथ ने कहा, ' सरकार की ओर से निजी कंपनियों को दिए जाने वाले ठेकों और वित्तीय सहायता की भी जांच होनी चाहिए, ताकि सरकारी धन के इस्तेमाल में संभावित अनियमितताओं, धोखाधड़ी और दुरुपयोग का पता लगाया जा सके।' उन्होंने कहा, 'कैरेबियाई क्षेत्र और लैटिन अमेरिका में कथित तौर पर अनधिकृत सैन्य हमलों, अमेरिकी शहरों में सैन्य तैनाती और सशस्त्र बलों के राजनीतिकरण जैसे मुद्दे भी निगरानी के दायरे में होने चाहिए। ' रक्षा बजट पर अपनी राय रखते हुए स्मिथ ने कहा, 'राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक के रक्षा बजट की जरूरत नहीं होनी चाहिए।' उन्होंने घरेलू कार्यक्रमों में भारी कटौती किए बिना रक्षा संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल की वकालत की। उनका कहना था कि नए हथियारों और सैन्य प्रणालियों में निवेश करते समय हालिया संघर्षों से मिले सबक को ध्यान में रखना चाहिए। साथ ही ऐसी क्षमताओं के विकास पर जोर होना चाहिए, जो कम लागत में प्रभावी साबित हों। उन्होंने सैन्य खरीद प्रक्रिया में सुधार के लिए द्विदलीय प्रयास जारी रखने का भी समर्थन किया। स्मिथ ने अमेरिकी सैनिकों, रक्षा विभाग के नागरिक कर्मचारियों और उनके परिवारों के हितों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि बेहतर सुविधाएं और जीवन स्तर सुनिश्चित करना जरूरी है, ताकि सेना में प्रतिभाशाली लोगों की भर्ती और उन्हें बनाए रखने में मदद मिले। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप प्रशासन में सैन्य और नागरिक पदों पर नियुक्तियों के दौरान योग्यता के बजाय राजनीतिक निष्ठा को महत्व दिया जा रहा है। हालांकि, स्मिथ ने अपनी घोषणा में किसी विशेष रक्षा ठेके, कंपनी या हथियार कार्यक्रम का नाम नहीं लिया। न ही उन्होंने किसी औपचारिक जांच की शुरुआत या सुनवाई का कार्यक्रम घोषित किया है।

बांग्लादेश: वेतन बढ़ाने की मांग पर कपड़ा मजदूरों का उग्र प्रदर्शन, पुलिस से झड़प के बाद 100+ फैक्ट्रियां बंद



ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में न्यूनतम वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर कपड़ा उद्योग के मजदूरों का विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। बुधवार को राजधानी ढाका और आसपास के औद्योगिक इलाकों में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई। हालात संभालने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और स्टन ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। कई दिनों से जारी आंदोलन के कारण देश की सैकड़ों गारमेंट फैक्ट्रियों में कामकाज ठप हो गया है। मजदूरों की मांग है कि उनका न्यूनतम मासिक वेतन मौजूदा 12,500 टका से बढ़ाकर 30,000 टका किया जाए। उनका कहना है कि महंगाई और रोजमर्रा की जरूरतों की बढ़ती कीमतों ने उनकी आर्थिक स्थिति पर दबाव बढ़ा दिया है। लगातार विरोध के चलते बांग्लादेश के प्रमुख कपड़ा औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन प्रभावित हो रहा है।

30 हजार टका न्यूनतम वेतन की मांग पर अड़े मजदूर : बांग्लादेश के गारमेंट उद्योग में करीब 40 लाख लोग काम करते हैं। इनमें ज्यादातर महिलाएं हैं, जो ग्रामीण इलाकों से आकर फैक्ट्रियों में रोजगार करती हैं। मजदूरों का कहना है कि मौजूदा 12,500 टका का न्यूनतम मासिक वेतन बढ़ती महंगाई के बीच पर्याप्त नहीं है। इसलिए वे इसे बढ़ाकर 30,000 टका करने की मांग कर रहे हैं। उनके मुताबिक, खाने-पीने की चीजों, आवास और अन्य जरूरी सामानों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में मौजूदा वेतन से परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है। कई दिनों से राजधानी ढाका में प्रदर्शन कर रहे मजदूरों का आंदोलन बुधवार को आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों तक फैल गया। नारायणगंज जिले के फतुल्लाह इलाके में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, इस दौरान कई दर्जन लोग घायल हुए। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस और स्टन ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार प्रोथोम आलो के अनुसार, पुलिस ने फतुल्लाह में कई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार भी किया। वहीं, गाजीपुर जिले में मजदूरों ने एक प्रमुख राजमार्ग को जाम कर दिया। इससे यातायात पर भी असर पड़ा। मजदूर आंदोलन का असर बांग्लादेश के कपड़ा उद्योग पर साफ दिखाई दे रहा है। ढाका के पास सावर क्षेत्र के अशुलिया में करीब 100 फैक्ट्रियां बंद रहीं। अशुलिया इंडस्ट्रियल पुलिस के अधीक्षक मोमिनुल इस्लाम भुइयां ने बताया कि इलाके में लगभग 100 कारखानों का कामकाज बंद है।

मिडटर्म की हार 'करीब-करीब तबाही' जैसा, एच-1बी वीजा नहीं रोका तो जनता ने दिया सबक: फ्लोरिडा गवर्नर

वाशिंगटन , एजेंसी। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने एच-1बी वीजा कार्यक्रम पर लगाम लगाने में नाकाम रहने के लिए सीनेट रिपब्लिकन्स की आलोचना की। एच-1बी वीजा के जरिए ही भारतीय टेक्नोलॉजी पेशेवर अमेरिका में काम करते हैं। डेसेंटिस ने मध्यावधि चुनावों में हार का आंशिक कारण अपने मतदाताओं का वोट के लिए घर से न निकलने को भी बताया। फॉक्स न्यूज की होस्ट लॉरा इंग्राहम ने पूछा कि सीनेट 'फिलीबस्टर' (कानून पास होने में रुकावट डालने की प्रक्रिया) को खत्म न करना कितनी बड़ी गलती थी, तो डेसेंटिस ने कहा कि उन्हें 'ऐसा कोई संकेत नहीं दिखा कि रिपब्लिकन सीनेटरों का मौजूदा समूह इस तरह का कोई रूढ़िवादी बदलाव करने में दिलचस्पी रखता हो।' उन्होंने इंग्राहम से कहा, 'मेरा मतलब है, हमने आव्रजन (इमिग्रेशन) के मुद्दे पर काम क्यों नहीं किया, एच-1बी वीजा क्यों बंद नहीं किए? हमने ट्रंप के आव्रजन संबंधी कार्यकारी आदेशों को कानून के रूप में क्यों नहीं लागू किया?' उन्होंने यह भी पूछा कि रिपब्लिकनों ने 'निर्वासन (डिपोर्टेशन) के मामलों से संघीय अदालतों का अधिकार क्षेत्र क्यों नहीं छीना।

डेसेंटिस ने कहा, 'ऐसी बहुत सी चीजें थीं जो की जा सकती थीं, लेकिन उन्होंने कोशिश तक



नहीं की।' उन्होंने कहा कि मध्यावधि चुनाव (मिडटर्म) के नतीजे 'डेमोक्रेट्स, निर्दलीय लोगों और कुछ ऐसे रिपब्लिकनों की तरफ से राष्ट्रपति और कांग्रेस को एक कड़ा संदेश (फटकार) थे, जिन्होंने पाला बदल लिया था।' उन्होंने आगे कहा, 'हमारे बहुत से मतदाता जो घर पर ही रहे, वे इसलिए नहीं निकले क्योंकि वे हाउस और सीनेट में रिपब्लिकन्स के काम न कर पाने (प्रोडक्टिविटी की कमी) से निराश थे।

उन्होंने कहा, 'इसलिए, यह वास्तव में पेंसिल्वेनिया एवेन्यू (अमेरिकी सत्ता केंद्र) के दोनों पक्षों की समस्या है। यह सिर्फ एक पक्ष की बात नहीं है।' बुधवार को फ्लोरिडा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, डेसेंटिस ने मंगलवार के नतीजों को 'देश के कई हिस्सों में रिपब्लिकनों के लिए लगभग अस्तित्व खत्म होने जैसी घटना (करीब-करीब तबाही)' बताया, 'जैसा कि हमने शायद पिछले 100 सालों में नहीं देखा था।' उन्होंने कहा, 'यह डेमोक्रेट्स के प्रति कोई सकारात्मक नजरिया नहीं था। यह वाशिंगटन में रिपब्लिकनों को खारिज करना था, और डेमोक्रेट्स को बस इसका फायदा मिल गया।

उन्होंने कहा कि टेक्सास में - जो लंबे समय से 'रिपब्लिकन राजनीति का सबसे अहम गढ़' रहा है - रिपब्लिकन एक 'बहुत चर्चित अमेरिकी सीनेट चुनाव' हार गए, और साथ ही 'गवर्नर, अटॉर्नी जनरल और राज्य स्तर के अन्य सभी पदों' पर भी हार गए। उन्होंने कहा, 'अगर रिपब्लिकन पार्टी के पास टेक्सास जैसा मजबूत आधार नहीं है, तो भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर हमारा टिके रहना मुश्किल होगा।' फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को रिपब्लिकन्स ने हाउस और सीनेट दोनों पर अपना नियंत्रण खो दिया, जबकि रिपब्लिकन बायरन डोनाल्ड्स ने डेसेंटिस की जगह लेने के लिए चुनाव जीत लिया। डेसेंटिस, जो जनवरी में अपना पद छोड़ रहे हैं और जिन्होंने 2028 में राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की संभावना से इनकार नहीं किया है, ने एच-1बी वीजा को लगातार अपने निशाने पर रखा है। फॉक्स 49 की रिपोर्ट के अनुसार, 14 सितंबर को लेकलैंड के पास एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा: 'सच कहूं तो, मुझे लगता है कि हमें अमेरिका में एच-1बी वीजा को खत्म कर देना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)